

निदेशकों का रिपोर्ट 2021-22

निदेशक मंडल को 31 मार्च 2022 की तुलना पत्र एवं 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए लाभ और हानि खाते के साथ केरल ग्रामीण बैंक की 9 वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते में प्रसन्नता है।

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण

वैश्विक परिदृश्य

2021 में मजबूत आर्थिक सुधार मजबूत उपभोक्ता खर्च और निवेश में कुछ तेजी से प्रेरित है, और माल में व्यापार पूर्व-महामारी के स्तर को पार करने के साथ चार दशकों से अधिक में उच्चतम विकास दर को चिह्नित करता है। लेकिन कोविड 19 संक्रमणों की नई लहरों, लगातार श्रम बाजार की चुनौतियों, आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों और बढ़ते मुद्रास्फीति के दबाव के बीच इसे महत्वपूर्ण विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। हालांकि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में उत्पादन और निवेश, स्पष्ट रूप से नीचे रहेंगे। वैश्विक दृष्टिकोण के लिए डाउनस्लाइड जोखिमों में एक समकालिक महामारी पुनरुत्थान, आगे आपूर्ति व्यवधान, मुद्रास्फीति की उम्मीदों का एक असमन्वयन, अप्रत्याशित वित्तीय तनाव और संभावित जलवायु संबंधी आपदाएं शामिल हैं। 2020 की महामारी से प्रेरित वैश्विक मंदी में, वैश्विक ऋण बढ़ गया है। ऋण में वृद्धि ने कई देशों को ऋण पुनर्गठन शुरू करने के लिए प्रेरित किया है।

महामारी से होने वाले नुकसान में जोड़ते हुए, यूक्रेन पर रूसी आक्रमण ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी को बढ़ा दिया है, जो कमजोर विकास और उच्च मुद्रास्फीति की लंबी अवधि में प्रवेश कर रही है। इससे मध्यम और निम्न आय वाली अर्थव्यवस्थाओं के लिए समान रूप से हानिकारक परिणामों के साथ मुद्रास्फीतिजनित मंदी (स्टैगफ्लेशन) का खतरा बढ़ जाता है। मुद्रास्फीति दर अनियंत्रित रूप से बढ़ रही है और देश मुद्रास्फीति को अनुबंधित करने के लिए उधार दरों में वृद्धि करने के लिए मजबूर हैं। तेल की कीमतें दोगुनी हो गई हैं और संयुक्त राष्ट्र आने वाले वित्तीय वर्ष में आवश्यक वस्तुओं जैसे दाल, मक्के, आलू आदि की आपूर्ति में भारी कमी का संकेत दे रहा है। महामारी के कारण असमानता में वृद्धि के परिणामस्वरूप सामाजिक तनाव बढ़ सकता है।

जैसा कि संयुक्त राज्य के सुरक्षा जनरल एंटोनियो गुटेरेस ने कहा:

"वैश्विक सुधार की इस नाजुक और असमान अवधि में, विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं 2022 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर लक्षित और समन्वित नीति और वित्तीय उपायों की मांग करती है। अब समय आ गया है कि देशों के भीतर और देशों के बीच असमानता की खाई को भरा जाए। अगर हम एकजुटता से काम करते हैं - एक मानव परिवार के रूप में - हम 2022 को लोगों और अर्थव्यवस्थाओं के लिए समान रूप से पुनर्प्राप्ति का एक सच्चा वर्ष बना सकते हैं।"

भारतीय परिदृश्य

सबसे मजबूत नहीं, सबसे बुद्धिमान नहीं, लेकिन परिवर्तन से सबसे अनुकूल रहने वाली प्रजातियां जीवित रहती हैं- चार्ल्स डार्विन।

भारत सभी परिवर्तनों के लिए प्रत्यास्थी है और दुनिया के किसी भी देश की तुलना में किसी भी कठिन परिस्थितियों का सामना कर सकता है और जल्दी से ठीक हो सकता है। यह अन्य देशों की तुलना में 2021-22 में भारत की वित्तीय स्थिति में काफी स्पष्ट है। आईएमएफ के विश्व आर्थिक दृष्टिकोण प्रक्षेपण के अनुसार, भारत का सकल घरेलू उत्पाद 2021-22 और 2022-23 में 9% और 2023-24 में 7.1% की दर से बढ़ने का अनुमान किया गया है जो भारत को सभी 3 वर्षों के लिए दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना देगा। वास्तविक रूप में, भारतीय अर्थव्यवस्था के 2020-21 में 7.3% के संकुचन के बाद 2021-22 में 9.2% की दर से बढ़ने का अनुमान किया गया है।

आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 का केंद्रीय विषय 'अजाइल एप्रोच' था जिसे कोविड 19 महामारी के झटके के लिए भारत की आर्थिक प्रतिक्रिया के माध्यम से लागू किया गया था। यह अत्यधिक अनिश्चितता की परिस्थितियों में नीति निर्माण की कला और विज्ञान से संबंधित है। इस दृष्टिकोण के तहत अल्पकालिक नीति प्रतिक्रियाओं को एक उभरती हुई स्थिति के अनुरूप बनाया जा सकता है। दूसरी लहर का आर्थिक प्रभाव 20-21 में पहले चरण की तुलना में बहुत कम था, हालांकि स्वास्थ्य प्रभाव अधिक गंभीर था।

भारत सरकार की अनूठी प्रतिक्रिया में समाज के कमजोर वर्गों और व्यापार वर्ग पर प्रभाव को कम करने के लिए सुरक्षा उपाय शामिल हैं। विकास को गति देने के लिए पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि और दीर्घकालिक विस्तार के लिए आपूर्ति पक्ष में सुधार किया गया।

केरल की अर्थव्यवस्था

केरल की अर्थव्यवस्था 9.78 लाख करोड़ के वार्षिक सकल राज्य उत्पाद के साथ भारत में 9वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। केरल के उच्च सकल घरेलू उत्पाद और उच्च विकास के आंकड़ों के साथ उत्पादकता के आंकड़ों को अक्सर अर्थशास्त्रियों, राजनीतिक वैज्ञानिकों और समाजशास्त्रियों द्वारा 'केरल मॉडल' विकास करार दिया जाता है। यह मुख्य रूप से केरल के भूमि सुधारों और संपूर्ण समुदायों के सामाजिक उत्थान से उत्पन्न होती है।

केरल की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से लोकतांत्रिक समाजवादी कल्याणकारी राज्य की अवधारणा पर आधारित है। केरल देश में 47.7% शहरी आबादी वाला दूसरा सबसे अधिक शहरीकृत प्रमुख राज्य है और कुछ चुनिंदा शहरों में ध्यान केंद्रित करने के बजाय एक अखिल राज्य अर्थव्यवस्था बनाए रखने की कोशिश की है। केरल भारत का दूसरा सबसे कम गरीब राज्य है। केरल भारतीय आबादी का 2.8% का हिस्सा प्रदान करता है और इसके भूमि क्षेत्र का 1.2% हिस्सा भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 4% से अधिक योगदान देता है। राज्य की प्रति व्यक्ति आय भारतीय औसत से 60% अधिक है। 2015-16 में केरल में तीसरी सबसे अधिक 12.5% की बेरोजगारी दर थी। लेकिन इसने समाज के सभी क्षेत्रों को प्रभावित करने वाली कोरोना महामारी के बावजूद, बेरोजगारी दर को 5% तक कम करने में कामयाब रहा है।

कोविड 19 महामारी और रोकथाम उपायों के परिणामस्वरूप केरल का आर्थिक विकास देश और दुनिया के कई हिस्सों की तरह नकारात्मक क्षेत्र में चला गया। त्वरित अनुमानों के अनुसार सकल मूल्य वर्धित (स्थिर कीमतों पर) की वृद्धि 2019-20 में 2.19 प्रतिशत की वृद्धि के मुकाबले 2020-21 में कम (-) 8.16 प्रतिशत हो गई। मौजूदा कीमतों पर 2020-21 में जीएसवीए में (-) 2.54 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि 2019-20 में 5.28% की वृद्धि हुई थी। 2021-22 के लिए केरल का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 3.14% है जो 2019-20 में जीएसडीपी पर 1% की वृद्धि है, लेकिन 2018-19 में 6.5% की वृद्धि दर से कम है।

केरल ग्रामीण बैंक

दो क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अर्थात् केनरा बैंक द्वारा प्रायोजित साउथ मालाबार ग्रामीण बैंक (एसएमजीबी) और ई-सिंडिकेट बैंक द्वारा प्रायोजित नॉर्थ मालाबार ग्रामीण बैंक (एनएमजीबी) वर्ष 1976 से राज्य में कार्य कर रहे थे। केरल राज्य के सभी जिलों में गहरी उपस्थिति रखने वाले ये आरआरबी, भारत सरकार की अधिसूचना एफ संख्या 7/9/2011-आरआरबी (केरल) दिनांक 08/07/2013 के माध्यम से एक राज्यव्यापी आरआरबी, अर्थात् केरल ग्रामीण बैंक में समामेलित किया गया, जिसमें मलप्पुरम इसके मुख्य कार्यालय और केनरा बैंक प्रायोजक बैंक के रूप में था।

31.03.2022 तक 634 शाखाओं और 269 एटीएम के कुल शाखा नेटवर्क के साथ बैंक की पूरे केरल में उपस्थिति है, जिसमें बड़े पैमाने पर ग्रामीण तक पहुँच है। बैंक के पास 92 लाख से अधिक ग्राहकों का मजबूत आधार है। हमारा उद्देश्य प्रत्येक केरलवासी की पहली पसंद और पसंदीदा बैंकिंग भागीदार बनना है। कोविड-19 महामारी के प्रसार का मुकाबला करने के लिए बैंक की ग्राहक केंद्रित पहल के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं और बैंक ने राज्य और केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं को लागू करके जनता की आवश्यकताओं को पूरा करके, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में खुद को सबसे आगे रखा है।

पूँजी का अंत प्रवाह:

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान केंद्र सरकार, प्रायोजक बैंक और केरल सरकार द्वारा आरआरबी अधिनियम, 1976 में निर्धारित 50:35:15 के अनुपात में बैंक में कुल 627.44 करोड़ रुपये की पूँजी निवेश की गई। इस निवेश से बैंक की चुकता पूँजी बढ़कर 635.85 करोड़ रुपये हो गई है। पुनः पूँजीकरण सहायता के लिए बैंक के निदेशक मंडल के अनुमोदन से 31-03-2022 को शेयरधारकों को 10 रुपये के 627439930 पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर आवंटित किए गए हैं। बैंक का पूँजी से जोखिम-भारित परिसंपत्ति अनुपात

(सीआरएआर) 31-03-2022 को उपरोक्त के साथ 11.41% हो गया है और बैंक वित्त वर्ष 2022-23 से शीघ्र सुधारात्मक कार्यवाई फ्रेमवर्क (पीसीए) के पात्रता मानदंडों से बाहर आ गया है।

वित्तीय प्रदर्शन 2021-22

कोविड-19महामारी के कारण देश में व्याप्त प्रतिकूल वित्तीय स्थितियों के बीच वित्तीय वर्ष 2021-22के दौरान बैंक एक स्वस्थ व्यवसाय वृद्धि दर्ज कर सकता है। 31मार्च 2022तक बैंक का कुल कारोबार 41,113करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया।

प्रायोजक बैंक के साथ समझौता ज्ञापन के तहत उपलब्धियां

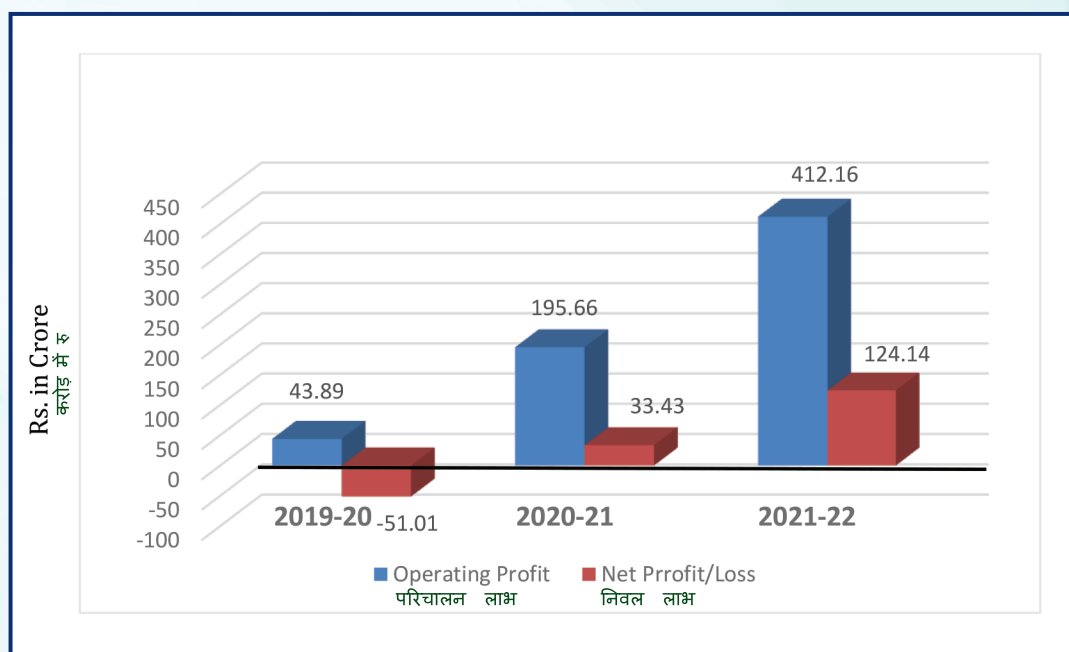
व्यवसाय, लाभ और लाभप्रदता पर बैंक का प्रदर्शन निम्नानुसार है::

करोड़ में रुपए

Sl.No.	Parameters	Targets	Achievements
1	शाखाओं की संख्या	--	634
2	शेयर पूंजी	--	635.85
	रिजर्व	--	891.64
3	जमा		
	कुल जमा	23100	21834
	मांग जमा	9900	9294
	सावधि जमा	--	12540
	औसत जमा	--	20819
4	अग्रिम		
a	अग्रिम बकाया	21250	19279
	प्राथमिकता क्षेत्र	19300	18166
	कृषि अग्रिम	13500	13016
	दीर्घकालिक कृषि अग्रिम	1146	1109
	एसएमई अग्रिम	1550	1354
b	अग्रिम संवितरण	--	17548
	प्राथमिकता क्षेत्र संवितरण	17400	15883
	कृषि संवितरण	14400	13977
5	सीडी अनुपात	91.99	88.30
6	वसूली %	--	95.5
7	सकल एनपीए	650	594.57
	निवल एनपीए	200	0
	निवल अग्रिम के लिए एनपीए %	0.94	0
8	प्रति शाखा कारोबार	--	64.85
9	प्रति कर्मचारी कारोबार	--	11.94
10	सकल लाभ	400	412.16
11	निवल लाभ	120	124.14

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, बैंक ने पिछले वर्ष के दौरान 33.43 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में 124.14 करोड़ रुपये का निवल लाभ कमाया। वर्ष के लिए औसत संपत्ति पर रिटर्न (आरओए) पिछले वर्ष के 0.13% के स्तर से बढ़कर 0.46% हो गया। प्रति कर्मचारी निवल लाभ पिछले वर्ष के 0.97 लाख रुपये की तुलना में इस वर्ष के लिए 3.60 लाख रुपये रहा।

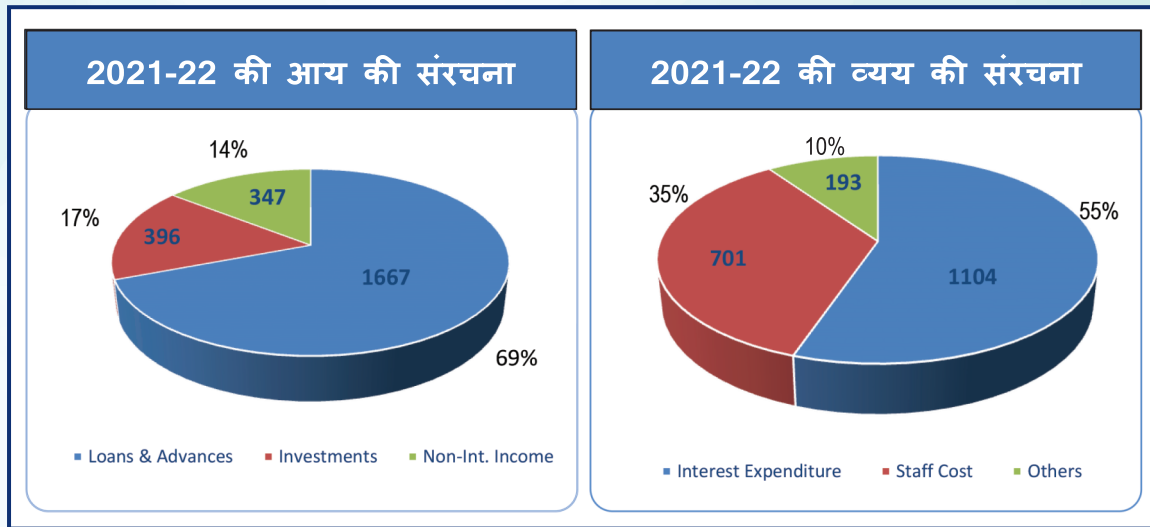
परिचालन लाभ और निवल लाभ



प्रमुख वित्तीय अनुपात

मापदंड	मार्च 2022	मार्च 2021
निधि की लागत	4.12	4.71
निधि पर उपज	7.70	7.80
जमा की लागत	4.43	5.13
अग्रिम पर उपज	9.04	9.05
निवेश पर उपज	6.89	6.36
एडब्ल्यूएफ के लिए % के रूप में स्प्रेड	3.58	3.09
एडब्ल्यूएफ के लिए परिचालन व्यय	3.34	3.40
औसत संपत्ति पर प्रतिलाभ (आरओए)	0.46	0.13
इक्विटी पर प्रतिलाभ	15.45	4.49
निवल ब्याज आय (एनआईआई) (रु. लाख)	95918	77985
प्रति कर्मचारी कारोबार (रु. लाख)	1194	1062
प्रति कर्मचारी लाभ/हानि (रु. लाख)	3.60	0.97

2021-22 का आय और व्यय विश्लेषण



बैंक की ब्याज आय में 4.81%की वार्षिक वृद्धि के साथ 2062.91करोड़ रुपये पहुंच गई, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह 1968.15करोड़ रुपये थी। गैर-ब्याज आय पिछले वर्ष के 273.10करोड़ रुपये की तुलना में बढ़कर 347.27करोड़ रुपये हो गई।

बैंक की जमा लागत पिछले वर्ष के 5.13%की तुलना में काफी कम होकर 4.43%हो गई। पिछले वर्ष (9.05)की तुलना में वित्तीय वर्ष (9.04%)के दौरान अग्रिमों पर प्रतिफल में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। मार्च 2021में 3.09%की तुलना में ब्याज प्रसार 3.58%था, जबकि ब्याज व्यय पिछले स्तर 1188.30 करोड़ रुपये की तुलना में 7.11%घटकर 1103.73करोड़ रुपये हो गया। बैंक की निवल ब्याज आय 23%बढ़कर 959.18करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष 779.85करोड़ रुपये थी और निवल ब्याज मार्जिन (एनआईएम) 3.89%था।

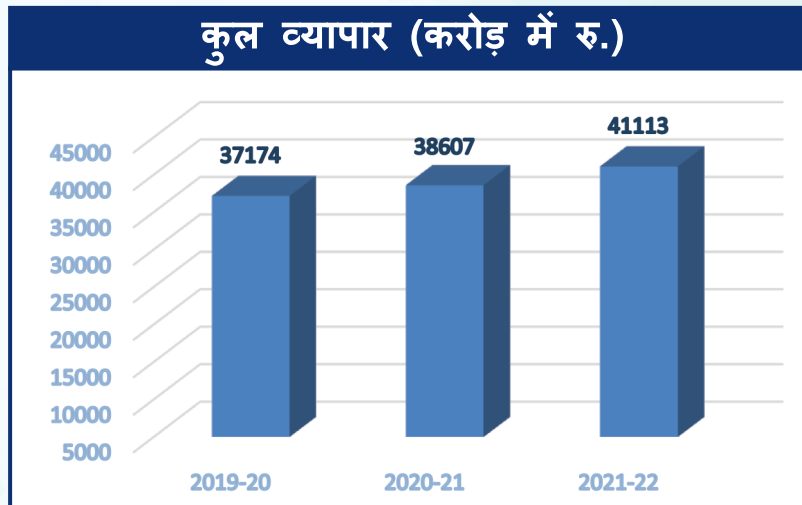
पूंजी की संरचना

(करोड़ में रु.)

क्रमांक	मापदंड	मार्च 2022	मार्च 2021
i	सामान्य इक्विटी टियर 1 पूंजी (सीईटी 1)	1414.01	662.43
ii	अतिरिक्त टियर 1 पूंजी	-	-
iii	टियर 1 पूंजी (i + ii)	1414.01	662.43
iv	टियर 2 पूंजी	294.55	283.93
v	कुल पूंजी (टियर 1 + टियर 2)	1708.56	946.36
vi	कुल जोखिम भारित संपत्ति (आरडब्ल्यूए)	14971.61	14113.21
vii	सीईटी 1 अनुपात (सीईटी 1 आरडब्ल्यूए के प्रतिशत के रूप में)	9.44	4.70
viii	टियर 1 अनुपात (आरडब्ल्यूए के प्रतिशत के रूप में टियर 1 पूंजी)	9.44	4.70
ix	टियर 2 अनुपात (आरडब्ल्यूए के प्रतिशत के रूप में टियर 2 पूंजी)	1.97	2.01
x	पूंजी से जोखिम भारित संपत्ति का अनुपात (सीआरएआर) (आरडब्ल्यूए के प्रतिशत के रूप में कुल पूंजी)	11.41	6.71
xi	वर्ष के दौरान जुटाई गई चुकता इक्विटी पूंजी की राशि	627.44	-

कुल कारोबार

2021-22 के दौरान, बैंक का कुल कारोबार 6.5% बढ़कर 41,113 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्तीय वर्ष के अंत में 38,607 करोड़ रुपये था। प्रति कर्मचारी कारोबार द्वारा मापी गई उत्पादकता एक वर्ष पहले के 10.62 करोड़ रुपये से बढ़कर 11.94 करोड़ रुपये हो गई। वर्ष के दौरान बैंक का ग्राहक आधार 92.34 लाख तक पहुंच गया।



जमा

मार्च 2021 में बैंक की कुल जमा राशि 8.4% की वृद्धि के साथ 21834 करोड़ रुपये दर्ज की, जो मार्च 2021 में 20150 करोड़ रुपये थी। कासा जमा मार्च 2022 तक 9294 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। कुल जमा राशियों में कासा जमा (वर्तमान और बचत बैंक जमा राशि) का हिस्सा मार्च 2021 के 40.7% के मुकाबले 42.25% था।

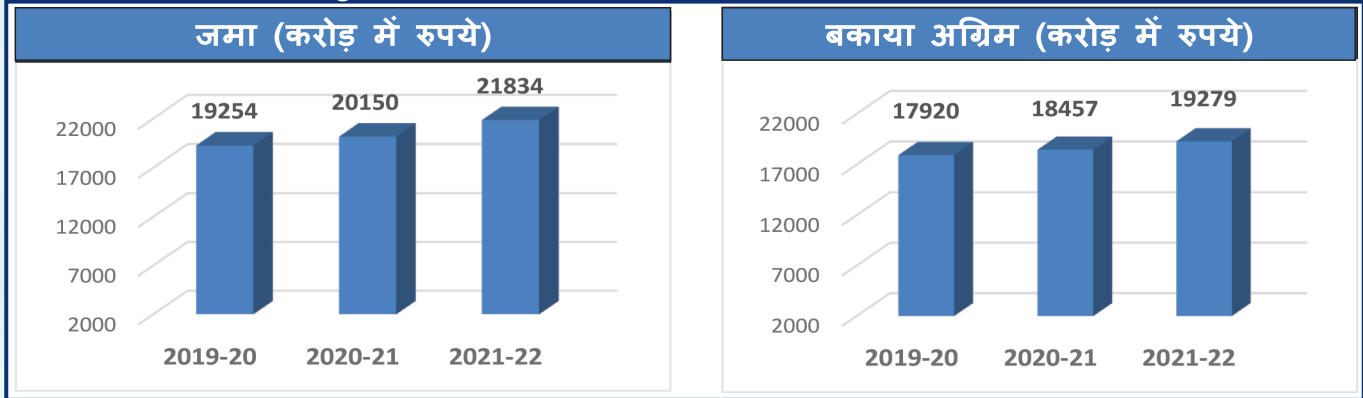
बैंक ने वित्तीय वर्ष के दौरान निम्नलिखित जमा योजनाएं शुरू कीं।

1. केजीबी कवचम - कोविड टीकाकरण के लिए जनता को प्रोत्साहित करने के लिए
2. केजीबी प्लेटिनम - भारतीय स्वतंत्रता की प्लेटिनम जयंती मनाने के लिए

अग्रिम

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, बैंक ने सकल अग्रिमों में 4.5% की वृद्धि दर दर्ज की जो 19279 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जिसमें से 200 करोड़ रुपये आईबीपीसी व्यवस्था के तहत एचडीएफसी बैंक को बेचे गए। वित्तीय वर्ष 2020-21 में 18037 करोड़ रुपये की तुलना में निवल अग्रिमों में 2.5% की वृद्धि देखी गई जो 18495 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। प्रदर्शन को बढ़ाने और जोखिम को कम करने के लिए बैंक ने अपने क्रेडिट पोर्टफोलियो में विविधता लाई है। हालांकि क्रेडिट पोर्टफोलियो का बड़ा हिस्सा कृषि क्षेत्र के अंतर्गत है, बैंक का ऋण भी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) ऋण, आवास ऋण, शिक्षा ऋण, वाहन ऋण और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों जैसे क्षेत्रों में केंद्रित है। 31.03.2022 तक बैंक के उधारकर्ता ग्राहक 14.85 लाख तक पहुंच गए।

कुल कारोबार 41113 करोड़ रुपये पार किया



राष्ट्रीय प्राथमिकताएं

प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम

मार्च 2022 तक बैंक का प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र का अग्रिम 18166 करोड़ रुपये है, जो 14.36 लाख उधारकर्ताओं में फैला है, जो कि 75% के प्राथमिकता क्षेत्र के लक्ष्य के मुकाबले सकल ऋण का 94% है। बैंक ने कृषि, सूक्ष्म उद्यमों और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यकों जैसे कमजोर वर्गों के लिए अग्रिमों के तहत निर्धारित उप लक्ष्यों को भी प्राप्त किया है।

कृषि क्षेत्र

बैंक ने कृषि क्षेत्र के तहत ऋण बढ़ाने के लिए कई उपाय लागू किए हैं, खासकर कृषि सावधि ऋण क्षेत्र में। नतीजतन, कृषि पोर्टफोलियो के तहत बैंक की अग्रिम राशि 13016 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है, जिसमें 12.61 लाख से अधिक किसानों को कवर करते हुए 6.3% की वृद्धि दर दर्ज की गई है। बैंक ने इस वित्तीय वर्ष के दौरान कृषि के तहत 13977 करोड़ रुपये का वितरण किया है। कुल अग्रिमों में कृषि ऋण का प्रतिशत 18% के आवंटित लक्ष्य के मुकाबले 67.5% है।

	यथा मार्च पर (करोड़ में)		कुल अग्रिम का %	अनिवार्य लक्ष्य %	वृद्धि (करोड़ में)	
	2021	2022			राशि	%
सकल अग्रिम	18457	19279	--	--	822	4.45
कुल प्राथमिकता क्षेत्र	17444	18166	94	75	722	4.14
कृषि	12242	13016	68	18	774	6.32

एमएसएमई ऋण

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को दिया हुआ अग्रिम मार्च 2022 तक 1354 करोड़ रुपये तक पहुंच गया और 130.40 करोड़ रुपये के जोखिम वाले 4722 खातों को क्रेडिट गारंटी योजनाओं (सीजीटीएमएसई और सीजीएफएमयू) के तहत कवर किया गया। मुद्रा योजना के तहत 31.03.2022 तक 1.46 लाख खातों में अग्रिम राशि 1768 करोड़ रुपये है। 31.03.2022 की स्थिति के अनुसार कुल अग्रिमों में एमएसएमई ऋणों का प्रतिशत 7% है।

कमजोर वर्ग को अग्रिम

बैंक ने विभिन्न सरकारी प्रायोजित योजनाओं, जैसे प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), राष्ट्रीय पशुधन मिशन के उद्यमिता विकास और रोजगार सृजन (ईडीईजी) घटक को लागू करने में सक्रिय रूप से भाग लिया।

बैंक ने कुटुम्बश्री मिशन और अन्य स्वैच्छिक एजेंसियों, स्थानीय निकायों (नगर पालिका, ब्लॉक पंचायत, ग्राम पंचायत आदि), डेयरी विकास विभाग, पशुपालन विभाग, राज्य बागवानी मिशन, केईएसआरयू/एसईएसआरयू के तहत रोजगार कार्यालय, एससी/एसटी विकास निगम, वीवर (बुनकर) क्रेडिट कार्ड, एनएसकेएफडीसी, एनएसएफडीसी, एनएचएफडीसी, एनएचबी, वीएफपीसीके, मुद्रा आदि द्वारा अनुशंसित विभिन्न योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता भी प्रदान की।

बैंक ने किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) सहित कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ) के लिए केंद्रीय योजना के तहत वित्तीय सहायता भी प्रदान की है।

31.03.2022 को विभिन्न कमजोर वर्गों के तहत बैंक का प्रदर्शन नीचे दिया गया है।

क्षेत्र	बकाया	
	संख्या	राशि (लाख में रु.)
छोटे और सीमांत किसान, भूमिहीन मजदूर, काश्तकार किसान और बटाईदार	1033617	1073504
कारीगर, ग्राम और कुटीर उद्योग	6801	1128
एससी/एसटी लाभार्थी	60497	44969
एसजीएसवाई लाभार्थी	575	220
एसएचजी/एनजीओ/एमएफआई	24667	22487
जेएलजी	8350	14112
सफाई कर्मचारी	31	13
विवर (बुनकर)	63	16
महिला लाभार्थी	683865	742614

31.03.2022 को कमजोर वर्गों के लिए बैंक का अग्रिम 14766 करोड़ रुपये है। 15 % के आबंटित लक्ष्य के मुकाबले कमजोर वर्गों को अग्रिमों का प्रतिशत 76% है।

31.03.2022 तक विभिन्न सरकारी प्रायोजित योजनाओं के तहत बकाया अग्रिम।

योजना	खातों की संख्या	बकाया राशि (लाख में रु.)
पीएमईजीपी	1086	4290
एसजीएसवाई	575	220
कुदुम्बश्री	11821	23311
एससी / एसटी निगम	106	159
केसरु/ सेसरु	223	137
मुद्रा	146024	167080
एनआरएलएम/एनयूएलएम	20091	77225

खुदरा ऋण

खुदरा क्षेत्र, क्रेडिट विस्तार के लिए केंद्रित क्षेत्रों में से एक के रूप में, बैंक ने आवास ऋण, वाहन ऋण, शिक्षा ऋण, सामान्य उपभोग ऋण आदि के तहत ऋण बढ़ाने के लिए कई उपाय शुरू किए हैं। कुल अग्रिमों में से 1.1 लाख खातों में खुदरा ऋण का हिस्सा 4224 करोड़ रुपये है। इस क्षेत्र के तहत ऋण को बढ़ावा देने के लिए हमने इस वर्ष के दौरान आवास ऋण और वाहन ऋण की ब्याज दरों में कमी सहित कई उपाय अपनाए हैं।

वर्षों से, बैंक ने भारत और विदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को उल्लेखनीय सहायता प्रदान की है। इस क्षेत्र के अंतर्गत बैंक का प्रदर्शन निम्नानुसार है।

अवधि	बकाया	
	संख्या	राशि (लाख में रु.)
2021-22	17455	51758
2020-21	19624	57137
2019-20	23459	64227

पिछले तीन वर्षों के दौरान आवास ऋण क्षेत्र के अंतर्गत बैंक का प्रदर्शन निम्नानुसार है।

अवधि	बकाया	
	संख्या	राशि (लाख में रु.)
2021-22	62837	320443
2020-21	62139	309089
2019-20	60902	295319

खुदरा ऋण योजनाओं के तहत संवितरण।

योजना	खातों की संख्या	संवितरण (लाख में)
आवास ऋण	7083	45275
वाहन ऋण	4034	13417
शिक्षा ऋण	759	2415
सामान्य उपभोग ऋण	453	436

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान निम्नलिखित नए उत्पाद लॉन्च किए गए।

Sl.No	Schemes
1	पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (एएचआईडीएफ) के तहत वित्त पोषण।
2	अनुसूचित जाति निर्यातकों के लिए एपीडा की वित्तीय सहायता योजना।
3	केजीबी सुरक्षा - कोविड सहायता योजना।
4	केजीबी सुकन्या विद्या - छात्राओं के लिए शिक्षा ऋण योजना
5	पीएम स्ट्रीट वैंडर्स आत्मा निर्भार निधि (पीएम स्वनिधि) योजना - दूसरा ऋण
6	जल, सफाई और स्वच्छता (वॉश) के तहत वित्तपोषण।
7	फिशरीज और एक्वाकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (एफआईडीएफ) के तहत वित्त पोषण
8	प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना की औपचारिकता।
9	(केजीबी सुवर्ण सावधि ऋण/ओडी) एसवीटीएल - बिना बुलेट भुगतान, सावधि ऋण के माध्यम से। 1. एसवीओडी - ओवरड्राफ्ट के माध्यम से।
10	केजीबी सूर्य - आवासीय उद्देश्य के लिए रूफ टॉप सोलर योजना

देश की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ पर सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप, बैंक ने महिला लाभार्थियों के लिए सभी खुदरा , गैर-कृषि और कृषि सावधि ऋणों के लिए ब्याज दर में 0.50% की कमी की है।

कोविड-19 राहत के उपाय

बैंक ने कोविड महामारी की अवधि के दौरान उन ग्राहकों के लिए निम्नलिखित योजनाएं शुरू कीं जो वित्तीय चुनौतियों का सामना कर रहे हैं ताकि उन्हें तनावपूर्ण स्थिति में सहायता प्राप्त हो।

1. दबावग्रस्त एमएसएमई के लिए डिस्ट्रेस्ड एसेस्ट फंड सबोर्डिनेट डेब्ट।
2. ईसीएलजीएस योजना अवधि का विस्तार और ईसीएलजीएस 3.0 और ईसीएलजीएस 4.0 की शुरुआत।
3. संकल्प रूप रेखा 2.0।
4. केजीबी सुरक्षा योजना।

राजकोष और निवेश परिचालन

राजकोष बैंक की नकद / तरल संपत्ति और प्रतिभूतियों और अन्य बाजार साधनों में उसके निवेश का प्रबंधन करता है। राजकोष खंड के राजस्व में मुख्य रूप से निवेश संविभाग पर कारोबार संचालन और ब्याज आय से शुल्क और लाभ शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2021 में 33.29 करोड़ रुपये की तुलना में वित्तीय वर्ष 2022 में बैंक का व्यापारिक लाभ 34.02 करोड़ रुपये था। साथ ही, बैंक को वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान भू-राजनीतिक स्थितियों और बाजार की अस्थिरता के बावजूद कोई एमटीएम नुकसान नहीं हुआ है। बैंक ने पीएसएलसी आय में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है और यह वित्तीय वर्ष 2021-22 में बढ़कर 116.74 करोड़ रुपये हो गई, जबकि वित्तीय वर्ष 2020-21 में यह 53.32 रुपये थी।

सहयोगी उत्पादों का बैंकाशयोरेंस और प्रति विक्रय

बैंक भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के तहत एक कॉर्पोरेट एजेंट के रूप में जीवन, सामान्य और स्वास्थ्य बीमा प्रस्तुत कर रहा है। बैंक के बैंकाशयोरेंस सहयोगियों में शामिल हैं:

बीमा की श्रेणी	बीमित का नाम
जीवन बीमा	(1) एलआईसी ऑफ इंडिया
	(2) केनरा एचएसबीसी ओबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
सामान्य बीमा	(1) यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
	(2) न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
	(3) बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
स्वास्थ्य बीमा	(1) स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

वित्तीय वर्ष के दौरान एकत्र किया गया कुल प्रीमियम पिछले वर्ष के 29.90 करोड़ रुपये से बढ़कर 42.57 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने मार्च 2021 के 3.63 करोड़ रुपये की तुलना में बैंकाशयोरेंस परिचालनों से 4.47 करोड़ रुपये की कमीशन आय अर्जित की, जो पिछले वर्ष की आय की तुलना में 23% की वार्षिक वृद्धि दर्शाता है।

एमटीएसएस (मुद्रा अंतरण सेवा योजना)

बैंक अनिवासी भारतीयों को दो टाई-अप के माध्यम से रुपया आवक प्रेषण सुविधाएं प्रदान कर रहा है:

1) वेस्टर्न यूनियन मनी ट्रांसफर

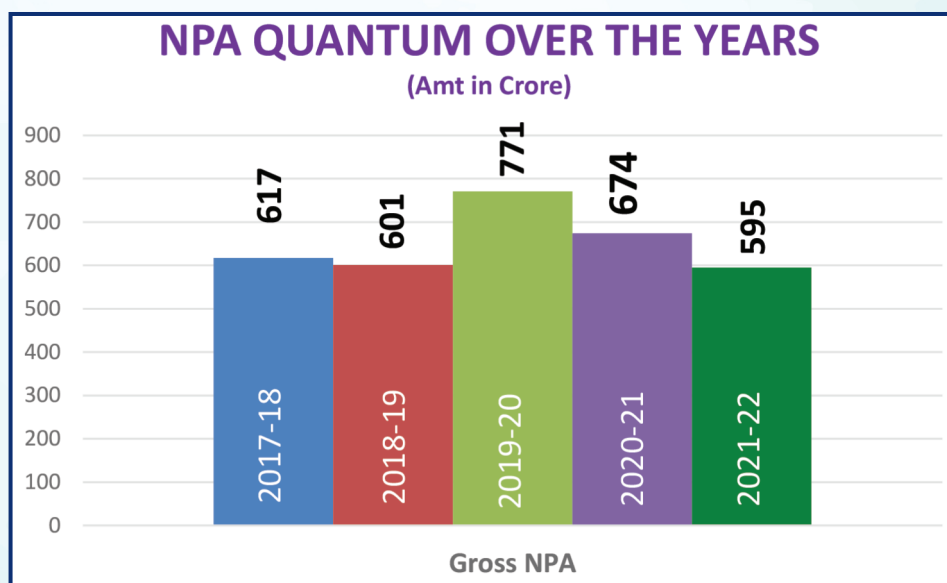
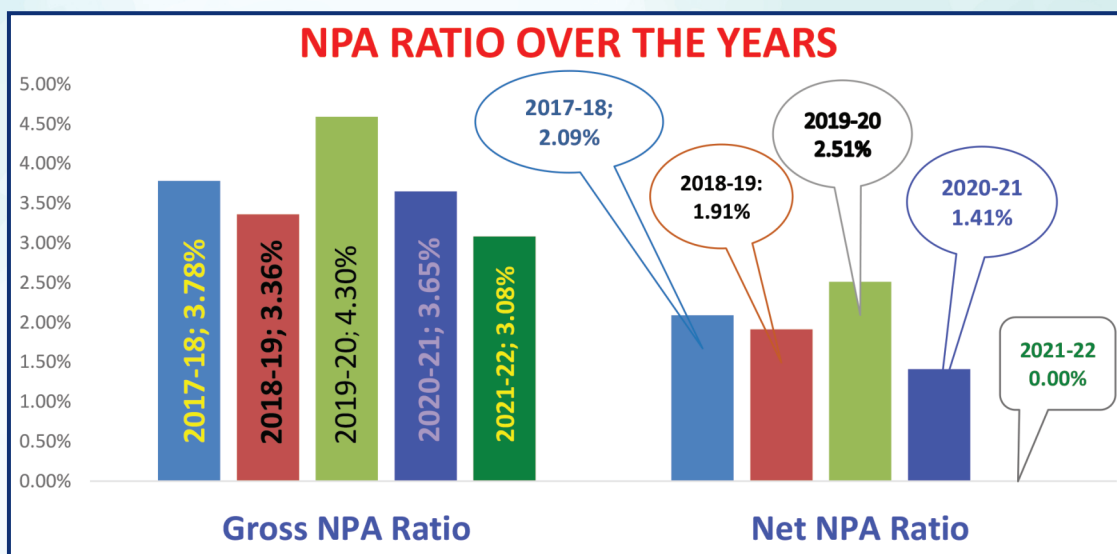
2) रिया मनी

संपत्ति की गुणवत्ता

595 करोड़ रुपये के प्रभावशाली एनपीए आंकड़े के साथ वित्तीय वर्ष 2021-22 पूरा हुआ जो पिछले 5 वर्षों के दौरान सबसे कम है। महामारी की दूसरी लहर ने चालू वित्तीय वर्ष (2021-22) को अंकित किया और परिणामी प्रतिबंध और बार-बार वित्तीय मंदी से अतीत में किए गए अच्छे काम धूमिल होते दिख रहे थे। लेकिन अच्छी तरह से प्रेरित शाखाओं के दोहराए गए प्रयासों ने कठिन समय में एनपीए में और अधिक कमी सुनिश्चित की। डीए3 और एलए खातों के तहत वसूली के लिए विशेष अभियान चलाया गया। अधिक केंद्रित दृष्टिकोण के लिए अक्टूबर 2021 के दौरान विशेष सरफेसी माह मनाया गया, जिसने भरपूर लाभांश दिया। शाखाओं और क्षेत्रीय कार्यालयों ने सक्रिय रूप से आरआर अदालतों का आयोजन किया। शाखाओं ने जिला और तालुक स्तर के कानूनी सेवा प्राधिकरणों द्वारा आयोजित लोक अदालतों में अधिकतम भागीदारी और निपटान सुनिश्चित किया। और इस प्रकार अंतिम परिणाम काफी रोमांचक निकला, जिसमें बैंक ने 55 करोड़ रुपये के भारी अंतर के साथ 650 करोड़ रुपये के एमओयू लक्ष्य को पार किया और प्रतिवर्ष 79 करोड़ रुपये की कमी दर्ज की।

सकल एनपीए ने पिछले वर्ष के अंत में दर्ज 3.65% से 0.59% की कमी के साथ 3.08% दिखाया। निवल एनपीए 1.41% से घटकर 0% हो गया।

एनपीए खातों में कुल 802.02 करोड़ रुपये नकद वसूली के रूप में दर्ज किए गए।



बैंक ने 2013-14 से एनपीए का प्रणाली आधारित वर्गीकरण लागू किया है। आय की पहचान और संपत्ति वर्गीकरण के लिए, भारिबैं द्वारा संपत्ति वर्गीकरण के लिए जारी विवेकपूर्ण मानदंडों का सख्त से पालन किया जाता है। पारदर्शिता के लिए बैंक द्वारा एनपीए के सिस्टम आइडेंटिफिकेशन (पहचान) को लागू किया गया है। बैंक एनपीए स्लिपेज के दैनिक अंकन का पालन कर रहा है।

2021-22 के लिए आस्ति का वर्गीकरण और प्रावधान

(करोड़ में रु.)

श्रेणी	सकल अग्रिम	प्रावधान	प्रावधान के बाद निवल अग्रिम
मानक	18684.52	211.27	18484.52*
उप-मानक	106.33	106.33	-
संदिग्ध	324.17	313.31	10.86
हानि	164.07	164.07	-
कुल	19279.09	583.71#	18495.38
निवल एनपीए@	0		

#मानक आस्ति के प्रावधान को छोड़कर

@एनपीए का निवल प्रावधान 583.71 करोड़ रुपये और 10.86 करोड़ रुपये का सीजीटीएमएसई का प्राप्त दावा ।

*आईबीपीसी का निवल , 200 करोड़ रुपये

साख समीक्षा और निगरानी

बैंक का साख समीक्षा निगरानी विभाग हमारी संपत्तियों के हितप्रहरी के रूप में कार्य करता है। यह प्रारंभिक चेतावनी संकेत देता है और संपत्तियों की गुणवत्ता की रक्षा के लिए उपचारात्मक उपायों का सुझाव देता है। बैंक प्री-रिलीज़ ऑडिट, साख समीक्षा , साख लेखापरीक्षा , मध्यावधि समीक्षा और क्विक मॉर्टेलिटी खाताओं के निगरानी करते हैं। विभाग का सबसे महत्वपूर्ण कार्य स्लिपेज प्रबंधन और नए चिह्नित एनपीए खातों का उन्नयन है। पिछले वित्तीय वर्ष में बैंक, एनपीए के तहत सहमति ज्ञापन लक्ष्य को 55 करोड़ रुपये के अंतर से पार कर सकता था। वित्तीय वर्ष के दौरान एसएमए का खतरा 10975 करोड़ रुपये था। लेकिन बैंक 10874 करोड़ रुपये को नियमानुकूल कर सका और स्लिपेज केवल 101 करोड़ रुपये था। इसी तरह, बैंक 2021-22 के दौरान एनपीए में स्लिप हुए खातों से 75.68 करोड़ रुपये को अद्यतन कर सकता है।

जोखिम प्रबंधन और अनुपालन

केरल ग्रामीण बैंक जोखिम प्रबंधन के महत्व पर जोर देता है और निदेशक मंडल >अध्यक्ष >महाप्रबंधक (बैंक के मुख्य अनुपालन अधिकारी) >जोखिम प्रबंधन विभाग >विभिन्न विभागों के प्रमुख/क्षेत्रीय कार्यालयों के क्षेत्रीय प्रबंधक >शाखा प्रबंधक की संरचना वाला एक अलग जोखिम प्रबंधन विभाग है। जोखिम प्रबंधन विभाग संरचना परिचालन विभागों से स्वतंत्र और जोखिम प्रबंधन के लिए जिम्मेदारी के स्तरों के स्पष्ट चित्रण के साथ कार्य करता है।

बैंक ने साख जोखिम, परिचालन जोखिम, अनुपालन जोखिम, निवेश जोखिम, संपत्ति देयता प्रबंधन, धोखाधड़ी जोखिम, आदि पर मंडल द्वारा अनुमोदित विभिन्न जोखिम प्रबंधन नीतियां लागू की हैं। नीतियां व्यापक व्यापार कार्यनीति, पूंजी ताकत, प्रबंधन विशेषज्ञता और जोखिम उठाने की इच्छा के अनुरूप हैं। विवेकपूर्ण / जोखिम सीमा की संरचना सहित जोखिम लेने को नियंत्रित करने के लिए अच्छी तरह से परिभाषित दिशानिर्देशों और मानकों का उपयोग किया जाता है।

जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) एक प्रका स्तर की समिति है। बैंक के कार्यों से जुड़े जोखिमों जैसे साख जोखिम, चलनिधि जोखिम, बाजार जोखिम, ब्याज दर जोखिम, प्रतिष्ठा संबंधी जोखिम, नियामक जोखिम, अनुपालन जोखिम आदि की समीक्षा और निगरानी के लिए समिति हर तिमाही में बैठक करती है। समिति लोगों, प्रक्रिया, प्रणालियों और कानून से जुड़े आंतरिक और बाहरी परिचालन जोखिमों का भी मूल्यांकन करती है।

बैंक में अपनाई गई प्रणालियों और प्रक्रियाओं की बारीकी से निगरानी की जाती है ताकि सभी अधिकारियों द्वारा विभिन्न विवरणी और विवरण के माध्यम से पालन सुनिश्चित किया जा सके और जहां भी आवश्यक हो, संशोधनों / परिवर्तनों का सुझाव दिया जा सके।

बैंक एकीकृत जोखिम प्रबंधन, परिचालन जोखिम प्रबंधन, ऋण जोखिम प्रबंधन आदि का आकलन करने के लिए विभिन्न कार्यात्मक विंग/विभागों/क्षेत्रीय कार्यालयों से आंकड़ा संकलित करता है, और परिचालन जोखिम प्रसंगों/घटनाओं, समूह जोखिम रिटर्न, साख जोखिम पर तनाव परीक्षण, नियामकों के निर्देशों के अनुपालन पर स्थिति रिपोर्ट आदि की आवधिक विवरणियां प्रायोजक बैंक को प्रस्तुत करता है। एक ऑफसाइट ट्रांजेक्शन मॉनिटरिंग सिस्टम (ओटीएम) है, जो दैनिक आधार पर असाधारण लेनदेन की निगरानी करता है।

अनुपालन विभाग की देखरेख मुख्य अनुपालन अधिकारी द्वारा किया जाता है। अनुपालन विभाग स्वतंत्र रूप से सभी नियामक दिशानिर्देशों/निर्देशों की प्राप्ति के लिए केंद्र बिंदु के रूप में कार्य करता है और संबंधित कार्यात्मक विभाग/अनुभागों को उनके स्तर पर उचित कार्रवाई शुरू करने के लिए उन्हें प्रसारित करता है। अनुपालन विभाग से विनियामक दिशानिर्देश/निर्देश प्राप्त होने पर कार्यात्मक विभाग/अनुभाग/कक्ष सभी शाखाओं/कार्यालयों को आंतरिक दिशा-निर्देश/निर्देश जल्द ही जारी करते हैं।

नवंबर 2021 में बेंगलुरु में प्रायोजक बैंक द्वारा आयोजित वार्षिक अनुपालन बैठक के दौरान, बैंक को दूसरे सर्वश्रेष्ठ आरआरबी के रूप में चुना गया है।

अपने ग्राहक को जानिए (केवाईसी)

बैंक ने अपने ग्राहक को जानिए (केवाईसी) और धन शोधन निवारण (एएमएल) दिशानिर्देशों के प्रभावी कार्यान्वयन और सभी शाखाओं द्वारा अपने ग्राहक को जानिए अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय शुरू किए हैं। केवाईसी/एएमएल, सीएफटी और पीएमएलए पर बैंक की एक व्यापक नीति है। ग्राहकों को समय पर केवाईसी विवरण जमा करने का अनुरोध करते हुए सार्वजनिक नोटिस/एसएमएस के माध्यम से जागरूकता पैदा करने के लिए कदम उठाए गए। धोखाधड़ी, दस्तावेज़ जालसाजी आदि के जोखिम को कम करने के लिए यूआईडीएआई ने ई-केवाईसी सेवाएं शुरू की हैं। बैंक ने कागज़रहित केवाईसी सत्यापन के लिए शाखाओं में ई-केवाईसी सेवाएं लागू की हैं। ई-केवाईसी सुविधा का उपयोग करके खाते खोलने के लिए शाखाओं में बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के लिए उपकरण स्थापित किए गए हैं। केंद्रीय केवाईसी रजिस्ट्री में ग्राहकों के केवाईसी विवरण अपलोड करने के लिए बैंक ने सीईआरएसएआई के साथ भी नामांकन किया है। शाखाओं ने ग्राहकों के केवाईसी विवरण दैनिक आधार पर सीकेवाईसी रजिस्ट्री में अपलोड करना शुरू कर दिया है। मार्च 2022 तक बैंक ने ग्राहकों के बोर्डिंग पर सीकेवाईसीआर का 96.94% हासिल किया है।

धन शोधन निवारण (एएमएल)

लेन-देन की निगरानी के लिए बैंक जनवरी 2017 से मार्च 2021 तक पूरी तरह से परिचालित एएमएल सॉफ्टवेयर (इंटेलेक्ट डिजाइन द्वारा पैनेसिया) का उपयोग कर रहा था। इसके बाद बैंक ने आईडीबीआई इंटेक के नए एएमएल पैकेज आईएएमएल में माइग्रेट किया है। वित्तीय आसूचना इकाई (एफआईयू-इंडिया) को सभी चार अनिवार्य रिपोर्टें, जो हैं, अ) नकद लेनदेन रिपोर्ट (सीटीआर), आ) गैर-लाभकारी संगठन लेनदेन रिपोर्ट (एनटीआर), इ) संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट (एसटीआर) और ई) नकली मुद्रा रिपोर्ट (सीसीआर) इस एएमएल सॉफ्टवेयर के माध्यम से उत्पन्न/संसाधित की जाती है और प्रत्येक रिपोर्ट के लिए उनके द्वारा निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर एफआईयू-इंडिया को प्रस्तुत की जाती है। लेन-देन की निगरानी के लिए बैंक के एएमएल कक्ष में एक पूर्ण टीम कार्य कर रही है और एफआईयू-इंडिया को संदिग्ध प्रकृति के लेनदेन की रिपोर्ट करती है और विभिन्न जाँच उद्देश्यों के लिए उनकी आवश्यकता के अनुसार आंकड़ा प्रदान करने के लिए देश में विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय करती है। बैंक आरबीआई को शाखाओं में पहचानी गई नकली मुद्रा के विवरण की रिपोर्ट भी करता है और एनसीआरबी के वेब-सक्षम सॉफ्टवेयर पर विवरण अपलोड करता है।

वित्तीय समावेशन

वित्तीय समावेशन सरकार और बैंक की प्रमुख प्राथमिकता बनी हुई है। बैंकिंग सेवाओं से वंचित समाज के निचले स्तर तक पहुंचने के लिए बैंक ने कई नवीन गतिविधियां शुरू की हैं। बैंक वित्तीय समावेशन और वित्तीय साक्षरता के लिए विभिन्न एजेंसियों के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है और केरल राज्य में वित्तीय समावेशन अभियान में सबसे आगे रहा है। बैंक द्वारा कार्यान्वित और निगरानी की जाने वाली विभिन्न योजनाओं का विवरण नीचे दिया गया है।

पीएमजेडीवाई

प्रधान मंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) भारत सरकार द्वारा अगस्त 2014 में शुरू की गई थी ताकि समाज के बहिष्कृत वर्गों को बुनियादी बचत खाते की उपलब्धता, आवश्यकता आधारित साख, विप्रेषण सुविधा, बीमा और पेंशन जैसी विभिन्न वित्तीय सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित की जा सके। मिशन के तहत खोले गए खाते डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) कार्यक्रमों को प्रोत्साहन देते हैं।

बैंक ने पीएमजेडीवाई के तहत 700 करोड़ रुपये से अधिक के नकद शेष के साथ 11 लाख से अधिक खाते खोले हैं। पीएमजेडीवाई में वर्तमान स्थिति नीचे दी गई है:



31-03-2022 तक पीएमजेडीवाई

खोले गए खातों की संख्या	11,62,490
जिसकी आधार सीडिंग पूरी हुई	11,44,588
जारी किए गए रुपये कार्ड	4,89,707
संग्रहित जमा (लाखों में)	Rs.71,323

टैबलेट बैंकिंग

टैबलेट बैंकिंग बैंक द्वारा दूर के ग्राहकों तक बैंकिंग सुविधाओं को पहुँचाने के लिए शुरू किया गया एक चैनल है। टैबलेट एंड्रॉइड प्लेटफॉर्म में एक मोबाइल उपकरण है जो वास्तविक समय में बुनियादी बैंकिंग लेनदेन जैसे नकद आहरण, नकद जमा, निधि अंतरण, शेष पूछताछ, लघु विवरण आदि करने में सक्षम है। उपकरण हमारे सीबीएस के साथ जीएसएम/वाई-फाई डेटा कनेक्शन के माध्यम से संचार करता है। टैबलेट डिवाइस आधार प्रमाणीकरण का उपयोग करके लेनदेन के आईपीएस मोड पर कार्य करता है। लेन-देन की निर्धारित सीमा 10,000/- रुपये प्रति ग्राहक प्रति दिन है। बैंक जरूरतों और नियामक अनुपालन के अनुरूप समय-समय पर लेनदेन की सीमा में संशोधन करता है।

वर्तमान में बैंक ने मेसर्स विजन इंडिया सॉफ्टवेयर एक्सपोर्ट्स लिमिटेड और मेसर्स एफआईए टेक्नोलॉजी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को कॉर्पोरेट बीसी के रूप में नियुक्त किया है। मेसर्स विजन इंडिया सॉफ्टवेयर एक्सपोर्ट्स लिमिटेड को 50 स्थान आवंटित किए गए हैं और मेसर्स एफआईए टेक्नोलॉजी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से बीसीए को शामिल करने के लिए अन्य 350 स्थानों का प्रस्ताव किया गया है।

बैंकिंग प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन के लिए मोबाइल वैन

ग्रामीण गांवों और राज्य के अन्य दूरस्थ स्थानों में आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए, बैंक ने मोबाइल एटीएम वैन खरीदने और एटीएम के उपयोग के प्रदर्शन के लिए ऐसे स्थानों का दौरा करने की परियोजना शुरू की है।

वर्तमान में, बैंक के पास 10 मोबाइल एटीएम वैन हैं, जिनमें से 7 वैन पिछले वित्तीय वर्ष (2020-21) के दौरान कार्यरत की गई थीं। वित्तीय समावेशन निधि (एफआईएफ) के तहत नाबार्ड की वित्तीय सहायता से मोबाइल एटीएम परियोजना को मंजूरी दी गई है। नाबार्ड द्वारा प्रस्तावित वाहनों को राज्य के सभी 14 जिलों में मैप किया गया है।

वैन का उपयोग वित्तीय साक्षरता सामग्री जैसे ब्रोशर वितरित करने और पोस्टर आदि ले कर वित्तीय समावेशन का संदेश देने के लिए किया जाता है। ऑडियो-वीडियो सहायता भी स्थानों तक पहुँचाई जाती है और वित्तीय समावेशन और वित्तीय साक्षरता के संदेश को फैलाने के लिए उपयुक्त प्रदर्शन और प्रदर्शनीयों की जा सकती हैं।

सामाजिक सुरक्षा योजनाएं:

बैंक ने भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एसएसएस (सामाजिक सुरक्षा योजना) अर्थात् प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेबीवाई), प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के प्रचार में सक्रिय रूप से भाग लिया है। बैंक द्वारा इस योजना के तहत अधिक से अधिक ग्राहकों को नामांकित करना जारी है और यह भी सुनिश्चित करता है कि ग्राहकों ने समय पर अपनी नीतियों का नवीनीकरण करें। बैंक को पीएमजेबीवाई के तहत 99.88% और पीएमएसबीवाई के तहत 99.95% की नवीनीकरण दर प्राप्त हुई है। 31/03/2022 को योजनाओं के तहत नामांकन का विवरण नीचे दिया गया है।

योजना	वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान	31/03/2022 तक
एपीवाई	19,191	1,20,621
पीएमजेबीवाई	21,012	1,47,187
पीएमएसबीवाई	86,396	6,60,023

एपीवाई नामांकन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पीएफआरडीए से प्राप्त पुरस्कार

- फाइनेंसियल फ्रीडम फाइटर्स (एफएफएफ) अभियान
- एपीवाई सिटिज़न्स चॉइस अभियान

वित्तीय साक्षरता केंद्र

बैंक के पास 10 वित्तीय साक्षरता केंद्र (एफएलसी) हैं, जिनमें से सात नाबार्ड की वित्तीय सहायता से स्थापित किए गए थे। एफएलसी ने लोगों को डिजिटल बैंकिंग लेनदेन की मूल बातें प्रदान करने के लिए विभिन्न हितधारकों के लिए शिविर आयोजित किए।

एफएलसी का विवरण नीचे दिया गया है।

क्रमांक	स्थान	लिंक शाखा	ब्लॉक	जिला
1	रामपुरम	मक्करापरम्बा	मंकडा	मलप्पुरम
2	वंडूर	वाणियम्बलम	वंडूर	मलप्पुरम
3	त्रिप्रयार	त्रिप्रयार	तलिक्कुलम	त्रिशूर
4	मुडियूरकोणम	पंदलम	पंदलम	पत्तनमतिट्टा
5	तोडन्नूर	तोडन्नूर	तोडन्नूर	कोषिकोड
6	तूणेरि	तूणेरि	तूणेरि	कोषिकोड
7	मंजेश्वर	होसंगडि	मंजेश्वर	कोषिकोड
8	तलिपरम्बा	तलिपरम्बा	तलिपरम्बा	कण्णूर
9	ईराट्टुपेट्टा	ईराट्टुपेट्टा	ईराट्टुपेट्टा	कोट्टयम
10	नेडुमंगाड	नेडुमंगाड	नेडुमंगाड	तिरुवनंतपुरम

2021-22-एफआईडीजीआई शिविर के दौरान किए गए कार्यक्रम

वित्तीय और डिजिटल बैंकिंग साक्षरता के प्रचार-प्रसार के लिए वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान एफएलसी और ग्रामीण शाखाओं ने जागरूकता शिविर आयोजित किए। वित्तीय वर्ष के दौरान 10 एफएलसी और 53 ग्रामीण शाखाओं ने 674 "एफआईडीजीआई" शिविर आयोजित किए हैं। शिविरों ने विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों को कवर किया और जनता को इन सुविधाओं में नामांकन और उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। आरबीआई ने एफएलसी को "एफआईडीजीआई" पर शिविर आयोजित करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण दिया है। एफएलसी और ग्रामीण शाखाओं द्वारा "एफआईडीजीआई" के तहत शिविर आयोजित करने के लिए नाबार्ड ने 34,38,256 / - की वित्तीय सहायता प्रदान की है।

छवि निर्माण गतिविधियाँ

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान बैंक ने विभिन्न उत्पादों और सेवाओं और बैंक की अन्य अनूठी योजनाओं को लोकप्रिय बनाने के लिए विभिन्न छवि निर्माण गतिविधियों जैसे ग्राहक बैठक, किसान बैठक, जागरूकता शिविर आदि का आयोजन किया था। बैंक ने ग्राहकों से मिलने और शुभकामनाएं देने के लिए नवंबर के महीने को 'ग्राहक सेवा माह' के रूप में मनाया।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)

बैंक की समाज की विभिन्न सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने की एक लंबी विरासत है, विशेष रूप से कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए। वित्तीय वर्ष के दौरान, बैंक ने राज्य भर में स्थानीय निकायों और अन्य सरकारी / अर्ध सरकारी / गैर-सरकारी संगठनों के समन्वय में कई सीएसआर गतिविधियों को किया।

संगठन और सहायता सेवाएं

शाखा और एटीएम नेटवर्क

जिला	शाखा की संख्या							
	यथा 31.03.2021 पर				यथा 31.03.2022 पर			
	ग्रामीण	अर्ध शहरी	शहरी	कुल	ग्रामीण	अर्ध शहरी	शहरी	कुल
कासरगोड	21	33	4	58	21	33	4	58
कण्णूर	6	90		96	6	90		96
कोषिकोड	1	70	10	81	1	70	10	81
वयनाड	2	29		31	2	29		31
मलप्पुरम		93	2	95		93	2	95
पलक्काड	1	21	2	24	1	21	2	24
त्रिशूर	15	26	5	46	15	26	5	46
इडुक्की	1	13		14	1	13		14
एर्णाकुलम		28	5	33		28	5	33
कोट्टयम	4	33		37	4	33		37
अलप्पुषा		16	1	17		16	1	17
पत्तनमतिट्टा	1	30		31	1	30		31
कोल्लम		24	1	25		24	1	25
तिरुवनंतपुरम	1	36	9	46	1	36	9	46
कुल	53	542	39	634	53	542	39	634

एटीएम की कुल संख्या: 269

शाखाओं का खोलना और स्थानांतरण करना

वित्तीय वर्ष के दौरान कोई नई शाखा नहीं खोली गई।

अच्छी दृश्यता प्राप्त करने और अच्छी ग्राहक सेवा प्रदान करने के लिए अवधि के दौरान निम्नलिखित 17 शाखाओं के परिसर को नए परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया है:

पुलकोड, वडकरा , ओट्टप्पालम, परवूर, वेल्लारडा, पय्योली बाजार, एरन्निमंगाड , चेरुताषम , तिरुवम्बाडि , कन्नाडिपरम्बा, करुनागपल्ली, कूडनाड, तूणेरि , मेलाडी, चेलेम्ब्रा, कुमिली और चीमेनी।

सुरक्षा व्यवस्था

सुरक्षा कक्ष बैंक की अनुमोदित सुरक्षा नीति के अनुसार महाप्रबंधक, सामान्य प्रशासन विभाग की देखरेख में सामान्य प्रशासन विभाग के साथ समन्वय में कार्य कर रहा है। कक्ष में मुख्य प्रबंधक/सहायक महा प्रबंधक, वरिष्ठ प्रबंधक और सुरक्षा अधिकारी शामिल हैं। सुरक्षा कक्ष ने बैंक के सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा के लिए प्रत्येक तिमाही में सुरक्षा सलाहकार समिति की बैठकें आयोजित कीं। पेरुम्बावूर शाखा परिसर और पालाषी शाखा के एटीएम में चोरी के प्रयास हुए थे, लेकिन बैंक को कोई नुकसान नहीं हुआ था।

इन्फोटेक प्रगति

2021-22 के दौरान डिजिटल बैंकिंग के तहत प्रगति

2021-22 के दौरान कार्यान्वित परियोजनाएं

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, बैंक ने तकनीकी मोर्चे पर कई नई पहल और उन्नयन किया है। इनमें से कुछ का उल्लेख नीचे किया गया है।

आधार डेटा वॉल्ट (एडीवी) की खरीद और कार्यान्वयन

यूआईडीएआई के दिशानिर्देशों के अनुसार, आधार नंबर को सीबीएस डेटाबेस में संग्रहीत नहीं किया जाना चाहिए और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए आधार नंबर को संग्रहीत करने के उद्देश्य से बैंकों के पास एक अलग सुरक्षित डेटाबेस होना चाहिए। बैंक ने इस उद्देश्य के लिए आधार डेटा वॉल्ट समाधान प्राप्त किया है और वित्तीय वर्ष के दौरान इसे लागू किया है।

इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से कार्ड सुरक्षा में वृद्धि

पिछले कुछ वर्षों में, डेबिट कार्ड के माध्यम से किए गए लेनदेन की मात्रा और मूल्य में कई गुना वृद्धि हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देश के अनुसार, बैंक ने मोबाइल बैंकिंग और इंटरनेट बैंकिंग चैनलों के माध्यम से कार्ड सुरक्षा बढ़ाने के लिए विभिन्न उपायों को लागू किया है।

सीकेवाईसी मोबाइल एप्लीकेशन

बैंक ने शाखाओं में केवाईसी दस्तावेजों की स्कैनिंग प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए एक नया मोबाइल-आधारित स्कैनिंग उपयोगिता एप्लिकेशन सक्षम किया है। इस एप्लिकेशन का उपयोग सीकेवाईसी के लिए आवश्यक अनिवार्य दस्तावेजों को स्कैन करने के लिए किया जा सकता है।

आईएमपीएस एफआईआर (विदेशी आवक विप्रेषण)

एनपीसीआई के साथ आवश्यक प्रमाणन प्रक्रिया पूरी करने के बाद आईएमपीएस चैनल के माध्यम से विदेशी आवक विप्रेषण सुविधा को सक्षम किया गया है।

वेब एप्लिकेशन के लिए 24/7 निगरानी समाधान

समाधान में नीचे उल्लिखित सुरक्षा खतरों की निगरानी करने की क्षमता है:

- ◆ एंटी-फिशिंग
- ◆ एंटी-फार्मिंग
- ◆ एंटी-मालवेयर
- ◆ एंटी-वेब डिफेसमेंट
- ◆ एंटी-ट्रोजन
- ◆ रोग ऐप मॉनिटरिंग
- ◆ डार्क वेब स्कैनिंग

यूपीआई एसआई अधिदेश

यूपीआई एसआई के माध्यम से, यूपीआई उपयोगकर्ता आसानी और सुविधा के साथ बार-बार भुगतान लेनदेन कर सकते हैं। इस कार्यात्मकता में इकोसिस्टम में उपलब्ध किसी भी समान सेवाओं से स्वतंत्र, अधिदेश उत्पन्न/स्वीकार करने का अपना तंत्र है। ग्राहक अपने यूपीआई एप्लिकेशन का उपयोग करके अधिदेश या स्थायी निर्देश (एसआई) बना सकते हैं। भुगतानकर्ता द्वारा प्रमाणीकरण के तुरंत बाद यह अधिदेश पंजीकृत हो जाएगा।

एसएफएमएस 6.3

एसएफएमएस एप्लिकेशन में निरंतर सुधार के भाग के रूप में, आईडीआरबीटी आईएफटीएस टीम ने नवीनतम एप्लिकेशन पैच, एसएफएमएस 6.3 जारी किया है।

यूपीआई यूडीआईआर (एकीकृत विवाद और समस्या समाधान)

यूडीआईआर टाइम-आउट मुद्दों और विवादों को संभालने के लिए यूपीआई के लिए एमपीसीआई में लागू किया गया वृद्धि है। यूडीआईआर प्रवाह के हिस्से के रूप में, यदि बैंक से कोई टाइम-आउट होता है, तो एमपीसीआई लेनदेन के समय से हर घंटे 3 बार तक स्टेटस-चेक संदेश भेजेगा। अगर कोई टाइम-आउट होता है तो, इससे ग्राहकों को लेन-देन की स्थिति जानने में मदद मिलेगी।

एंटी-डीडीओएस समाधान

एंटी-डीडीओएस सेवा सार्वजनिक आईपी एड्रेस को लेयर 4 से लेयर 7 डिस्ट्रीब्यूटेड डिनायल ऑफ सर्विस (डीडीओएस) हमलों से बचाती है और हमले का पता चलने पर तुरंत अलार्म भेजती है। यह बैंडविड्थ उपयोग में सुधार करती है और उपयोगकर्ता सेवाओं के स्थिर संचालन को सुनिश्चित करती है। यह इंटरनेट से सार्वजनिक आईपी एड्रेस पर सेवा ट्राफिक की निगरानी भी करती है और वास्तविक समय में ट्राफिक हमले का पता लगाती है।

ई-साइन आधारित ई-अधिदेश (डिस्टिनेशन बैंक)

इस समाधान का उपयोग करते हुए, ग्राहक किसी भी बैंक को ई-साइन आधारित ई-अधिदेश के साथ लाइव अधिदेश दे सकते हैं और आधार ओटीपी का उपयोग करके अधिदेश को स्वयं प्रमाणित कर सकते हैं।

डब्ल्यूएफ (वेब एप्लिकेशन फ़ायरवॉल)-ब्लॉक मोड को सक्षम करता है

सभी सार्वजनिक एप्लिकेशन को डीसी और डीआरसी में डब्ल्यूएफ के माध्यम से ब्लॉक मोड में कॉन्फ़िगर किया गया है।

शाखाओं और कार्यालयों के लिए हार्डवेयर की खरीद

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, बैंक ने 875 ऑल-इन-वन पीसी के लिए खरीद आदेश जारी किया है और वर्तमान वित्तीय वर्ष में आपूर्ति प्राप्त की है जिसे विभिन्न शाखाओं और कार्यालयों में वितरित किया गया है। इसके अलावा, सभी पुराने कंप्यूटर सिस्टम को बदलने के लिए 2250 नए ऑल-इन-वन पीसी की खरीद के लिए खरीद आदेश जारी किया गया है।

सीबीएस सर्वरों का उन्नयन

वित्तीय वर्ष के दौरान डेटा सेंटर और इंटरनेट बैंकिंग (एफईबीए) सर्वर उन्नयन पर सीबीएस सर्वर उन्नयन पूरा किया गया।

एटीएम में कैसेट स्वैपिंग का कार्यान्वयन

आरबीआई के निर्देशों के अनुरूप एटीएम में कैसेट स्वैपिंग सिस्टम लागू करना शुरू किया। वित्तीय वर्ष के अंत में, 247 कैपेक्स एटीएम में से 210 में कार्यान्वयन पूरा हुआ।

ई-लर्निंग सॉफ्टवेयर

बैंक की इन-हाउस टीम ने स्टाफ सदस्यों के लिए एक ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म विकसित किया है और यह कार्यान्वयन के लिए तैयार है।

पीएफएमएस एसएनए मॉड्यूल

बैंक ने सिंगल नोडल खातों के प्रबंधन और पीएफएमएस भुगतानों के प्रबंधन के लिए सरकारी विभागों के लिए एक समर्पित ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया है। मॉड्यूल कार्यान्वयन के लिए तैयार है।

ईएसएस मॉड्यूल

कर्मचारी सुझाव योजना के लिए संपूर्ण मॉड्यूल विकसित किया गया है और कार्यान्वयन के लिए तैयार है।

एचआरएमएस परिलब्धि मॉड्यूल

स्टाफ सदस्यों के परिलब्धियों की गणना के लिए एक नया मॉड्यूल लागू किया गया है।

रिकेवाईसी मॉड्यूल

फिनेकल में रिकेवाईसी को अध्ययन करने के लिए एक मॉड्यूल पेश किया गया है। रिकेवाईसी अद्यतन करने वाले ग्राहकों की पहचान करने के लिए एक रिपोर्ट भी जारी की गई है।

ऋण प्रबंधन प्रणाली मॉड्यूल में वर्धन

बैंक की कुछ और क्रेडिट योजनाओं को संसाधित करने के लिए एलएमएस मॉड्यूल को नया रूप दिया गया है। निम्नलिखित योजनाएं एलएमएस मॉड्यूल में नई जोड़ी गई हैं।

◆केजीबीएसपी ◆केसीसी06 ◆एचएलपी ◆पीएमएवाई

सांविधिक लेखापरीक्षा मॉड्यूल में डिजिटल सिग्नेचर सुविधा का परिचय

बैंक ने सांविधिक लेखापरीक्षा मॉड्यूल में डिजिटल सिग्नेचर का एकीकरण पूरा कर लिया है।

33 नए सीटीएस स्कैनिंग केंद्रों का उद्घाटन

देश में सभी बैंक शाखाओं में नई चेक ट्रंक्शन प्रणाली (सीटीएस) का विस्तार करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देश के अनुरूप, बैंक ने सितंबर 2021 में 33 नए सीटीएस स्कैनर स्थापित किए हैं।

एनपीसीआई के सेल्फ अटेस्टेशन पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग

पोर्टल के माध्यम से सदस्यों से प्रक्रियात्मक दिशानिर्देशों/परिचालन परिपत्र दिशानिर्देशों के अनुपालन की पुष्टि प्राप्त करने के लिए एनपीसीआई द्वारा एक नया स्वचालित समाधान, एनपीसीआई के स्व-सत्यापन पोर्टल पर बैंक को जोड़ा गया है।

सूचना का अधिकार

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत, सूचना प्रदान करने और पारदर्शिता लाने के लिए एक विशेष सूचना का अधिकार अधिनियम संगठन कार्य कर रहा है। आरटीआई अधिनियम की आवश्यकता के अनुसार, बैंक ने आवेदकों को जानकारी प्रदान करने के लिए जन सूचना अधिकारी और अपील प्राधिकारी और प्रधान कार्यालय और उसके सभी 10 क्षेत्रीय कार्यालयों को नामित किया है। वर्ष के दौरान बैंक को आरटीआई अधिनियम, 2005 के प्रावधान के अनुसार 49 आरटीआई आवेदन, 13 प्रथम अपील प्राप्त हुई और कोई द्वितीय अपील प्राप्त नहीं हुई है।

श्रमशक्ति रूपरेखा

मार्च 2022 के अंत तक, बैंक के रोल में कुल 3444 कर्मचारी सदस्य हैं। वर्गवार स्थिति इस प्रकार है।

संवर्ग	मार्च 2022में कुल कर्मचारी	जिनमें से		
		महिलाएं	एससी	एसटी
वेतनमान V अधिकारी	15	4	1	0
वेतनमान IV अधिकारी	54	13	11	1
वेतनमान III अधिकारी	106	34	13	11
वेतनमान II अधिकारी	678	253	81	30
वेतनमान I अधिकारी	1306	780	200	31
उप कुल अधिकारी	2159	1084	306	73
कार्यालय सहायक (बहुउद्देशीय)	1151	619	108	20
कार्यालय परिचारक (बहुउद्देशीय)	134	39	14	1
उप कुल कामगार	1285	658	122	21
कुल योग	3444	1742	428	94

बैंक के कर्मचारियों में 2159 अधिकारी, 1151 कार्यालय सहायक (बहुउद्देशीय) और 134 कार्यालय परिचारक शामिल हैं। 1742 की महिला कर्मचारियों की संख्या बैंक के कुल कर्मचारियों की संख्या का 50.58% प्रतिशत है। मार्च 2022 तक, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की संख्या मिलाकर बैंक के कुल कर्मचारियों की संख्या का 15.16% थी। मार्च 2022 तक बैंक में महिलाओं और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कर्मचारियों की संरचना उपरोक्त तालिका में दी गई है।

भर्ती

वर्ष के दौरान, बैंक ने सूची में से 101 कार्यालय सहायक (बहुउद्देशीय) और 63 वेतनमान I अधिकारी नियुक्त किए थे।

आरक्षण

भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार बैंक अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के संबंध में आरक्षण नीति का सख्त से पालन कर रहा है। की गई नियुक्ति में से 20 अनुसूचित जाति (एससी), 4 अनुसूचित जनजाति (एसटी), 8 पूर्व सैनिक श्रेणी और 6 विकलांग व्यक्ति (पीडब्ल्यूडी) श्रेणी के थे।

- (क) पोस्ट आधारित रोस्टर के तंत्र के माध्यम से आरक्षण नीति कार्यान्वित की जाती है। वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार, बैंक ने सभी संवर्गों के लिए पोस्ट आधारित रोस्टरों को अपनाया है।
- (ख) सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को सीधी भर्ती के साथ-साथ पदोन्नति में आरक्षण/छूट/रियायतें प्रदान कर रहा है।
- (ग) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को पूर्व पदोन्नति प्रशिक्षण दिया जाता है।
- (घ) आरक्षण नीति के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रधान कार्यालय में मुख्य संपर्क अधिकारी और सहायक संपर्क अधिकारी को नामित किया गया है। इसके अलावा, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों से सीधे या अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति संघों के माध्यम से प्राप्त अभ्यावेदनों को संपर्क अधिकारी/मुख्य संपर्क अधिकारी द्वारा देखा जाता है। जहां आवश्यक हो, आवश्यक पूछताछ की जाती है और उचित कार्रवाई की जाती है।
- (e) (बैंक का निदेशक मंडल वार्षिक आधार पर आरक्षण नीति के कार्यान्वयन में हुई प्रगति की समीक्षा भी करता है।

पदोन्नति

बैंक ने वित्तीय वर्ष के दौरान नीचे दिए गए अनुसार पदोन्नति प्रक्रिया शुरू की:

संवर्ग	पदोन्नत कुल कर्मचारी
कार्यालय सहायक	11
अधिकारी वेतनमान -I	118
अधिकारी वेतनमान - II	122
अधिकारी वेतनमान - III	31
अधिकारी वेतनमान - IV	8
अधिकारी वेतनमान - V	4
कुल	294

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कक्ष

प्रधान कार्यालय में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कक्ष की स्थापना अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कर्मचारियों के सदस्यों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए की गई है। इसके लिए सहायक महा प्रबंधक श्रेणी में संपर्क अधिकारी और सहायक संपर्क अधिकारी को नामित किया गया है। प्रबंधन के संज्ञान में लाए गए किसी भी मुद्दे को निपटाने में कक्ष आवश्यक सहायता प्रदान करता है। यह कक्ष अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के ज्ञान के स्तर को बढ़ाने और कैरियर के विकास को सुनिश्चित करने के लिए उनके प्रशिक्षण की भी व्यवस्था करता है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कक्ष अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के समग्र कल्याण की सुविधा प्रदान करता है और यह सुनिश्चित करता है कि कल्याणकारी गतिविधियों का लाभ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के सुधार के लिए हो। क्षेत्रीय प्रबंधकों को क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर सहायक संपर्क अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

केजीबी कर्मचारी प्रशिक्षण महाविद्यालय

बैंक ने मानव संसाधन के विकास के लिए एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में प्रशिक्षण के माध्यम से क्षमता निर्माण की पहचान की है। बैंक का कण्णूर में एक प्रशिक्षण महाविद्यालय और कोषिकोड और एर्णाकुलम में दो क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण महाविद्यालय हैं। आंतरिक प्रशिक्षण आयोजित करने के अलावा, कर्मचारी सदस्यों को बाहरी प्रशिक्षण संस्थानों में भी प्रतिनियुक्त किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान 931 कर्मचारी सदस्यों को आंतरिक प्रशिक्षण दिया गया और 112 अधिकारियों को बाहरी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए नामित किया गया।

2021-22 में प्रशिक्षित कुल कर्मचारी		
संवर्ग	कुल कर्मचारी	जिनमें से अजा/अजजा
वेतनमान V अधिकारी	7	0
वेतनमान IV अधिकारी	36	5
वेतनमान III अधिकारी	11	3
वेतनमान II अधिकारी	169	26
वेतनमान I अधिकारी	649	80
उप कुल अधिकारी	872	114
कार्यालय सहायक (बहुउद्देशीय)	171	22
उप कुल कामगार	171	22
कुल योग	1043	136



बाहरी प्रशिक्षण (ऑफलाइन / ऑनलाइन)

संस्थान	कुल	जिनमें से अजा/अजजा
बीआईआरडी, लखनऊ	66	7
बीआईआरडी, मंगलूर	18	3
सीएबी, पुणे	27	3
आईआईबीएफ मुंबई	1	0
कुल बाहरी प्रशिक्षण	112	13

आंतरिक प्रशिक्षण (ऑफलाइन / ऑनलाइन)

प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	प्रतिभागियों की संख्या	जिनमें से अजा/अजजा
नव पदोन्नत सहायक प्रबंधकों के लिए अभिमुखता कार्यक्रम	141	15
नव प्रचारित ओएसटी के लिए अभिमुखता कार्यक्रम	24	2
आंतरिक अधिकारियों के लिए कार्य-संवर्धन कार्यक्रम	33	11
ओएसटी के लिए कार्य-संवर्धन कार्यक्रम	205	21
पदोन्नत ओएसटी के लिए अभिमुखता कार्यक्रम	29	2
अ जा/अजजा के लिए पूर्व पदोन्नति प्रशिक्षण	32	32
प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम ओएसटी	97	12
प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम सहायक प्रबंधक	63	8
पहली बार शाखा प्रमुखों के लिए अभिमुखता कार्यक्रम	143	14
नव पदोन्नत सहायक प्रबंधकों के लिए अभिमुखता कार्यक्रम	164	6
कुल	931	123

चिकित्सा बीमा

कर्मचारियों को निम्नलिखित राशियों के लिए यूनाइटेड एश्योरेंस कंपनी के साथ ग्रुप चिकित्सा बीमा योजना के तहत संरक्षित किया गया है

कर्मचारियों की श्रेणी	बीमा राशि (लाख में रुपये)
कामगार	3.00
अधिकारी	4.00

इसी तरह, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी यूनाइटेड एश्योरेंस कंपनी के साथ ग्रुप चिकित्सा बीमा योजना के तहत निम्नलिखित बीमा राशि के लिए संरक्षित किया गया है:

सेवानिवृत्त कर्मचारियों की श्रेणी	बीमा राशि (लाख में रुपये) (विकल्प के अनुसार)
कामगार/अधिकारी	3.00 /4.00

शाखाओं का निरीक्षण

शाखाओं के जोखिम आधारित आंतरिक लेखापरीक्षा (आरबीआईए), क्षेत्रीय कार्यालयों का आरबीआईए, चयनित 64 शाखाओं का कॉन्करेंट ऑडिट, गुणवत्ता ऑडिट और त्रैमासिक आकस्मिक निरीक्षण को निरीक्षण मॉड्यूल- "बैंकसॉफ्ट" के माध्यम से किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, 375 शाखाओं में शाखाओं का आरबीआईए आयोजित किया गया था और वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान पिछले वर्ष के अंत की तुलना में शाखाओं के निरीक्षण ग्रेडेशन / रेटिंग की तुलनात्मक स्थिति नीचे दी गई है।

क्रमांक	निरीक्षण ग्रेडेशन/श्रेणी निर्धारण	31.03.2021 तक की स्थिति	31.03.2022 तक की स्थिति
1	कम	307	434
2	सामान्य	318	197
3	मध्यम	9	3
4	उच्च	0	0
5	श्रेणी निर्धारण नहीं किया गया (नई खुली हुई शाखाएँ)	0	0
कुल		634	634

ऑनलाइन निरीक्षण मॉड्यूल

आरबीआईए, त्रैमासिक आकस्मिक निरीक्षण और समवर्ती लेखापरीक्षा ऑनलाइन निरीक्षण मॉड्यूल (बैंकसॉफ्ट) के माध्यम से किए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान बैंक ने क्षेत्रीय कार्यालयों के आरबीआईए को ऑनलाइन मॉड्यूल में स्थानांतरित कर दिया है। 31-03-2022 तक 4 महीने से अधिक / बंद होने की नियत तारीख से अधिक के लिए कोई आरबीआईए / सीसीए फाइल लंबित नहीं है।

विभिन्न लेनदेन की समीक्षा और निगरानी, प्रणालियों और प्रक्रियाओं में अनियमितताओं/विचलन का पता लगाने, सुधारात्मक/निवारक कदम शुरू करने और चूक की पहचान, यदि कोई हो तो, उसकी समीक्षा और निगरानी के लिए ऑफ-साइट लेनदेन निगरानी प्रणाली हमारे बैंक में काम कर रही है।

सतर्कता व्यवस्था

आंतरिक नियंत्रण की एक सुदृढ़ प्रणाली बनाए रखने के लिए और धोखाधड़ी, दुर्विनियोग आदि को रोकने के लिए सतर्कता विभाग वरिष्ठ प्रबंधक की अध्यक्षता में मुख्य कार्यालय में कार्यरत है, जिसे सहायक सतर्कता अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। सतर्कता विभाग की देखरेख मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा किया जाता है।

निवारक सतर्कता समिति

सभी शाखाओं में निवारक सतर्कता समितियों का गठन किया जाता है और मासिक नियमित बैठकें आयोजित की जाती हैं। रिपोर्ट की निगरानी क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा की जाती है और समेकित रिपोर्ट सतर्कता विभाग को भेजी जाती है।

शिकायतों पर कार्रवाई करना

सतर्कता विभाग में प्राप्त सभी शिकायतों को अध्यक्ष के समक्ष रखा गया और आदेशानुसार जाँच की गई। आंतरिक सलाहकार समिति द्वारा पहचानी गई सतर्कता प्रकृति की शिकायतों को आगे की कार्यवाही के लिए केनरा बैंक सतर्कता विभाग को सूचित किया गया था।

कर्मचारियों की जवाबदेही की संवीक्षा

विभाग ने महाप्रबंधक के अधिकार से मुख्य कार्यालय में स्वीकृत ऋण खातों और एनपीए में स्लिप हुए खातों की जाँच की, और कर्मचारियों की जवाबदेही की संवीक्षा के लिए केनरा बैंक सतर्कता विभाग को रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है।

वार्षिक संपत्ति विवरण

अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत वार्षिक संपत्ति विवरण की विभाग द्वारा संवीक्षा की गई। आंकड़ा नीचे दिया गया है।

यथा 31-03-2021 पर विवरण	वेतनमान I	वेतनमान II	वेतनमान III	वेतनमान IV और ऊपर
अधिकारियों की संख्या	1296	634	99	72
एपीआर प्रस्तुत अधिकारियों की संख्या	1294*	634	99	72
उन अधिकारियों की संख्या जिन्हें एपीआर प्रस्तुत करना शेष है	0	0	0	0
संवीक्षा की गई एपीआर का %	20%	20%	100%	100%
संवीक्षा की जाने वाली एपीआर की संख्या	260	127	99	72
संवीक्षा की गई एपीआर	265	135	99	72
संवीक्षा के लिए लंबित एपीआर	0	0	0	0

*2 अधिकारियों ने सेवा से इस्तीफा दिया

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2021 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। प्रधान कार्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों में जागरूकता संबंधित कक्षाएं आयोजित की गईं। 26 अक्टूबर की सुबह 11 बजे सभी कर्मचारी सदस्यों द्वारा ईमानदारी की शपथ ली गई। प्रधान कार्यालय में, सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम का उद्घाटन श्री फिरोज, उपाधीक्षक, सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोध ब्यूरो, मलप्पुरम जिले द्वारा किया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत 28 अक्टूबर 2021 को प्रधान कार्यालय में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभी क्षेत्रों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम जैसे ग्राहक जागरूकता बैठकें, छात्र जागरूकता कार्यक्रम आदि आयोजित किए गए।

ग्राहक सुरक्षा नीति

बैंक की ग्राहक सुरक्षा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए और ग्राहकों के प्रश्नों और शिकायतों पर उचित और समयबद्ध अनुवर्ती कार्रवाई करने के लिए, बैंक ने प्रधान कार्यालय में एक विशेष ग्राहक सुरक्षा कक्ष की स्थापना की। कस्टमर केयर सेल को मेल, पत्र, फोन आदि के माध्यम से शिकायतें / अभ्यावेदन प्राप्त होते हैं। शिकायत/अभ्यावेदन की प्रकृति और मुद्दे की गंभीरता के आधार पर, मामले को प्रधान कार्यालय /क्षेत्रीय कार्यालयों/शाखाओं में विभिन्न कार्यात्मक विभागों पर अग्रेषित किया जाएगा, संबंधित लोगों के साथ अनुवर्तन किया जाएगा और एक उचित और त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। जब तक समाधान नहीं हो जाता/उपयुक्त उत्तर तैयार नहीं हो जाता, तब तक कक्ष संबंधितों के साथ शिकायतों का लगातार अनुवर्तन करता है। महाप्रबंधक की अध्यक्षता में प्रधान कार्यालय में ग्राहक सेवा समिति मासिक आधार पर प्रगति का मूल्यांकन करती है।

ग्राहकों की शिकायतों से निपटने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और शिकायतों का त्वरित निवारण करने के लिए, बैंक ने शिकायत पंजीकरण के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल 'पीजीआरएस' शुरू किया। बैंक ने सार्वजनिक पूछताछ के लिए एक टोल फ्री नंबर के साथ एर्णाकुलम में एक कॉल सेंटर भी स्थापित किया। हमारे कॉल सेंटर पर प्राप्त शिकायतों/अभ्यावेदनों को समाधान के लिए हमारे ऑनलाइन पोर्टल 'पीजीआरएस' के माध्यम से संबंधित शाखाओं/कार्यालयों को भेजा जाता है।

ग्राहक संरक्षण कक्ष बैंकिंग लोकपाल, आरबीआई, केनरा बैंक, डीएफएस और अन्य बाहरी एजेंसियों के माध्यम से की जाने वाली शिकायतों को भी देखता है और समयबद्ध तरीके से उपयुक्त उत्तर/सौहार्दपूर्ण समाधान सुनिश्चित करता है।

पुरस्कार और सम्मान

हमें 2021-22 के दौरान निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं

1. भारत में 12 वां सर्वश्रेष्ठ बैंक और फोर्ब्स की दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बैंकों की सूची -2022 में शामिल एकमात्र आरआरबी
2. भारतीय बैंक संघ द्वारा सर्वश्रेष्ठ आईटी जोखिम और साइबर सुरक्षा पहल - उपविजेता
3. एसएफबीसीके बैंकिंग उत्कृष्टता पुरस्कार-2021
4. एसएफबीसीके- केरल में दूसरी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन वाली बैंक शाखा
5. पीएफआरडीए द्वारा एपीवाई पुरस्कार- फाइनेंसियल फ्रीडम फाइटर
6. पीएफआरडीए द्वारा एपीवाई पुरस्कार - सिटीज़न्स चॉइस
7. कृषि और ग्रामीण बैंकिंग में उत्कृष्टता के लिए ईकेएल एगो पुरस्कार
8. पीएमईजीपी पुरस्कार

2021-22 के दौरान निदेशक मंडल में बदलाव

निदेशक का नाम	द्वारा प्रस्तुत	नियुक्ति/समाप्ति की तिथि
श्री. नाथर अजीत कृष्णन	प्रायोजक बैंक (केनरा बैंक)	समाप्ति की तिथि: 12.05.2021
श्री. चंद्रशेखर राव.बी	प्रायोजक बैंक (केनरा बैंक)	समाप्ति की तिथि: 26.11.2021
श्री. एच मनोज	नाबार्ड	समाप्ति की तिथि: 17.05.2021
श्री. एस प्रेमकुमार	प्रायोजक बैंक (केनरा बैंक)	नियुक्ति की तिथि: 12.05.2021
श्री. ए मुरली कृष्ण	प्रायोजक बैंक (केनरा बैंक)	नियुक्ति की तिथि: 29.11.2021
श्री. लालू पी.एन. कुट्टी	नाबार्ड	नियुक्ति की तिथि: 17.05.2021

बोर्ड बैठक

निदेशक मंडल में श्री जयप्रकाश सी (अध्यक्ष), श्री एस शंकर (आरबीआई नामित), श्री लालू पीएन कुट्टी (नाबार्ड नामित), श्री ए मुरली कृष्ण (प्रायोजक बैंक नामित), श्री एस प्रेमकुमार (प्रायोजक बैंक नामित), श्रीमती पैनी जॉर्ज (केरल सरकार नामित) शामिल हैं।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान निदेशक मंडल की 6 बार बैठक हुई।

मंडल स्तरीय समितियां

वर्तमान में बैंक के मंडल की तीन उप समितियां हैं जो इस प्रकार हैं:

समिति का नाम	वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या
1. बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति	4
2. ग्राहक सेवा समिति	4
3. बोर्ड की आईटी उप-समिति	-

वित्तीय वर्ष के दौरान 3 फरवरी 2022 को मंडल की आईटी उप-समिति का गठन किया गया था।

कारोबार उत्तरदायित्व रिपोर्ट

एक जिम्मेदार बैंकिंग इकाई के रूप में, बैंक ने सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक मोर्चों पर कोई नकारात्मक प्रभाव डाले बिना व्यवसाय का संचालन सुनिश्चित किया है। बैंक ने हमेशा बड़े पैमाने पर सभी हितधारकों और समाज के लिए मूल्य बढ़ाने का प्रयास किया है। प्रभावी प्रबंधन और सामाजिक जिम्मेदारी के निर्वहन के लिए बैंक के पास कॉर्पोरेट प्रशासन नीति है। बैंक अपने ग्राहकों को सुरक्षित और टिकाऊ सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी में पर्याप्त निवेश कर रहा है। कर्मचारी प्रतिधारण और संगठन के लिए उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ाने के लिए विभिन्न मानव संसाधन उपाय शुरू किए गए हैं। ग्राहक शिकायतों को उचित तंत्र के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जाता है। बैंक गैर-बैंकिंग और कम बैंकिंग क्षेत्रों में अपनी सेवाओं का विस्तार करके समावेशी विकास को भी बढ़ावा दे रहा है। उपरोक्त के अलावा, बैंक अन्य संगठनों के साथ संयुक्त रूप से किसान क्लब के माध्यम से विभिन्न ग्रामीण विकास गतिविधियों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है।

निदेशकों की उत्तरदायित्व का विवरण

निदेशक, 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए वार्षिक लेखा तैयार करते समय, निम्नलिखित की पुष्टि करते हैं:

- वार्षिक लेखा तैयार करने में, सामग्री डिपार्चर के संबंध में उचित स्पष्टीकरण के साथ लागू मानकों का पालन किया गया था।
- यह कि उन्होंने ऐसी लेखा नीतियों का चयन किया था और उन्हें लगातार लागू किया था और ऐसे निर्णय और अनुमान लगाए थे जो उचित और विवेकपूर्ण हों ताकि वित्तीय वर्ष के अंत में बैंक की स्थिति और अवधि के लिए बैंक के लाभ या हानि के बारे में सही और निष्पक्ष जानकारी दी जा सके।
- उन्होंने बैंक की संपत्तियों की सुरक्षा के लिए और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए भारत में बैंकों को शासित करने वाले लागू कानूनों के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए उचित और पर्याप्त देखभाल की थी।
- यह कि उन्होंने वार्षिक लेखाओं को चालू प्रतिष्ठान के आधार पर तैयार किया था।
- बैंक ने सभी हितधारकों, अर्थात् शेयरधारकों, ग्राहकों, निवेशकों, सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक, कर्मचारियों और आम जनता के लिए पुरस्कारों को अधिकतम करने के लिए कई पहल की हैं।

पावति

बोर्ड भारत सरकार, केरल सरकार, आरबीआई, नाबार्ड और केनरा बैंक को उनके पूर्ण समर्थन, मार्गदर्शन और सहयोग के लिए अपना आभार व्यक्त करता है।

बोर्ड बैंक के विकास के लिए समर्पित कर्मचारी सदस्यों के निरंतर योगदान के लिए उनकी सराहना करता है। बोर्ड अपने ग्राहकों का भी उनके निरंतर समर्थन और सहायता के लिए अपना आभार व्यक्त करता है।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

सी. जयप्रकाश
अध्यक्ष

बैंक के प्रदर्शन की झलक

(हजारों में रुपये)

अ	मुख्य प्रदर्शन संकेतक	2019-20	2020-21	2021-22
1	कवर किए गए जिलों की संख्या	14	14	14
2	शाखाओं की संख्या	634	634	634
	ग्रामीण	53	53	53
	अर्ध शहरी	542	542	542
	शहरी	39	39	39
	मेट्रोपॉलिटन	-	-	-
3	कुल कर्मचारी (प्रायोजक बैंक कर्मचारियों को छोड़कर)	3519	3458	3444
	जिनमें से अधिकारी	1976	2103	2159
4	जमा	192535607	201504708	218335928
	वृद्धि %	14.06	4.66	8.35
5	बकाया ऋण	26821877	47558727	388023.60
6	बकाया सकल ऋण और अग्रिम	179198115	184567874	192790893
	वृद्धि %	0.24	3	4.46
	उपरोक्त 6 में से, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण	169049842	174445550	181656612
	उपरोक्त 6 में से, गैर-लक्षित समूहों को ऋण	10148373	10122324	11134281
	उपरोक्त 6 में से, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति को ऋण	3709957	4171555	4496932
	उपरोक्त 6 में से, एसएफ/एमएफ/एएल को ऋण	96529910	97835366	107200776
	उपरोक्त 6 में से, अल्पसंख्यकों को ऋण	76487289	76131720	79339292
7	सीडी अनुपात	93.07	91.59	88.30
8	बकाया निवेश	36345590	46222985	41771498
	बकाया एसएलआर निवेश	34903194	44092229	40751646
	बकाया गैर एसएलआर निवेश	1442396	2130756	1019852
आ	औसत			
9	औसत जमा	175156724	195566729	208192508
	वृद्धि %	14.73	11.65	6.46
10	औसत ऋण	27749600	33899628	35435003
	वृद्धि %	-36.22	22.16	4.53
11	औसत सकल ऋण और अग्रिम	180256131	174989737	184318325
	वृद्धि %	6.27	-2.92	5.33
12	औसत निवेश	36456106	42885542	43595307
	वृद्धि %	6.62	17.64	1.66
	औसत एसएलआर निवेश	35363155	40350956	41828226
	औसत जमा के % के रूप में	20.19	14.1	3.66
	औसत गैर-एसएलआर निवेश	1092951	2534586	1767081
	औसत जमा के % के रूप में	0.62	131.9	-30.28
13	औसत कार्यशील निधि	240288622	252218397	267778200
इ	वर्ष के दौरान जारी ऋण			
14	वर्ष के दौरान जारी ऋण	176814506	176216436	175479103
	वृद्धि %	-2.93	-0.34	-0.42
	उपरोक्त 14 में से, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण	157362926	169283835	158830439
	उपरोक्त 14 में से, गैर-लक्षित समूहों को ऋण	19451580	6932601	16648664
	उपरोक्त 14 में से, अजाति/अजजा को ऋण	3030564	3615698	3693758

(हजारों में रुपये)

			2019-20	2020-21	2021-22
		उपरोक्त 14 में से, एसएफ/एमएफ/एएल को ऋण	106299401	109790062	113691512
		उपरोक्त 14 में से, अल्पसंख्यकों को ऋण	70895019	71648367	69817637
		उत्पादकता			
ई	15	प्रति शाखा	586331	608947	648465
		प्रति कर्मचारी	105636	111646	119375
उ		वसूली प्रदर्शन			
	16	कुल			
		मांग	183123527	192055222	180909648
		वसूली	175241632	183450170	172671543
		अतिदेय	7881895	8605052	8238105
		वसूली %	95.7	95.52	95.45
	17	कृषि क्षेत्र			
		मांग	145617145	153534448	146008443
		वसूली	141888868	149359615	141958766
		अतिदेय	3728377	4174833	4049677
		वसूली %	97.44	97.28	97.23
	18	गैर-कृषि क्षेत्र			
		मांग	37506382	38520774	34901205
		वसूली	33352764	34090555	30712777
		अतिदेय	4153618	4430219	4188428
		वसूली %	88.93	88.5	88.00
ऊ		संपत्ति का वर्गीकरण			
	19	अ) मानक	171487341	177832699	186845163
		आ) उप-मानक	2532861	1662600	1063289
		इ) संदिग्ध	3275404	3299201	3241722
		ई) हानि	1902510	1773374	1640719
		कुल	179198116	184567874	192790893
	20	सकल ऋणों और बकाया अग्रिमों के % के रूप में मानक संपत्ति	95.7	96.35	96.92
ऋ		लाभप्रदता विश्लेषण			
	21	ब्याज का भुगतान			
		अ) जमा	10759948	10028406	9232732
		आ) ऋण	2864843	1854554	1804591
	22	वेतन	5659611	6827253	7013973
	23	अन्य परिचालन व्यय	1709758	1745713	1928907
	24	वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान			
		अ) एनपीए के खिलाफ	1084167	776090	1705959
		आ) अन्य प्रावधान	135202	846266	1174204
		इ) ऋणमुक्ति			
	25	प्राप्त ब्याजप्राप्त ब्याज			
		अ) ऋण और अग्रिम	15980624	15843811	16667736
		आ) एसबीआई/अन्य बैंकों के साथ चालू खाता			
		इ) एसएलआर निवेश/कॉल पर पैसा/एसबीआई के साथ टीडीआर और स्वीकृत प्रतिभूतियों	3003038	3837668	3961395

(हजारों में रुपये)

मापदंड			2019-20	2020-21	2021-22
	26	विविध आय	2719761	2731056	3472664
	27	हानि/लाभ	-510106	334253	1241429
ए		अन्य जानकारी			
	28	प्राप्त शेयर पूंजी जमा			
	29	डीआई और सीजीसी			
		अ) संचयी रूप से दावों का निपटान			
		आ) दावे प्राप्त लेकिन लंबित समायोजन			
		इ) निगम के पास लंबित दावे			
	30	संचयी प्रावधान			
		अ) एनपीए के खिलाफ	3585277	4199894	5837072
		आ) मानक संपत्ति के खिलाफ	884934	1316020	2112685
		इ) अमूर्त संपत्ति, धोखाधड़ी आदि के खिलाफ	3042	3042	3132
	31	अमान्य ब्याज			
		अ) वर्ष के दौरान	1253421	682632	747188
		आ) संचयी	4545732	5228364	5975552
	32	वर्ष के दौरान बड़े खाते में डाले गए ऋण			
		अ) खातों की संख्या	7129	5183	2915
		आ) राशि	143858	161474	68856
	33	संचित हानि	557024	365584	0
	34	रिजर्व	7346309	7677594	8916434



New year celebration at Head office

स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में,
सदस्यगण,
केरल ग्रामीण बैंक,
मलप्पुरम।

वित्तीय विवरणियों के लेखापरीक्षक पर रिपोर्ट

राय

हमने केरला ग्रामीण बैंक ('बैंक') के वित्तीय विवरणों का लेखापरीक्षा किया है, जिसमें 31 मार्च 2022 की तुलन पत्र, उस समाप्त होने वाले वर्ष का लाभ और हानि का विवरण और नकद प्रवाह विवरण, और महत्वपूर्ण लेखा नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी (बाद में "वित्तीय विवरण" के रूप में संदर्भित) के सारांश सहित वित्तीय विवरणों के लिए नोट्स का समावेश होता है, जिसमें हमारे द्वारा ऑडिट किए गए 20 शाखाओं और प्रधान कार्यालय और सांविधिक शाखा ऑडिटर्स द्वारा ऑडिट किए गए 433 शाखाओं के उस तिथि को समाप्त वर्ष के विवरण शामिल हैं। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक ('नाबार्ड') द्वारा बैंक को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार हमारे द्वारा और अन्य लेखापरीक्षक द्वारा लेखापरीक्षा की गई शाखाओं का चयन बैंक द्वारा किया गया है। वित्तीय विवरणों में 181 शाखाओं और 10 प्रशासनिक कार्यालयों के विवरण भी शामिल हैं जिनका लेखापरीक्षा नहीं किया गया है। लेखापरीक्षा नहीं की गई शाखाओं में जमा राशि का 26.13 प्रतिशत, अग्रिम का 24.63 प्रतिशत, अदा किए गए ब्याज का 21.56% और वसूले गए ब्याज का 20.02% है।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त वित्तीय विवरण बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 के साथ-साथ बैंकिंग कंपनियों के लिए आवश्यक भारतीय रिजर्व बैंक ('आरबीआई') और नाबार्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों द्वारा आवश्यक जानकारी देते हैं और भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप हैं और 31 मार्च 2022 को बैंक के मामलों की स्थिति और उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए इसके लाभ और इसके नकदी प्रवाह के बारे में एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं।

राय के लिए आधार

हमने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ('आईसीएआई') द्वारा जारी किए गए स्टैंडर्ड ऑन ऑडिटिंग (एसए) के अनुसार अपना लेखापरीक्षा किया। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को हमारी रिपोर्ट के 'वित्तीय विवरणों के लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक की जिम्मेदारियाँ' खंड में वर्णित किया गया है। हम इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार बैंक से स्वतंत्र हैं, साथ ही नैतिक आवश्यकताओं के साथ जो वित्तीय विवरणों के हमारे लेखापरीक्षा के लिए प्रासंगिक हैं, और हमने इन आवश्यकताओं और आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हम मानते हैं कि हमने जो लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त किया है वह वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखापरीक्षा राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

मामले का महत्व

अ. हम वित्तीय वर्ष 2018-19 से बैंक द्वारा कार्यान्वित पेंशन योजना और नाबार्ड के निर्देशों के अनुसार 5 वर्षों की अवधि में प्रारंभिक शुद्ध देयता के ऋणमुक्ति के संबंध में वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 12.6 की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं। 31 मार्च 2022 तक गैर-ऋणमुक्ति देयता का शेष ₹ 76.20 करोड़ है।

आ. हम बैंक के संचालन और वित्तीय स्थिति पर कोविड-19 महामारी के प्रभाव के बारे में वित्तीय विवरणों के लिए अनुसूची 18 के नोट संख्या 18बी.5 की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं, जो विभिन्न अनिश्चित कारकों पर निर्भर करेगा, जिसमें सरकार और बैंक द्वारा उधारकर्ताओं पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए की गई कार्रवाई और अन्य नियामक उपाय शामिल हैं।

उपरोक्त मामलों पर हमारी राय में कोई संशोधन नहीं किया गया है।

मुख्य लेखापरीक्षा के मामले

मुख्य लेखापरीक्षा के मामले वे मामले हैं, जो हमारे पेशेवर निर्णय में, वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समग्र रूप से वित्तीय विवरणों के हमारे लेखापरीक्षा के संदर्भ में और उस पर अपनी राय बनाने के संदर्भ में संबोधित किया गया था, और हम इन मामलों पर अलग राय प्रदान नहीं करते हैं। हमने नीचे निर्धारित मामलों को अपनी रिपोर्ट में संप्रेषित किए जाने वाले प्रमुख लेखापरीक्षा मामलों के रूप में निर्धारित किया है।

मुख्य लेखापरीक्षा के मामले	कैसे हमारे लेखापरीक्षा ने मुख्य लेखापरीक्षा मामलों को संबोधित किया
1. अग्रिमों का वर्गीकरण, अनिष्पादित अग्रिमों की पहचान, आय की पहचान और एनपीए पर प्रावधान (वित्तीय विवरणों की अनुसूची 9 के साथ अनुसूची 17 के नोट 7 और वित्तीय विवरणों की अनुसूची 18 (ए) के नोट 4 के साथ को पढ़ा गया)	अग्रिमों के सत्यापन के लिए हमारा ऑडिट दृष्टिकोण/प्रक्रिया आरबीआई और नाबार्ड (सामूहिक रूप से आईआरएसी मानदंड के रूप में संदर्भित) द्वारा जारी प्रासंगिक परिपत्रों/निर्देशों, बैंक की आंतरिक नीतियों और प्रक्रियाओं के संदर्भ द्वारा बनाई गई थी। इसमें निम्नलिखित शामिल हैं: - एनपीए वर्गीकरण के लिए बैंक की लेखांकन नीतियों को समझना और उनको ध्यान में लेना, कोविड-19 महामारी से उत्पन्न वर्तमान अनिश्चित आर्थिक वातावरण को ध्यान में रखते हुए आईआरएसी मानदंडों के अनुपालन का प्रावधान और आकलन करना। - आईआरएसी मानदंडों के आधार पर एनपीए खातों की पहचान और प्रावधान के लिए प्रमुख नियंत्रणों (एप्लिकेशन नियंत्रणों सहित) के डिजाइन और संचालन प्रभावशीलता को समझना, मूल्यांकन और परीक्षण करना। - इन प्रक्रियाओं में शामिल हैं:- अ. एप्लिकेशन सिस्टम से उत्पन्न अपवाद रिपोर्ट के परीक्षण को ध्यान में रखते हुए जहां अग्रिम दर्ज किए गए हैं। आ. प्रभाव की पहचान करने के लिए बैंक द्वारा रिपोर्ट किए गए खातों को विशेष उल्लेख खातों ("एसएमए") के रूप में देखते हुए। इ. मात्रात्मक और गुणात्मक जोखिम कारकों के आधार पर चयनित उधारकर्ताओं के खाते के विवरण और अन्य संबंधित जानकारी की समीक्षा करना। ई. क्रेडिट मॉनिटरिंग और रिकवरी और रिस्क मैनेजमेंट कमेटी की बैठकों के मिनटों की जाँच और यह पता लगाने के लिए क्रेडिट और जोखिम प्रबंधन विभागों के साथ पूछताछ करना कि
अग्रिम (प्रावधान का निवल) बैंक की कुल संपत्ति का 66.10% है। वे, अन्य बातों के साथ-साथ, आय मान्यता, संपत्ति वर्गीकरण और प्रावधान (आईआरएसी) मानदंडों और नाबार्ड और आरबीआई द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अन्य परिपत्रों और निर्देशों द्वारा शासित होते हैं जो अग्रिमों के प्रदर्शन और अनिष्पादित अग्रिमों (एनपीए) में वर्गीकरण से संबंधित दिशानिर्देश प्रदान करते हैं। बैंक इन अग्रिमों को उपरोक्त आईआरएसीपी मानदंडों के आधार पर वर्गीकृत करता है, जिसमें कोविड-19 नियामक पैकेज - संपत्ति वर्गीकरण और प्रावधान के संबंध में परिपत्र शामिल हैं निष्पादित और अनिष्पादित अग्रिमों की पहचान में उचित तंत्र की स्थापना शामिल है, और विनियमों द्वारा निर्धारित मात्रात्मक और साथ ही गुणात्मक दोनों कारकों को लागू करने वाले प्रत्येक एनपीए के लिए आवश्यक प्रावधान की राशि की पहचान करने और निर्धारित करने के लिए बैंक को निर्णय की महत्वपूर्ण डिग्री लागू करने की आवश्यकता है। बैंक अपने कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) में अग्रिमों से संबंधित सभी लेनदेन के लिए हिसाब रखता है जो यह भी पहचानता है कि अग्रिम निष्पादित हैं या अनिष्पादित हैं और एनपीए वर्गीकरण करता है। एनपीए की पहचान और प्रावधान के लिए महत्वपूर्ण निर्णय और अनुमान निम्न के लिए भौतिक गलत बयानों को जन्म दे सकते हैं: -आईआरएसी मानदंडों के अनुसार मानदंडों के अनुसार अनिष्पादित संपत्ति की मान्यता की पूर्णता और समय; -ऋण जोखिम, ऋण का पुराना होना और वर्गीकरण, प्रतिभूति	

के वसूली योग्य मूल्य के आधार पर अनिष्पादित संपत्ति के प्रावधान का मापन;;

- एनपीए पर अप्राप्त आय का उचित रिवर्सल।

अग्रिमों के वर्गीकरण के बाद से, एनपीए की पहचान और अग्रिमों पर प्रावधान का निर्माण (कोविड-19 महामारी से उत्पन्न होने वाले अतिरिक्त प्रावधानों सहित) और अग्रिमों पर आय की पहचान:

- बैंक द्वारा उचित नियंत्रण तंत्र और आकलन के महत्वपूर्ण स्तर की आवश्यकता है;

- बैंक के समग्र वित्तीय विवरणों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है हमने इस क्षेत्र को एक मुख्य ऑडिट मामले के रूप में सुनिश्चित किया है

क्या प्रभाव के संकेतक थे या ऋण खाते या किसी उत्पाद में डिफॉल्ट की घटना हुई थी।

उ. लेखापरीक्षा रिपोर्ट और सांविधिक शाखा लेखापरीक्षकों द्वारा जारी किए गए बदलावों के ज्ञापन को ध्यान में रखते हुए।

ऊ. वर्ष के दौरान बैंक पर नाबाई की वार्षिक वित्तीय निरीक्षण रिपोर्ट, टिप्पणियों पर बैंक की प्रतिक्रिया और आरबीआई/नाबाई के साथ अन्य संचार को ध्यान में रखते हुए

ऋ. बैंक की नीतियों और प्रक्रियाओं के अनुसार सिस्टम लेखापरीक्षा, क्रेडिट लेखापरीक्षा, जोखिम आधारित आंतरिक लेखापरीक्षा और समवर्ती लेखापरीक्षा को ध्यान में रखते हुए।

ल. आरबीआई मास्टर परिपत्रों/दिशानिर्देशों के अनुपालन के संबंध में नमूना आधार पर प्रभावित अग्रिमों सहित अग्रिमों की जाँच।

एँ. प्रभावित क्षेत्रों और खाता भौतिकता सहित कारकों के आधार पर, परिसंपत्ति वर्गीकरण तिथियों के नमूने के आधार पर परीक्षण, अप्राप्त ब्याज का रिवर्सल, उपलब्ध सुरक्षा का मूल्य और आईआरएसी मानदंडों के अनुसार प्रावधान द्वारा अनिष्पादित अग्रिमों को पहचानना।



Chairman Sri. C. Jayaprakash distributing prize to
Winners of Vigilance Awareness Quiz competition

2. निवेशों का वर्गीकरण और मूल्यांकन, अनिष्पादित निवेशों की पहचान और प्रावधान (वित्तीय विवरणों की अनुसूची 8 को वित्तीय विवरणों की अनुसूची 17 के नोट 4 के साथ पढ़ा गया)

बैंक के निवेश में सरकारी प्रतिभूतियां, डिबेंचर और बांड, शेयर आदि शामिल हैं और यह बैंक की कुल संपत्ति का 14.93% है। ये आरबीआई और नाबाई के परिपत्रों और निर्देशों द्वारा शासित होते हैं। आरबीआई और नाबाई के इन निर्देशों में अन्य बातों के साथ-साथ निवेश का मूल्यांकन, निवेश का वर्गीकरण, अनिष्पादित निवेश की पहचान, आय की संबंधित अमान्यता और उसके खिलाफ प्रावधान शामिल हैं।

उपर्युक्त प्रतिभूतियों की प्रत्येक श्रेणी (प्रकार) का मूल्यांकन आरबीआई/नाबाई द्वारा जारी परिपत्रों और निर्देशों में निर्धारित पद्धति के अनुसार किया जाना है जिसमें विभिन्न स्रोतों से डेटा/सूचना का संग्रह शामिल है।

जटिलताओं, निवेश के मूल्यांकन में शामिल निर्णय की सीमा और एनपीआई की पहचान, और नियामक फोकस की स्तर और बैंक के वित्तीय परिणामों के समग्र महत्व को ध्यान में रखते हुए, इसे एक मुख्य ऑडिट मामले के रूप में निर्धारित किया गया है।

आरबीआई/नाबाई के परिपत्रों/निर्देशों के संदर्भ में निवेश के प्रति हमारे ऑडिट दृष्टिकोण/प्रक्रियाओं में मूल्यांकन, वर्गीकरण, अनिष्पादित निवेशों (एनपीआई) की पहचान और निवेश से संबंधित प्रावधान/मूल्यहास के संबंध में आंतरिक नियंत्रणों और मूल ऑडिट प्रक्रियाओं की समझ शामिल है। विशेष रूप से,

अ. हमने मूल्यांकन, वर्गीकरण, एनपीआई की पहचान और निवेश से संबंधित प्रावधान/मूल्यहास के संबंध में संबंधित आरबीआई दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए बैंक की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली का मूल्यांकन किया और समझा;

आ. हमने इन निवेशों के बाजार मूल्य का निर्धारण करने के लिए विभिन्न स्रोतों से जानकारी एकत्र करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया का आकलन और मूल्यांकन किया

इ. हाथ में निवेश के चयनित नमूने के लिए, हमने सुरक्षा की प्रत्येक श्रेणी के लिए मूल्यांकन को फिर से निष्पादित करके आरबीआई मास्टर परिपत्रों और निर्देशों के अनुसार सटीकता और अनुपालन का परीक्षण किया। नमूनों का चयन यह सुनिश्चित करने के बाद किया गया कि निवेश (सुरक्षा की प्रकृति के आधार पर) की सभी श्रेणियां नमूने में शामिल हैं;

ई. हमने आरबीआई के परिपत्रों और निर्देशों के अनुसार बनाए रखे जाने वाले प्रावधान की स्वतंत्र रूप से पुनर्गणना करने के लिए मूल ऑडिट प्रक्रियाएं कीं। तदनुसार, हमने प्रत्येक श्रेणी के निवेश से नमूनों का चयन किया और आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार एनपीआई के लिए परीक्षण किया और एनपीआई के उन चयनित नमूने के लिए आरबीआई परिपत्र के अनुसार बनाए रखे जानेवाले प्रावधान की पुनर्गणना की;

उ. हमने निवेश एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर और वित्तीय विवरणों के बीच निवेश के मैपिंग का परीक्षण किया ताकि उक्त आरबीआई परिपत्र/निर्देशों के अनुसार प्रस्तुति और प्रकटीकरण आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके।

वित्तीय विवरणों और उस पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

अन्य जानकारी के लिए बैंक का निदेशक मंडल जिम्मेदार है। इस लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट की तिथि पर प्राप्त अन्य जानकारी में वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए निदेशक की रिपोर्ट में शामिल जानकारी सम्मिलित है, लेकिन इसमें वित्तीय विवरण और हमारे लेखापरीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है। ऊपर दी गई अन्य जानकारी वाली रिपोर्ट इस लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की तिथि के बाद हमें उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद है।

वित्तीय विवरणों पर हमारी राय में अन्य जानकारी शामिल नहीं है और हम उस पर किसी भी प्रकार के आश्वस्त निष्कर्ष को व्यक्त नहीं करते हैं।

वित्तीय विवरणों के हमारे लेखापरीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी अन्य सूचनाओं को पढ़ने की है, और ऐसा करने में, इस बात पर विचार करना है कि क्या अन्य जानकारी वित्तीय विवरणों के साथ भौतिक रूप से, या लेखापरीक्षा में प्राप्त हमारी जानकारी से असंगत है, या अन्यथा भौतिक रूप से गलत प्रतीत होती है।

जब हम अन्य जानकारी वाली रिपोर्ट पढ़ते हैं, यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इसमें कोई महत्वपूर्ण गलत विवरण है, तो हमें शासन प्रभारित लोगों को मामले से अवगत कराना आवश्यक है।

हमारे पास इस संबंध में रिपोर्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और शासन के लोगों की जिम्मेदारी

बैंक का निदेशक मंडल इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के संबंध में जिम्मेदार है जो भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन और नकदी प्रवाह के बारे में सही और निष्पक्ष दृश्य देते हैं, जिसमें आईसीएआई द्वारा जारी लेखा मानक, और बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 ('अधिनियम') की धारा 29 के प्रावधान, भारतीय रिजर्व बैंक ('आरबीआई') और राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबाई) द्वारा समय-समय पर जारी परिपत्र और दिशानिर्देश शामिल हैं। इस जिम्मेदारी में भी शामिल है- बैंक की संपत्ति की सुरक्षा के लिए और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड का रखरखाव; उपयुक्त लेखा नीतियों का चयन और अनुप्रयोग; ऐसे निर्णय और अनुमान लगाना जो उचित और विवेकपूर्ण हों; और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे हों, जो वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के अनुरूप हो और जो एक सही और निष्पक्ष दृश्य देते हैं, और भौतिक गलत विवरण से मुक्त हैं, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण।

वित्तीय विवरण तैयार करने में, बैंक की चिंता, प्रकटीकरण, जैसे लागू हो, चिंता से संबंधित मामले और लेखांकन के लिए चिंता के आधार का उपयोग करते हुए जारी रखने के लिए बैंक की क्षमता का आकलन करने के लिए प्रबंधन जिम्मेदार है, जब तक प्रबंधन या तो बैंक को बंद करने या परिचालन बंद करने का इरादा नहीं रखता है, या ऐसा करने के अलावा कोई वास्तविक विकल्प नहीं है।

निदेशक मंडल भी बैंक की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की निगरानी के लिए जिम्मेदार है।

वित्तीय विवरणों के लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक की जिम्मेदारियाँ

हमारा उद्देश्य उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या संपूर्ण रूप से वित्तीय विवरण भौतिक गलत विवरण से मुक्त हैं, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, और लेखापरीक्षक की रिपोर्ट जारी करना जिसमें हमारी राय शामिल हो। उचित आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि एसए के अनुसार आयोजित एक लेखापरीक्षा हमेशा मौजूदा गलत विवरण का पता लगाएगा। गलत विवरण धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और उन्हें महत्वपूर्ण माना जाता है यदि, व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से, इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित कर सकता है।

एसए के अनुसार लेखापरीक्षा के हिस्से के रूप में, हम पेशेवर निर्णय लेते हैं और पूरे लेखापरीक्षा में पेशेवर संदेह बनाए रखते हैं। हम भी:

- वित्तीय विवरणों के सामग्री के गलत विवरण के जोखिमों को पहचानते हैं और उनका आकलन करते हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, उन जोखिमों के लिए लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन और निष्पादित करते हैं, और लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करते हैं जो हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हो। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप होने वाले सामग्री के गलत विवरण का पता नहीं लगाने का जोखिम त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले जोखिम से अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलत बयानी, या आंतरिक नियंत्रण का ओवरराइड शामिल हो सकता है।
- लेखापरीक्षा से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की समझ प्राप्त करना ताकि ऐसी लेखापरीक्षा प्रक्रियाएँ तैयार की जा सकें जो परिस्थितियों में उपयुक्त हों लेकिन बैंक के आंतरिक नियंत्रण की प्रभावशीलता पर एक राय व्यक्त करने के उद्देश्य से नहीं।
- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित प्रकटीकरण की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करते हैं।
- लेखांकन के चल रहे चिंता के आधार पर प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्तता के आधार पर और प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य के आधार पर निष्कर्ष निकालना कि क्या ऐसी घटनाओं या स्थितियों से संबंधित कोई सामग्री अनिश्चितता मौजूद है जो बैंक की एक चालू संस्था के रूप में जारी रखने की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा कर सकती है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि सामग्री अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें अपने लेखापरीक्षा की रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटीकरण पर ध्यान आकर्षित करना होगा या, यदि ऐसे खुलासे अपर्याप्त हैं, तो अपनी राय को संशोधित करना होगा। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की तिथि तक प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। हालांकि, भविष्य की घटनाएं या स्थितियां बैंक को चालू संस्था के रूप में बंद कर सकता है।
- प्रकटीकरण सहित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करना, और क्या वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं का इस तरह से दर्शाते हैं जिससे निष्पक्ष प्रस्तुति प्राप्त होती है।

सार वित्तीय विवरणों में गलत विवरणों का परिमाण है, जो व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से, जो यह संभव बनाता है कि वित्तीय विवरणों के उचित जानकारी उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। (i) हमारे लेखापरीक्षा कार्य के दायरे की योजना बनाना और हमारे कार्य के परिणामों का मूल्यांकन करना; और (ii) वित्तीय विवरणों में किसी पहचाने गए गलत विवरण के प्रभाव का मूल्यांकन करने में हम मात्रात्मक भौतिकता और गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं।

हम अन्य मामलों के अलावा, लेखापरीक्षा के नियोजित दायरे और समय और महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्षों के साथ आंतरिक नियंत्रण में कोई भी महत्वपूर्ण कमियां सहित जिन्हें हम अपने लेखापरीक्षा के दौरान पहचानते हैं, उसे हम शासन प्रभारित लोगों को बताते हैं।



हम शासन प्रभारित लोगों को निवेदन भी प्रदान करते हैं जिसका हमने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के साथ पालन किया है, और उन सभी संबंधों और अन्य मामलों के साथ संवाद करने के लिए जिन्हें हमारी स्वतंत्रता पर सहन करने के लिए और संबंधित सुरक्षा उपाय के लिए उचित माना जा सकता है, जहां लागू हो।

शासन प्रभारित लोगों के साथ संप्रेषित मामलों से, हम उन मामलों का निर्धारण करते हैं जो वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे और इसलिए मुख्य लेखापरीक्षा मामले हैं। हम अपने लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन करते हैं जब तक कि कानून या विनियमन मामले के बारे में सार्वजनिक प्रकटीकरण को रोकता नहीं है या जब, अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हम यह निर्धारित करते हैं कि हमारी रिपोर्ट में किसी मामले को संप्रेषित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने के दुष्परिणामों से इस तरह के संचार से सार्वजनिक हित लाभ कम होने की उम्मीद है।

अन्य मामले

अ. हमने बैंक के वित्तीय विवरणों में शामिल 433 शाखाओं के वित्तीय विवरणों/सूचनाओं का लेखापरीक्षा नहीं किया, जिनके वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारी 31 मार्च, 2022 तक कुल 13319.07 करोड़ रुपये और उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए कुल ब्याज आय 1152.47 करोड़ रुपये दर्शाती है, जैसा कि वित्तीय विवरणों में दर्शाया गया है। इन शाखाओं के वित्तीय विवरणों/सूचनाओं का लेखापरीक्षा शाखा लेखापरीक्षक द्वारा किया गया है, जिनकी रिपोर्ट हमें प्रस्तुत की गई है और हमारी राय में, जहां तक यह उन शाखाओं के संबंध में शामिल राशि और प्रकटीकरण से संबंधित है, पूरी तरह से ऐसे शाखा लेखापरीक्षक की रिपोर्ट पर आधारित हैं इसके अलावा, हमने बैंक के वित्तीय विवरणों में शामिल 181 शाखाओं और 10 प्रशासनिक कार्यालयों के वित्तीय विवरणों/सूचनाओं का लेखापरीक्षा नहीं किया, जिनके वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारी 31 मार्च, 2022 तक कुल 4748.52 करोड़ रुपये के अग्रिम और उस तिथि को समाप्त वर्ष की 412.95 करोड़ रुपये की कुल ब्याज आय को दर्शाते हैं। इन शाखाओं के वित्तीय विवरणों/सूचनाओं को संबंधित शाखा प्रबंधकों द्वारा प्रमाणित किया गया है, और हमारी राय, जहां तक यह लेखापरीक्षा न की गई शाखाओं/ प्रशासनिक कार्यालयों के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटीकरणों से संबंधित है, पूरी तरह से ऐसी प्रमाणित जानकारी पर आधारित है।

आ. 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक के वित्तीय विवरणों का लेखापरीक्षा एक अन्य लेखापरीक्षक द्वारा किया गया था, जिसकी दिनांक 29 जून, 2021 की रिपोर्ट ने उन वित्तीय विवरणों पर एक अपरिवर्तित राय व्यक्त की।

उपरोक्त मामलों के संबंध में हमारी राय में कोई संशोधन नहीं किया गया है।

अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

तुलनपत्र और लाभ और हानि खाता बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 29 के प्रावधानों और नाबार्ड दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार किया गया है।

जैसा कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 30 की उप-धारा (3) और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 की धारा 19 की उप-धारा (4) द्वारा अपेक्षित है, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

अ. हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के लिए लेखापरीक्षा के प्रयोजनों के लिए आवश्यक थे और उन्हें संतोषजनक पाया है;

आ. बैंक के लेन-देन जो हमारे संज्ञान में आए हैं, जिनका महत्वपूर्ण प्रभाव है, आमतौर पर बैंक के अधिकार के भीतर होते हैं।

इ. बैंक के कार्यालयों और शाखाओं से प्राप्त रिटर्न्स हमारे लेखापरीक्षा के प्रयोजनों के लिए पर्याप्त पाई गई हैं।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:

अ. हमारी राय में, कानून द्वारा अपेक्षित उचित लेखा पुस्तकें बैंक द्वारा रखी गई हैं, जहां तक कि उन पुस्तकों की हमारी जाँच से प्रतीत होता है और हमारे लेखापरीक्षा के प्रयोजनों के लिए पर्याप्त उचित विवरण उन शाखाओं से प्राप्त हुए हैं जिसकी दौरा हमने नहीं ली है;

आ. तुलन पत्र, लाभ और हानि खाता और नकदी प्रवाह विवरण जो इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए हैं, वे लेखा पुस्तकों के साथ और उन शाखाओं से प्राप्त विवरण जिसकी दौरा हमने नहीं की, उससे सहमत है;

इ. बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 29 के तहत बैंक के शाखा लेखापरीक्षक द्वारा लेखापरीक्षा की गई शाखा कार्यालयों के खातों की रिपोर्ट हमें भेज दी गई है और इस रिपोर्ट को तैयार करने में हमारे द्वारा उचित रूप से निपटाया गया है; तथा

ई. हमारी राय में, तुलन पत्र, लाभ और हानि खाता और नकदी प्रवाह विवरण लागू लेखा मानकों का अनुपालन करते हैं, इस हद तक कि वे आरबीआई द्वारा निर्धारित लेखांकन नीतियों के साथ असंगत नहीं हैं।

जी. वेणुगोपाल कामत्त एंड कंपनी के लिए

चार्टर्ड अकाउंटेंट

(फर्म पंजीकरण संख्या 004674S)

सीए आर रामचंद्रन

(पार्टनर)

सदस्यता संख्या 23982

यूडीआईएन: 22023982AKMHNO5573

स्थान: तिरुवनंतपुरम

दिनांक: 06-06-2022

31-03-2022 तक तुलन पत्र

("000 मेंरु.)

पूंजी और देयताएं	अनुसूची	31-03-2022 तक	31-03-2021 तक
पूंजी	1	63,58,542	84,143
रिजर्व और अधिशेष	2	89,16,434	76,77,594
जमा	3	21,83,35,928	20,15,04,708
ऋण	4	3,88,02,360	4,75,58,727
अन्य देयता और प्रावधान	5	73,98,297	59,02,319
कुल	::	27,98,11,561	26,27,27,491
पूंजी और देयताएं	अनुसूची	31-03-2022 तक	31-03-2021 तक
भारतीय रिजर्व बैंक के पास नकद और शेष	6	96,55,718	94,29,567
बैंक के पास शेष और कॉल और शॉर्ट नोटिस पर पैसे	7	3,65,11,293	1,72,54,588
निवेश	8	4,17,71,498	4,62,22,985
अग्रिम	9	18,49,53,821	18,03,67,980
अचल संपत्ति	10	9,65,530	9,24,709
अन्य संपत्ति	11	59,53,701	85,27,662
कुल	::	27,98,11,561	26,27,27,491
आकस्मिक देयताएं	12	6,70,849	5,96,178
वसूली के लिए बिल	12	1,55,700	1,31,503
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	17		
खातों पर नोट्स	18		

ऊपर उल्लिखित अनुसूचियां तुलन पत्र का एक अभिन्न हिस्सा बनाती हैं

बेन्नी कुरियन
वरिष्ठ प्रबंधक

गोपकुमार के
मुख्य प्रबंधक

सिद्धार्थन सी
महाप्रबंधक

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

सी. जयप्रकाश
अध्यक्ष

ए. मुरली कृष्ण
निदेशक

एस. प्रेमकुमार
निदेशक

एस. शंकर
निदेशक

लालू पी एन कुट्टी
निदेशक

बैनी जॉर्ज
निदेशक

सम तिथि को संलग्न हमारी रिपोर्ट के अनुसार

जी. वेणुगोपाल कामत्त एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
(फर्म पंजीकरण संख्या 004674S)

सीए आर रामचंद्रन
(पार्टनर)

सदस्यता संख्या 23982

यूडीआईएन: 22023982AKMHNO5573

स्थान: तिरुवनंतपुरम

दिनांक: 06-06-2022

लाभ - हानि खाता

("000 मेंरु.)

ब्यौरा	अनुसूची	31-03-2022 को समाप्त वर्ष	31-03-2021 को समाप्त वर्ष
I. आय:-			
अर्जित ब्याज	13	2,06,29,131	1,96,81,479
अन्य आय	14	34,72,664	27,31,056
कुल	::	2,41,01,795	2,24,12,535
II. व्यय:-			
खर्च किया गया ब्याज	15	1,10,37,323	1,18,82,960
परिचालन खर्च	16	89,42,880	85,72,966
प्रावधान और आकस्मिकताएं	18.A.10.e	25,02,713	12,07,176
कुल	::	2,24,82,916	2,16,63,102
III. लाभ/हानि:-			
कर पूर्व वर्ष के लिए लाभ/(हानि)		16,18,879	7,49,433
कम: चालू वर्ष के लिए आयकर		(6,52,328)	(1,04,525)
जोड़ें: आस्थगित कर		2,74,031	68,868
कम: पिछले वर्षों के लिए आयकर		847	(3,79,523)
कर पश्चात वर्ष के लिए निवल लाभ/(हानि)		12,41,429	3,34,253
लाभ/(हानि) को अग्रेषित किया गया		(3,65,584)	(5,57,024)
कुल	::	8,75,845	(2,22,771)
IV. अनुदानों:-			
सांविधिक रिजर्व में अंतरण		3,10,357	83,563
पूंजी रिजर्व में अंतरण		64,936	49,013
आयकर अधिनियम की धारा 36(1) (viii) के तहत विशेष रिजर्व में अंतरण		65,264	10,237
लाभ/(हानि) के शेष को तुलन पत्र में अग्रेनीत		4,35,288	(3,65,584)
कुल	::	8,75,845	(2,22,771)
प्रति शेयर आय - मूल और डाइल्यूटेड	18.A.15	122.51	39.72
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	17		
खार्तों पर नोट्स	18		

ऊपर उल्लिखित अनुसूचियां लाभ और हानि खाते का एक अभिन्न हिस्सा बनाती हैं

बेन्नी कुरियन
वरिष्ठ प्रबंधक

गोपकुमार के
मुख्य प्रबंधक

सिद्धार्थ सी
महाप्रबंधक

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

सी. जयप्रकाश
अध्यक्ष

ए. मुरली कृष्ण
निदेशक

एस. प्रेमकुमार
निदेशक

एस. शंकर
निदेशक

लालू पी एन कुट्टी
निदेशक

बैनी जॉर्ज
निदेशक

स्थान: तिरुवनंतपुरम

दिनांक: 06-06-2022

सम तिथि को संलग्न हमारी रिपोर्ट के अनुसार

जी. वेणुगोपाल कामत्त एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
(फर्म पंजीकरण संख्या 004674S)

सीए आर रामचंद्रन
(पार्टनर)

सदस्यता संख्या 23982

यूडीआईएन: 22023982AKMHNO5573

31-03-2022 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र का भाग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 1 - पूंजी*		("000 मेंरु.)	("000 मेंरु.)
ब्यौरा		यथा 31-03-2022 पर	यथा 31-03-2021 पर
1	अधिकृत पूंजी (प्रत्येक ₹10 के दो सौ करोड़ शेयर)	2,00,00,000	2,00,00,000
2	जारी, सब्सक्राइब्ड और चुकता पूंजी (प्रत्येक ₹ 10 के 63,58,54,230 शेयर, पिछले वर्ष : ₹10 प्रत्येक के 84,14,300 शेयर)*	63,58,542	84,143
	कुल	63,58,542	84,143

*नोट संख्या 18.B.6 का संदर्भ लें

अनुसूची - 2 - आरक्षित निधियां और अधिशेष		("000 मेंरु.)	("000 मेंरु.)
1	सांविधिक रिज़र्व		
	प्रारंभिक शेष	20,18,650	19,35,087
	वर्ष के दौरान जोड़	3,10,357	83,563
	वर्ष के दौरान कटौती	-	-
	अंतिम शेष	23,29,007	20,18,650
2	रिज़र्वपूंजी		
a	रिज़र्वपूंजी		
	प्रारंभिक शेष	1,96,695	1,47,682
	वर्ष के दौरान जोड़	64,936	49,013
	वर्ष के दौरान कटौती	-	-
	अंतिम शेष	2,61,631	1,96,695
b	पुनर्मूल्यांकन रिज़र्व		
	प्रारंभिक शेष	1,13,098	1,16,066
	वर्ष के दौरान जोड़	230	-
	वर्ष के दौरान कटौती	2,819	2,968
	अंतिम शेष	1,10,509	1,13,098
3	राजस्व और अन्य रिज़र्व		
a	सामान्य रिज़र्व		
	प्रारंभिक शेष	45,57,074	45,57,074
	वर्ष के दौरान जोड़	-	-
	वर्ष के दौरान कटौती	-	-
	अंतिम शेष	45,57,074	45,57,074
b	आयकर अधिनियम की धारा 36(1)(viii) के तहत विशेष रिज़र्व		
	प्रारंभिक शेष	1,33,302	1,23,065
	वर्ष के दौरान जोड़	65,264	10,237
	वर्ष के दौरान कटौती	-	-
	अंतिम शेष	1,98,566	1,33,302
c	निवेश में अस्थिर रिज़र्व		
	प्रारंभिक शेष	10,24,359	10,24,359
	वर्ष के दौरान जोड़	-	-
	वर्ष के दौरान कटौती	-	-
	अंतिम शेष	10,24,359	10,24,359
4	लाभ और हानि खाते का शेष	4,35,288	-3,65,584
	कुल (1 से 7)	89,16,434	76,77,594

अनुसूची - 3 - जमा		("000 मेंरु.)	("000 मेंरु.)
ब्यौरा		यथा 31-03-2022 पर	यथा 31-03-2021 पर
A	I. मांग जमा		
	i. बैंक से	-	4,371
	ii. दूसरों से	27,79,300	22,16,634
	II. बचत बैंक जमा	9,01,57,954	8,03,17,243
	III. सावधि जमा		
	i. बैंक से	1,90,76,524	1,87,58,089
	ii. दूसरों से	10,63,22,150	10,02,08,371
	कुल	21,83,35,928	20,15,04,708
B	i. भारत में शाखाओं की जमा राशि	21,83,35,928	20,15,04,708
	ii. भारत के बाहर शाखाओं की जमा राशि	-	-
	कुल	21,83,35,928	20,15,04,708
अनुसूची - 4 - उधार		("000 मेंरु.)	("000 मेंरु.)
I	भारत में उधार		
	i. भारतीय रिजर्व बैंक	-	-
	ii. केनरा बैंक	-	-
	iii. नाबार्ड	3,68,08,153	4,41,94,087
	iv. अन्य बैंक	17,50,226	22,45,740
	v. अन्य संस्थान और एजेंसियां	2,43,981	11,18,900
II	भारत के बाहर उधार	-	-
	कुल:	3,88,02,360	4,75,58,727
	(उपरोक्त I और II में शामिल जमानती उधार)	5.00	-
अनुसूची - 5 - अन्य देयता और प्रावधान		("000 मेंरु.)	("000 मेंरु.)
1	देय बिल	80,483	59,032
2	अर्जित ब्याज	13,10,604	9,45,655
3	अन्य (प्रावधानों सहित)*	60,07,210	48,97,632
	कुल:	73,98,297	59,02,319
	*उपरोक्त 3 में मानक संपत्ति के लिए प्रावधान शामिल ।	21,12,686	13,16,020
अनुसूची - 6 - भारतीय रिजर्व बैंक के पास नकद और शेष		("000 मेंरु.)	("000 मेंरु.)
	हाथ में नकदी	14,05,430	12,94,101
	आरबीआई के पास शेष		
	i. चालू खाते में	82,50,288	81,35,466
	ii. अन्य खातों में	-	-
	कुल:	96,55,718	94,29,567



अनुसूची - 7 - बैंकों के साथ शेष और कॉल और शॉर्ट नोटिस पर पैसे		("000 मेंरु.)	("000 मेंरु.)
ब्यौरा		यथा 31-03-2022 पर	यथा 31-03-2021 पर
I	भारत में		
	i बैंकों के पास शेष	-	-
	क) चालू खातों में	3,57,652	2,50,947
	b) अन्य जमा खातों में	3,61,53,641	1,70,03,641
	ii. कॉल और शॉर्ट नोटिस पर पैसा	-	-
II	भारत के बाहर	-	-
	कुल :	3,65,11,293	1,72,54,588
अनुसूची - 8 - निवेश		("000 मेंरु.)	("000 मेंरु.)
I	भारत में निवेश		
	i सरकारी प्रतिभूतियां	4,07,51,646	4,40,92,229
	ii. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
	iii. डिबेंचर और बांड	5,31,978	6,83,410
	iv. शेयर	2,897	2,897
	v. अन्य (म्यूचुअल फंड यूनिट और सावधि धन जमा)	4,84,977	14,44,449
II	भारत के बाहर निवेश	-	-
	कुल :	4,17,71,498	4,62,22,985
	*नोट संख्या 18.A.3 का संदर्भ लें		
अनुसूची - 9 - अग्रिम (प्रावधानों का निवल)		("000 मेंरु.)	("000 मेंरु.)
A	i. खरीद और छूट वाले बिल	-	106
	ii. नकदी ऋण , ओवरड्राफ्ट और मांग पर चुकाने योग्य ऋण	12,29,59,715	11,79,67,948
	iii. सावधि ऋण	6,19,94,106	6,23,99,926
	कुल :	18,49,53,821	18,03,67,980
B	i. मूर्त आस्तियों द्वारा प्रतिभूत	16,80,27,583	16,38,28,763
	ii. बैंक/सरकारी गारंटी द्वारा रक्षित	-	-
	iii. प्रतिभूति रहित	1,69,26,238	1,65,39,217
	कुल :	18,49,53,821	18,03,67,980
C	I. भारत में अग्रिम		
	i .प्राथमिकता क्षेत्र	17,43,20,809	17,06,26,776
	ii. सार्वजनिक क्षेत्र	-	-
	iii. बैंक	-	-
	iv. अन्य	1,06,33,012	97,41,204
	कुल :	18,49,53,821	18,03,67,980
	II. भारत के बाहर अग्रिम	-	-
	कुल (इ. I और इ. II) :	18,49,53,821	18,03,67,980

अनुसूची - 10 - अचल आस्ति		("000 मेंरु.)	("000 मेंरु.)
ब्यौरा		यथा 31-03-2022 पर	यथा 31-03-2021 पर
I	परिसर (भूमि सहित)		
	पिछले वर्ष के 31 मार्च तक की लागत/मूल्यांकन पर	1,65,467	1,65,467
	वर्ष के दौरान जोड़	230	-
	वर्ष के दौरान किए गए पुनर्मूल्यांकन	-	-
	वर्ष के दौरान कटौती	-	-
	आज तक का मूल्यहास	17,858	13,730
	निवल शेष - (I)	1,47,839	1,51,737
II	अन्य अचल आस्तियां (फर्नीचर और फिक्स्चर सहित)		
	पिछले वर्ष के 31 मार्च तक की लागत पर	16,98,561	15,48,429
	वर्ष के दौरान जोड़	2,06,298	1,53,797
	वर्ष के दौरान कटौती	6,939	3,665
	आज तक का मूल्यहास	10,80,229	9,25,589
	निवल शेष - (II)	8,17,691	7,72,972
	कुल(I+II)	9,65,530	9,24,709
अनुसूची - 10 - अचल आस्ति		("000 मेंरु.)	("000 मेंरु.)
I	अंतर-कार्यालय समायोजन (निवल)	70	4,189
II	अर्जित ब्याज	12,19,004	12,78,636
III	अग्रिम में भुगतान किया गया कर/स्रोत पर कर कटौती	9,20,179	3,01,710
IV	स्टेशनरी और स्टैम्प्स	24,765	26,429
V	दावों की चुकाए जाने में अर्जित की गई गैर-बैंकिंग आस्ति	-	-
VI	आस्थगित कर आस्ति (निवल)*	4,62,517	1,88,487
VII	अन्य	33,27,166	67,28,211
	कुल:	59,53,701	85,27,662
	* नोट संख्या 18.A.16 का संदर्भ लें		
अनुसूची - 12 - आकस्मिक देयताएं *		₹ in "000	₹ in "000
I	बैंक के खिलाफ दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है	9,802	8,853
II	ग्राहकों की ओर से दी गई गारंटी		
	(अ.) भारत में	74,549	68,718
	(आ) भारत के बाहर	-	-
III	अन्य मदें जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से उत्तरदायी है	1,23,874	1,54,834
III	अदावी जमाराशियां	4,62,624	3,63,773
	कुल:	6,70,849	5,96,178
	वसूली के लिए बिल	1,55,700	1,31,503
	*नोट संख्या. 18.A.7 और 18.B.9 का संदर्भ लें		

अनुसूची - 13 - अर्जित ब्याज		("000 मेंरु.)	("000 मेंरु.)
ब्यौरा		31-03-2022 को समाप्त वर्ष	31-03-2021 को समाप्त वर्ष
I	अग्रिम/बिलों पर ब्याज/छूट	1,66,67,736	1,58,43,811
II	निवेश पर आय	29,61,928	29,30,234
III	भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य अंतर बैंक निधियों के साथ शेष पर ब्याज	9,99,467	9,07,434
IV	अन्य	-	-
	कुल:	2,06,29,131	1,96,81,479
अनुसूची - 14 - अन्य आय		("000 मेंरु.)	("000 मेंरु.)
I	कमीशन, एक्सचेंज और ब्रोकरेज	19,36,715	18,33,521
II	भूमि भवनों और अन्य संपत्तियों की बिक्री पर लाभ	433	46
	कम: भूमि भवन और अन्य संपत्तियों की बिक्री पर हानि	(4,398)	(724)
III	निवेश की बिक्री पर लाभ	3,60,558	3,34,676
	कम: निवेश की बिक्री पर हानि	(20,309)	(1,800)
IV	विविध आय*	11,99,665	5,65,337
	कुल:	34,72,664	27,31,056
	नोट संख्या 18.A.10.d देखें		
अनुसूची - 15 - व्यय किया गया ब्याज		("000 मेंरु.)	("000 मेंरु.)
I	जमा पर ब्याज	92,32,732	1,00,28,406
II	भारतीय रिजर्व बैंक/अंतर बैंक उधारों पर ब्याज	1,41,431	1,72,282
III	अन्य	16,63,160	16,82,272
	कुल :	1,10,37,323	1,18,82,960
अनुसूची - 16 - परिचालन व्यय		("000 मेंरु.)	("000 मेंरु.)
I	कर्मचारियों को भुगतान और प्रावधान*	70,13,973	68,27,253
II	किराया, कर और लाइटिंग	2,59,553	2,51,517
III	मुद्रण एवं लेखन सामग्री	21,041	26,765
IV	विज्ञापन और प्रचार	6,214	5,269
V	बैंक की संपत्ति पर मूल्यहास	1,55,927	1,45,994
VI	निदेशकों की शुल्क, भत्ते और व्यय	-	-
VII	लेखापरीक्षकों की शुल्क और खर्च# (शाखा लेखापरीक्षक सहित)	6,725	6,885
VIII	कानून शुल्क	94,926	71,557
IX	डाक, टेलीग्राम, टेलीफोन आदि।	17,816	14,759
X	मरम्मत और रखरखाव	11,036	8,185
XI	बीमा	2,40,505	2,12,920
XII	अन्य व्यय	11,15,164	10,01,862
	कुल:	89,42,880	85,72,966

*नोट संख्या 18.A.12 का संदर्भ लें

#नोट संख्या 18.B.8 का संदर्भ लें

अनुसूची - 17

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

1. पृष्ठभूमि जानकारी:

केरल ग्रामीण बैंक (केजीबी) एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) है जिसका गठन 08.07.2013 को आरआरबी अधिनियम 1976 (1976 का 27) की धारा 3 की उप-धारा (1) के तहत दक्षिण मलबार ग्रामीण बैंक और उत्तर मलबार ग्रामीण बैंक को सम्मिलन करके किया गया था। बैंक केनरा बैंक (प्रायोजक बैंक) द्वारा प्रायोजित एक सरकारी स्वामित्व वाला अनुसूचित बैंक है, केजीबी की भारत में 634 शाखाओं / कार्यालयों का नेटवर्क है और यह कृषि, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों, शिक्षा, आवास, माइक्रो-क्रेडिट, कमजोर वर्ग, अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति समुदाय आदि जैसे क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

2. तैयारी का आधार

बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की तीसरी अनुसूची (फॉर्म ए और फॉर्म बी) के तहत निर्धारित आवश्यकताओं के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार किए गए हैं। इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने में प्रयोग की गई बैंक की लेखांकन और रिपोर्टिंग नीतियां भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों ("भारतीय जीएपी") के पहलू, भारतीय रिजर्व बैंक ('आरबीआई') और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबाई) द्वारा समय-समय पर जारी परिपत्र और दिशानिर्देश और भारत में बैंकिंग उद्योग में प्रचलित वर्तमान प्रथाओं के सभी भौतिक पहलूओं के अनुरूप हैं। वित्तीय विवरण तैयार करने में बैंक ऐतिहासिक लागत परंपरा और लेखांकन की प्रोद्गव पद्धति का पालन करता है, सिवाय जहां अन्यथा कहा गया हो। वित्तीय विवरण तैयार करने में अपनाई गई लेखांकन नीतियां पिछले वर्ष में अपनाई गई नीतियों के अनुरूप हैं।

3. अनुमानों का उपयोग

आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए प्रबंधन को अनुमान और कल्पना करने की आवश्यकता होती है जो वित्तीय विवरणों की तिथि पर संपत्तियों और देयताओं, राजस्व और खर्चों की रिपोर्ट की गई मात्रा और आकस्मिक देयताओं के प्रकटीकरण को प्रभावित करते हैं। वास्तविक परिणाम अनुमानित से भिन्न हो सकते हैं। प्रबंधन का मानना है कि वित्तीय विवरण तैयार करने में उपयोग किए गए अनुमान विवेकपूर्ण और उचित हैं। लेखांकन अनुमानों में किसी भी संशोधन को वर्तमान और भविष्य की अवधियों में संभावित रूप से मान्यता दी जाती है।

4. निवेश:

अ. निवेश को पांच प्रमुख शीर्ष के तहत तुलन पत्र में समूहीकृत और दिखाया गया है:

- 1) सरकारी प्रतिभूतियां
- 2) अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियां
- 3) डिबेंचर और बांड
- 4) शेयर
- 5) अन्य (म्यूचुअल फंड यूनिट आदि)

आ. भारतीय रिजर्व बैंक, नाबाई और प्रायोजक बैंक (केनरा बैंक) के दिशा-निर्देशों के अनुसार सांविधिक दायित्वों को ध्यान में रखते हुए निवेश किया गया है।

इ. निवेश समिति में निम्न शामिल हैं:

- i. अध्यक्ष
- ii. सभी महाप्रबंधक
- iii. मुख्य प्रबंधक (वि.प्र विभाग)

- iv. मुख्य प्रबंधक (साख विभाग)
- v. मुख्य प्रबंधक (जोखिम प्रबंधन और अनुपालन विभाग)
- vi. वरिष्ठ प्रबंधक (वि.प्र विंग)
- vii. वरिष्ठ प्रबंधक/प्रबंधक (कोष और निधि प्रबंधन कक्ष)

निदेशक मंडल की अंतिम सहमति के अधीन, बैंक के समग्र निवेश संविभाग के लिए जिम्मेदार है।

ई. अधिग्रहण लागत

निवेश की लागत खरीद मूल्य के आधार पर निर्धारित की जाती है। ऋण लिखतों और सरकारी प्रतिभूतियों पर खंडित अवधि के ब्याज को राजस्व मद के रूप में माना जाता है। निवेश के अधिग्रहण के समय भुगतान की गई दलाली, कमीशन आदि सहित लेनदेन लागत लाभ और हानि खाते से ली जाती है।

उ. निवेश का मूल्यांकन

बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र सं.बीसी.सं. 74 / 03 05.33/2013-14 दिनांक 07/01/2014 के अनुसार एसएलआर प्रतिभूतियों के मूल्यांकन के लिए बाजार मूल्य को बही में अंकित करना (एमटीएम) मानदंड लागू किए हैं। निवेश संविभाग को उपरोक्त दिशानिर्देशों के अनुसार तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है जैसे कि परिपक्वता तक धारित (एचटीएम), बिक्री के लिए उपलब्ध (एफएस) और ट्रेडिंग के लिए धारित (एचएफटी)।

अ. परिपक्वता तक धारित (एचटीएम)

इन्हें उनकी अधिग्रहण लागत पर ले जाया जाता है जब तक कि यह अंकित मूल्य से अधिक न हो, जिसमें अधिग्रहण पर केस प्रीमियम को सीधी रेखा के आधार पर प्रतिभूति की शेष परिपक्वता पर ऋणमुक्त किया जाता है। ऐसी प्रतिभूतियों के मूल्य में, अस्थायी के अलावा किसी भी हास के लिए प्रावधान किया गया है।

आ. बिक्री के लिए उपलब्ध (एफएस) और ट्रेडिंग के लिए धारित (एचएफटी)

एफएस और एचएफटी श्रेणियों के तहत वर्गीकृत निवेश मूल्य को बही में अंकित करना है। 'एफएस' और 'एचएफटी' श्रेणियों में शामिल उद्धृत निवेशों का बाजार/उचित मूल्य को स्टॉक एक्सचेंजों पर ट्रेडों/उद्धरणों, एसजीएल खाता लेनदेनों, आरबीआई की मूल्य सूची या वित्तीय बेंचमार्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा समय-समय पर घोषित मूल्य से उपलब्ध स्क्रिप के बाजार मूल्य के संबंध में मापा जाता है। निवेश वर्गीकरण की प्रत्येक श्रेणी के भीतर निवल मूल्यहास, यदि कोई हो, को लाभ और हानि खाते में स्वीकृत किया जाता है। निवेश की प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत निवल मूल्यवृद्धि, यदि कोई हो, पर ध्यान नहीं दिया जाता है। उन मामलों को छोड़कर जहां अस्थायी के अलावा अन्य हास का प्रावधान किया गया है, निवेश के आवधिक मूल्यांकन के परिणामस्वरूप व्यक्तिगत प्रतिभूतियों का बही मूल्य नहीं बदला जाता है।

इ. राजकोष बिल, वाणिज्यिक पत्र और जमा प्रमाणपत्र भुनाए गए लिखत हैं, जिनका मूल्य रखाव लागत पर किया जाता है।

ई. म्युचुअल फंड की इकाइयों का मूल्यांकन म्युचुअल फंड द्वारा घोषित नवीनतम पुनर्खरीद मूल्य/निवल संपत्ति मूल्य पर किया जाता है।

उ. निवेश का बाजार मूल्य जहां वर्तमान दर उपलब्ध नहीं है, का निर्धारण आरबीआई द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार निम्नानुसार किया जाता है:

- गैर-उद्धृत बांड, डिबेंचर और वरीयता शेयरों के मामले में जहां ब्याज/लाभांश नियमित रूप से प्राप्त होता है (अर्थात 90 दिनों से अधिक अतिदेय नहीं), बाजार मूल्य सरकारी प्रतिभूतियों के लिए परिपक्वता आय (वाईटीएम) के आधार पर निकाला जाता है जैसा कि फाइनेंशियल बेंचमार्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एफबीआईएल) द्वारा प्रकाशित किया गया है और लिखत की साख श्रेणी निर्धारण लागत पर लागू ऋण जोखिम के लिए उपयुक्त रूप से चिह्नित है। प्रत्येक श्रेणी के लिए ऋण जोखिम मार्क-अप के लिए मैट्रिक्स और एफबीआईएल द्वारा जारी अवशिष्ट मैच्योरिटी के साथ साख श्रेणी निर्धारण इस उद्देश्य के लिए अपनाई जाती है;

- बांड और डिबेंचर के मामले में जहां ब्याज नियमित रूप से प्राप्त नहीं होता है (अर्थात 90 दिनों से अधिक अतिदेय), मूल्यांकन आरबीआई द्वारा निर्धारित प्रावधान के लिए विवेकपूर्ण मानदंडों के अनुसार है;
- इक्विटी शेयर, जिसके लिए वर्तमान भाव उपलब्ध नहीं हैं या जहां शेयर स्टॉक एक्सचेंजों पर उद्धृत नहीं हैं, उनका मूल्यांकन ब्रेक-अप वेल्यू पर किया जाता है (पुनर्मूल्यांकन रिजर्व पर विचार किए बिना, यदि कोई हो) जो कंपनी की नवीनतम तुलन पत्र से पता लगाया जाता है। यदि नवीनतम तुलन पत्र उपलब्ध नहीं है, तो शेयरों का मूल्य प्रति कंपनी ₹1/- है;
- अनर्जक निवेशों की पहचान की जाती है और उनका मूल्यांकन आरबीआई के दिशानिर्देशों के आधार पर किया जाता है।

ऊ. प्रतिभूतियों में खरीद और बिक्री लेनदेन को रिकॉर्ड करने के लिए बैंक 'निपटान तिथि' लेखांकन का पालन करता है।

ऋ. एक श्रेणी से दूसरी श्रेणी में स्क्रिप्स का ट्रांसफर निम्नलिखित आधार पर किया जाता है:

- अधिग्रहण मूल्य/बही मूल्य पर एचटीएम से एएफएस/एचएफटी श्रेणी। यदि एचटीएम श्रेणी के तहत निवेश मूल रूप से प्रीमियम पर रखा गया है तो अंतरण ऋण-मुक्ति लागत पर किया जाता है। अंतरण के बाद, इन प्रतिभूतियों का तुरंत पुनर्मूल्यांकन किया जाता है और परिणामी मूल्यहास, यदि कोई हो, प्रदान किया जाएगा।
- बही मूल्य या बाजार मूल्य से कम पर, एएफएस / एचएफटी से एचटीएम श्रेणी में।
- रखाव मूल्य पर, एएफएस से एचएफटी श्रेणी या इसके विपरीत। संचित मूल्यहास, यदि कोई हो, को एचएफटी प्रतिभूतियों और इसके विपरीत मूल्यहास के प्रावधान में अंतरण किया जाना है।

ल. निवेश का निपटान

- एचएफटी और एएफएस के रूप में वर्गीकृत निवेश - बिक्री / प्रतिदान पर लाभ या हानि, लाभ और हानि खाते में शामिल है।
- एचटीएम के रूप में वर्गीकृत निवेश - निवेश की बिक्री/प्रतिदान पर लाभ को लाभ और हानि खाते में शामिल किया जाता है और कर के समायोजन और सांविधिक रिजर्व में अंतरण के बाद पूंजी रिजर्व में विनियोजित किया जाता है। बिक्री/प्रतिदान पर हानि, लाभ और हानि खाते से वसूल की जाती है

5. अचल आस्ति (संपत्ति संयंत्र और उपकरण और अमूर्त) और मूल्यहास / ऋणमुक्ति:

अ) परिसर

स्वामित्व वालीभूमि और भवन मूल रूप से लागत पर पूंजीकृत होते हैं। 31-03-2018 को समाप्त वर्ष से शुरू होने वाले निदेशक मंडल की विशिष्ट अनुमति प्राप्त करने के बाद वर्तमान बाजार मूल्यांकन को दर्शाने के लिए इन आस्तियों का पुनर्मूल्यांकन हर 5 वर्ष में किया जाएगा। पुनर्मूल्यांकन पर मूल्यवृद्धि, पुनर्मूल्यांकन रिजर्व में जमा की जाएगी। भवन पर मूल्यहास डब्ल्यूडीवी पद्धति के तहत आनुपातिक आधार पर लागू किया जाएगा। संपत्ति की मूल लागत पर मूल्यहास को लाभ और हानि खाते में डेबिट किया जाएगा और पुनर्मूल्यांकन की गई संपत्ति के संबंध में, पुनर्मूल्यांकन राशि को पुनर्मूल्यांकन रिजर्व में डेबिट किया जाएगा। पुनर्मूल्यांकन रिजर्व की पूरी राशि को संपत्ति के आर्थिक उपयोगी जीवन पर मूल्यहास के लिए समायोजित किया जाएगा। इन संपत्तियों की बिक्री पर, पुनर्मूल्यांकन रिजर्व के तहत पूरी राशि को पहले समायोजित किया जाएगा। परिणामी लाभ / हानि को लाभ और हानि खाते में ट्रांसफर कर दिया जाएगा।

आ) अन्य अचल आस्तियां और अमूर्त आस्तियां

संपत्ति संयंत्र और उपकरण और अमूर्त (कार्यालय परिसर के अलावा, जिनका पुनर्मूल्यांकन किया जाता है) को ऐतिहासिक लागत कम संचित मूल्यहास / ऋणमुक्ति और क्षति हानि, यदि कोई हो, पर बताया गया है। लागत में खरीद मूल्य और संपत्ति को उसके इच्छित उपयोग के लिए कार्यकारी स्थिति में लाने की कोई भी जिम्मेदार लागत शामिल है। उपयोग में लाई गई संपत्ति पर किए गए बाद के व्यय का पूंजीकरण केवल तभी किया जाता है जब यह ऐसी संपत्तियों से/भविष्य के लाभ/कार्य क्षमता को बढ़ाता है। एक संपत्ति संयंत्र और उपकरण/अमूर्त संपत्ति की सेवानिवृत्ति या निपटान से होने वाले लाभ या हानि को शुद्ध निपटान आय और संपत्तियों की अग्रणीत राशि के बीच अंतर के रूप में निर्धारित किया जाता है और लाभ और हानि खाते में आय या व्यय के रूप में पहचाना जाता है।

इ) मूल्यहास / ऋणमुक्ति

प्रबंधन द्वारा निर्धारित निम्नलिखित दरों में डब्ल्यूडीवी पद्धति पर आनुपातिक आधार पर मूल्यहास प्रदान किया जाता है।

क्रमांक.	अचल संपत्तियों का प्रकार	दर
1	सॉफ्टवेयर	30
2	इलेक्ट्रॉनिक आइटम, कंप्यूटर, एटीएम, यूपीएस और अन्य हार्डवेयर आइटम	20
3	संयंत्र और मशीनरी, वाहन	15
4	फर्नीचर, इलेक्ट्रिकल सामान, कांच, अन्य	10
5	भवन	5

ई) आस्ति की क्षति

प्रत्येक तुलन पत्र की तारीख पर एक आकलन किया जाता है कि क्या कोई संकेत है कि एक आस्ति क्षतिग्रस्त है। यदि ऐसा कोई संकेत मौजूद है, तो वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाया जाता है और क्षति हानि, यदि कोई हो, का प्रावधान किया जाता है।

उ) सरकारी अनुदान

विशिष्ट अचल आस्तियों पर प्राप्त सरकारी अनुदान को अचल आस्तियों के सकल मूल्य से घटाया गया है।

6. नकदी प्रवाह विवरण

परिचालन गतिविधियों से नकदी प्रवाह की गणना अप्रत्यक्ष पद्धति का उपयोग करके की जाती है।

7. अग्रिम:

मूल्यांकन / मापन:

अ) आरआरबी के लिए लागू आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार अग्रिमों को निष्पादित संपत्ति (मानक) और अनर्जक आस्ति ('एनपीए') में वर्गीकृत किया गया है और एनपीए के लिए किए गए विशिष्ट प्रावधानों और एनपीए पर प्राप्त ब्याज के निवल बताए गए हैं। अनर्जक अग्रिमों पर ब्याज को लाभ और हानि खाते में मान्यता नहीं दी जाती है और प्राप्ति तक ब्याज उचित खाते में ट्रांसफर किया जाता है। इसके अलावा, एनपीए को आरबीआई द्वारा निर्धारित मानदंडों के आधार पर उप-मानक, संदिग्ध और हानि आस्ति में वर्गीकृत किया गया है। एनपीए के लिए प्रावधान नीचे निर्धारित दरों पर विवेकपूर्ण मानदंडों से संबंधित मामलों पर आरबीआई के दिशानिर्देशों और परिपत्रों के अनुसार बनाये जाते हैं:

अनर्जक आस्ति का प्रकार	जमानती दर	बेजमानती दर
उप मानक आस्ति	10%	10%
संदिग्ध आस्ति -I	20%	100%
संदिग्ध संपत्ति-II	30%	100%
संदिग्ध आस्ति -III	100%	100%
हानि आस्ति	100%	100%

प्रबंधन के आकलन के अनुसार अतिरिक्त प्रावधान किए गए हैं।

आ) अनर्जक अग्रिम बैंक की नीतियों के अनुसार बड़े खाते में डाले गए हैं। बड़े खाते में डाले गए ऋणों के विरुद्ध वसूल की गई राशियों को लाभ और हानि खाते में मान्यता दी जाती है और "अन्य आय" के अंतर्गत शामिल किया जाता है।

इ) पुनर्चित/ पुनर्निर्धारित आस्तियों के लिए, आरबीआई द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रावधान किया गया है। पुनर्चना के अधीन ऋण और अग्रिम खातों के संबंध में, खाते को निर्दिष्ट अवधि के बाद ही अवधि के दौरान खाते के संतोषजनक प्रदर्शन के अधीन मानक में अद्यतन किया जाता है।

ई) बैंक समय-समय पर आरबीआई द्वारा निर्धारित स्तरों पर मानक आस्तियों के लिए सामान्य प्रावधान रखता है।

उ) बैंक अंतर-बैंक भागीदारी के माध्यम से जोखिम के साथ और बिना अग्रिम अंतरण करता है। आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार, जोखिम के साथ भागीदारी के मामले में, बैंक द्वारा जारी की गई भागीदारी की कुल राशि अग्रिमों से कम कर दी जाती है और जहां बैंक भाग ले रहा है, भागीदारी की कुल राशि को अग्रिम के तहत वर्गीकृत किया जाता है। जोखिम के बिना भागीदारी के मामले में, बैंक द्वारा जारी की गई भागीदारी की कुल राशि को उधार के तहत वर्गीकृत किया जाता है और जहां बैंक भाग ले रहा है, भागीदारी की कुल राशि को अग्रिम के तहत बैंकों से देय के रूप में दिखाया गया है।

8. राजस्व मान्यता:

अ. ऋण से ब्याज/छूट/अन्य शुल्क आय, अग्रिमों और निवेशों और बैंकों और अन्य संस्थानों के पास रखी जमाराशियों को उपचय आधार पर मान्यता दी जाती है, अनर्जक अग्रिमों/निवेशों, अतिरिक्त वित्तीय के रूप में वर्गीकृत अग्रिमों/निवेशों से संबंधित आय को छोड़कर अनुमोदित पुनर्गठन पैकेज के तहत मानक आस्ति के रूप में माना जाता है, जहां आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार आय को केवल वसूली पर ही मान्यता दी जाती है।

आ. एनपीए खातों से की गई वसूली को पहले उधारकर्ता के खातों से डेबिट की गई अप्राप्त ब्याज/आय की ओर विनियोजित किया जाता है, फिर किया गया व्यय/फुटकर खर्च और अंत में मूल देय राशि के लिए विनियोजित किया जाता है।

इ. रियायती लिखतों पर आय को लिखत की अवधि के दौरान सीधी रेखा के आधार पर मान्यता दी जाती है।

ई. बीमा दावों का रसीद के आधार पर लेखाबद्ध किया जाता है।

उ. बैंक गारंटी/साख पत्र जारी करने पर कमीशन आय को गारंटी/साख पत्र की अवधि के दौरान मान्यता दी जाती है।

ऊ. ऋण/सुविधा की स्वीकृति या नवीनीकरण के समय एकत्रित प्रसंस्करण शुल्क/अग्रिम शुल्क, लदाई उतराई प्रभार या समान प्रकृति की आय को ऋण के आरम्भ/नवीकरण पर मान्यता दी जाती है।

ऋ. अन्य शुल्क और कमीशन आय (तृतीय पक्ष उत्पादों पर कमीशन आय सहित) को देय होने पर मान्यता दी जाती है, सिवाय उन मामलों में जहां बैंक अंतिम वसूली के बारे में अनिश्चित है।

लृ. सावधि ऋणों पर अदत्त निधि ब्याज को आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार वसूली पर मान्यता दी जाती है।

एँ. प्राथमिकता क्षेत्र उधार प्रमाणपत्र की बिक्री पर प्राप्त शुल्क को विविध आय के रूप में माना जाता है, जबकि खरीद के लिए भुगतान किए गए शुल्क को आरबीआई द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार अन्य खर्चों के रूप में खर्च किया जाता है।

ऐ. आयकर धनवापसी पर ब्याज को मूल्यांकन आदेश पारित करने के वर्ष में "अन्य आय" के तहत मान्यता प्राप्त है।

9. कर्मचारी लाभ:

अ. परिभाषित योगदान योजनाएं:

i) कर्मचारी भविष्य निधि योजना में योगदान को एक व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है और लाभ और हानि खाते में चार्ज किया जाता है।

ii) 1 अप्रैल 2010 से बैंक की सेवाओं में पद ग्रहण करने वाले कर्मचारी परिभाषित अंशदायी पेंशन योजना (डीसीपीएस) के अंतर्गत आते हैं। ऐसे कर्मचारियों के संबंध में बैंक मूल वेतन और महंगाई भत्ते के निर्दिष्ट प्रतिशत का अंशदान करता है, और उसके व्यय को लाभ और हानि खाते में प्रभारित किया जाता है और इस खाते में निधि में अंशदान के अतिरिक्त बैंक की कोई देयता

नहीं होती है।

(आ) परिभाषित लाभ योजनाएं:

उपदान

बैंक ने भारतीय जीवन बीमा निगम के साथ उपदान भुगतान की व्यवस्था की है। भुगतान किया गया प्रीमियम लाभ और हानि खाते में प्रभारित किया जाता है। वर्ष के अंत में, देयता बीमांकिक आधार पर निर्धारित किया जाता है और निवल आधार पर निवल देयता, यदि कोई हो, को पहचानने के लिए योजनागत आस्तियों के उचित मूल्य को सकल देयता से घटा दिया जाता है।

पेंशन

कर्मचारी पेंशन निधि योजना को बैंक द्वारा वित्तीय पोषित किया जाता है और एक अलग न्यास द्वारा प्रबंधित किया जाता है। बैंक ने वित्तीय वर्ष 2018-19 में बैंक में पेंशन योजना लागू की है और प्रारंभिक योगदान बीमांकिक आधार पर निर्धारित किया गया है और आरबीआई के निर्देशों के अनुसार 5 वर्षों की अवधि में इसे ऋणमुक्त किया गया है।

पात्र सेवारत कर्मचारियों के लिए पेंशन निधि में नियमित मासिक अंशदान को लाभ-हानि खाते में प्रभारित किया जाता है। निधि में अतिरिक्त वार्षिक योगदान वर्ष के अंत में बीमांकिक आधार पर निर्धारित किया जाता है और योजनागत आस्तियों के उचित मूल्य को निवल आधार पर देयता को पहचानने के लिए सकल देयता से घटा दिया जाता है।

(इ) अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ:

विशेषाधिकार छुट्टी का नकदीकरण:

बैंक ने भारतीय जीवन बीमा निगम और केनरा एचएसबीसी ओबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के साथ विशेषाधिकार छुट्टी नकदीकरण के भुगतान की व्यवस्था की है। भुगतान किया गया प्रीमियम लाभ और हानि खाते में प्रभारित किया जाता है। वर्ष के अंत में, देयता बीमांकिक आधार पर निर्धारित किया जाता है और निवल आधार पर निवल देयता, यदि कोई हो, को पहचानने के लिए योजनागत आस्तियों के उचित मूल्य को सकल देयता से घटा दिया जाता है।

10. आय पर कर:

अ. आयकर व्यय वर्तमान कर और आस्थगित कर शुल्क की कुल राशि है।

आ. वर्तमान कर, लागू कर दरों और आयकर अधिनियम, 1961 और अन्य लागू कर कानूनों के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित अनुसार वर्ष के लिए कर योग्य आय पर देय कर की राशि है।

इ. आस्थगित कर को समय के अंतर पर मान्यता दी जाती है, कर योग्य आय और एक अवधि में उत्पन्न होने वाली लेखांकन आय के बीच अंतर होने के कारण और एक या अधिक बाद की अवधि में परिवर्तन करने में सक्षम हैं। आस्थगित कर को कर दरों और रिपोर्टिंग तिथि के अनुसार अधिनियमित या वास्तविक रूप से अधिनियमित कर कानूनों का उपयोग करके मापा जाता है। आस्थगित कर देयताओं को सभी समय के अंतरों के लिए मान्यता प्राप्त है। आस्थगित कर आस्तियों को अनवशेषित मूल्यहास के अलावा अन्य मदों के समय के अंतर के लिए पहचाना जाता है और नुकसान को केवल उस सीमा तक आगे बढ़ाया जाता है, जहां उचित निश्चितता मौजूद हो कि भविष्य में पर्याप्त कर योग्य आय उपलब्ध होगी जिसके खिलाफ इन्हें प्राप्त किया जा सकता है। हालांकि, यदि अनवशेषित मूल्यहास है और पूंजीगत हानियों से संबंधित हानियों और मदों को आगे बढ़ाया जाता है, तो आस्थगित कर संपत्ति को तभी मान्यता दी जाती है, जब इस बात के पुख्ता सबूत के द्वारा समर्थित आभासी निश्चितता हो कि संपत्ति की वसूली के लिए भविष्य में पर्याप्त कर योग्य आय उपलब्ध होगी। आस्थगित कर संपत्ति और देयताएं पूरी हो जाती हैं यदि ऐसी मदन समान शासी कर कानूनों द्वारा लगाए गए आय पर करों से संबंधित हैं और बैंक के पास इस तरह के सेट ऑफ के लिए कानूनी रूप से लागू करने योग्य अधिकार हैं। आस्थगित कर संपत्तियों की समीक्षा प्रत्येक तुलन पत्र तिथि पर उनकी वसूली के लिए की जाती है।

ई. मांग के मामलों में, कर का प्रावधान न्यायिक घोषणाओं और कानूनी राय पर विचार करने के बाद किया जाता है। प्रदान न किए गए विवादित कर के लिए आकस्मिक देयताओं के तहत प्रकटीकरण किया गया है।

11. प्रति शेयर अर्जन:

बैंक एएस 20 के अनुसार प्रति शेयर मूल और डाइल्यूटेड अर्जन की रिपोर्ट करता है। प्रति शेयर मूल अर्जन की गणना कर के बाद निवल लाभ को वर्ष के लिए बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है।

12. प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक आस्तियां:

अ) भारतीय सनदी लेखा संस्थान द्वारा जारी किए गए, एएस 29 के अनुरूप, "प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक आस्तियां", बैंक केवल प्रावधान को मान्यता देता है जब:

- पिछली घटना के परिणामस्वरूप इसका वर्तमान देयता है।
- यह संभव है कि देयताओं को निपटाने के लिए आर्थिक लाभ वाले संसाधनों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी, और
- जब देयता की राशि का विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता है।

आ) कोई प्रावधान स्वीकृत नहीं है

- किसी भी संभावित देयता के लिए जो पिछली घटनाओं से उत्पन्न होता है और जिसके अस्तित्व की पुष्टि केवल एक या अधिक अनिश्चित भविष्य की घटनाओं के घटित होने या न होने से होगी जो पूरी तरह से बैंक के नियंत्रण में नहीं है।
- जहां यह संभावना नहीं है कि आर्थिक लाभ वाले संसाधनों का बहिर्वाह देयता को निपटाने के लिए आवश्यक होगा या
- जब देयता की राशि का विश्वसनीय अनुमान नहीं लगाया जा सकता है

ऐसे देयताओं को आकस्मिक देयताओं के रूप में दर्ज किया जाता है। इनका नियमित अंतराल पर मूल्यांकन किया जाता है और देयता के केवल उस हिस्से के लिए प्रदान किया जाता है जिसके लिए आर्थिक लाभ वाले संसाधनों का बहिर्वाह संभावित है, केवल अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों को छोड़कर जहां कोई विश्वसनीय अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।

इ) वित्तीय विवरणों में आकस्मिक संपत्ति को स्वीकृत नहीं किया गया है।

13. निवल लाभ:

लाभ और हानि खाते में शुद्ध लाभ निम्नलिखित के बाद है:

- अ. निवेश पर मूल्यह्रास के लिए प्रावधान
- आ. कराधान के लिए प्रावधान
- इ. अनर्जक अग्रिमों के लिए प्रावधान
- ई. मानक संपत्ति पर प्रावधान
- उ. अनर्जक निवेश के लिए प्रावधान
- ऊ. अन्य सामान्य और आवश्यक मदें

अनुसूची - 18

31-03-2022 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों के भाग के रूप में खातों पर नोट्स

अ: वित्तीय विवरणों में प्रस्तुतीकरण और प्रकटीकरण पर आरबीआई के मास्टर निर्देश के अनुसार प्रकटीकरण

1. विनियामक पूंजी

बैंक आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार पूंजी पर्याप्तता अनुपात की गणना करता है। 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक द्वारा बनाए रखने के लिए आवश्यक न्यूनतम पूंजी 9% है। आरबीआई के परिपत्र के अनुसार गणना किया गया बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात नीचे दिया गया है;

अ. विनियामक पूंजी की संरचना

(रु. करोड़ में राशि)

क्रमांक	विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
i	सामान्य इक्विटी टियर 1 कैपिटल (सीईटी 1)	1414.01	662.43
ii	अतिरिक्त टियर 1 पूंजी	-	-
iii	टियर 1 पूंजी (i+ii)	1414.01	662.43
iv	टियर 2 पूंजी*	294.55	283.93
v	कुल पूंजी (टियर1+टियर2)	1708.56	946.36
vi	कुल जोखिम भारित आस्तियां (आरडब्ल्यूए)	14971.61	14113.21
vii	सीईटी1 अनुपात (आरडब्ल्यूए के प्रतिशत के रूप में सीईटी1)	9.44	4.70
viii	टियर 1 अनुपात (आरडब्ल्यूए के प्रतिशत के रूप में टियर 1 पूंजी)	9.44	4.70
ix	टियर 2 अनुपात (आरडब्ल्यूए के प्रतिशत के रूप में टियर2 पूंजी)	1.97	2.01
x	जोखिम भारित आस्ति अनुपात (सीआरएआर)को पूंजी (आरडब्ल्यूए के प्रतिशत के रूप में कुल पूंजी)	11.41	6.71
xi	शेयरधारिता का प्रतिशत अ) भारत सरकार आ) केरल सरकार इ) प्रायोजक बैंक	50 15 35	50 15 35
xii	वर्ष के दौरान एकत्र की गई प्रदत्त इक्विटी पूंजी की राशि	627.44	-
xiii	वर्ष के दौरान एकत्र की गई नोन-इक्विटी टियर 1 पूंजी की राशि	Nil	Nil
xiv	वर्ष के दौरान एकत्र की गई टियर 2 पूंजी की राशि	Nil	Nil

नोट सं.18 B.6 देखें।

*पिछले वर्ष के दौरान टियर 2 पूंजी के लिए विचार किए गए सामान्य प्रावधान और हानि रिज़र्व में रु.44.8 करोड़ शामिल हैं जो एनपीए के लिए बनाए गए अतिरिक्त प्रावधान हैं जो जोखिम भारित आस्तियों के 1.25% तक सीमित हैं। वर्तमान वर्ष में शामिल की गई अनुरूप राशि शून्य है।

आस्ति देयता प्रबंधन -संपत्ति और देयता की कुछ मदों की परिपक्वता का स्वरूप

(रु. करोड़ में राशि)

चालू वर्ष	1 दिन	2 से 7 दिन	8 से 14 दिन	15 से 30 दिन	31 दिन से 2 महीने	2 महीने से 3 महीने तक	3 महीने से 6 महीने तक	6 महीने से 1 वर्ष तक	1 वर्ष से अधिक और 3 वर्ष तक	3 वर्ष से अधिक और 5 वर्ष तक	5 वर्ष से अधिक	कुल
जमा	67.16	134.32	1141.74	307.35	1692.36	1384.66	2290.19	4644.99	9739.46	333.09	98.27	21833.59
अग्रिमों	23.60	65.56	557.23	238.89	871.71	469.38	3405.63	7798.89	2163.40	1364.44	1536.66	18495.39
अन्य बैंकों के साथ निवेश और सावधि जमा	45.50	649.96	28.00	14.97	1128.69	1090.00	25.11	1033.55	350.98	170.23	3255.52	7792.51
उधार	-	-	-	-	-	1062.98	45.96	1227.87	1391.13	151.88	0.42	3880.24
विदेशी मुद्रा आस्तियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विदेशी मुद्रा देयताएं	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

पिछला वर्ष

(रु. करोड़ में राशि)

	1 दिन	2 से 7 दिन	8 से 14 दिन	15 से 30 दिन	31 दिन से 2 महीने	2 महीने से 3 महीने तक	3 महीने से 6 महीने तक	6 महीने से 1 वर्ष तक	1 वर्ष से अधिक और 3 वर्ष तक	3 वर्ष से अधिक और 5 वर्ष तक	5 वर्ष से अधिक	कुल
जमा	59.54	119.07	1012.10	581.91	701.50	1302.79	3713.58	4416.74	7868.30	247.05	127.90	20150.48
अग्रिमों	27.55	55.07	468.13	120.78	727.97	1351.94	3097.97	7239.41	2073.27	1399.28	1475.42	18036.79
अन्य बैंकों के साथ निवेश और सावधि जमा	160.34	395.00	55.87	424.58	788.00	-	200.00	610.00	371.68	330.50	2986.69	6322.66
उधार	64.00	7.00	7.00	23.00	1000.71	-	724.83	1546.99	712.22	449.15	220.97	4755.87
विदेशी मुद्रा आस्तियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विदेशी मुद्रा देयताएं	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-



3. निवेश

अ. निवेश संविभाग की संरचना

यथा 31.03.2022 पर

(रु. करोड़ में राशि)

	भारत में निवेश							भारत के बाहर निवेश	कुल निवेश
	सरकारी प्रतिभूतियां	अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	शेयरों	डिबेंचर और बांड	सहायक और/या संयुक्त उद्यम	अन्य	भारत में कुल निवेश		
परिपक्वता तक धारित									
सकल	2563.58	-	-	-	-	-	2563.58	-	2563.58
कम: अनर्जक निवेश (एनपीआई) के लिए प्रावधान	-	-	-	-	-	-	-	-	-
निवल	2563.58	-	-	-	-	-	2563.58	-	2563.58
बिक्री हेतु उपलब्ध									
कुल	1202.96	-	0.29	53.20	-	48.50	1304.95	-	1304.95
कम: मूल्यहास और एनपीआई के लिए प्रावधान	-	-	-	-	-	-	-	-	-
निवल	1202.96	-	0.29	53.20	-	48.50	1304.95	-	1304.95
ट्रेडिंग के लिए धारित									
सकल	308.62	-	-	-	-	-	308.62	-	308.62
कम: मूल्यहास और एनपीआई के लिए प्रावधान	-	-	-	-	-	-	-	-	-
निवल	308.62	-	-	-	-	-	308.62	-	308.62
कुल निवेश	4075.16	-	0.29	53.20	-	48.50	4177.15	-	4177.15
कम: अनर्जक निवेशों के लिए प्रावधान	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कम: मूल्यहास और एनपीआई के लिए प्रावधान	-	-	-	-	-	-	-	-	-
निवल	4075.16	-	0.29	53.20	-	48.50	4177.15	-	4177.15

	भारत में निवेश								भारत के बाहर निवेश	कुल निवेश
	सरकारी प्रतिभूतियां	अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	शेयरों	डिबेंचर और बांड	सहायक और/या संयुक्त उद्यम	अन्य	भारत में कुल निवेश			
परिपक्वता तक धारित										
सकल	2371.26	-	-	-	-	-	2371.26	-	2371.26	
कम: अनर्जक निवेश (एनपीआई) के लिए प्रावधान	-	-	-	-	-	-		-		
निवल	2371.26	-	-	-	-	-	2371.26	-	2371.26	
बिक्री हेतु उपलब्ध										
कुल	1341.21	-	0.29	68.34	-	144.44	1554.28	-	1554.28	
कम: मूल्यहास और एनपीआई के लिए प्रावधान	-	-	-	-	-	-		-	-	
निवल	1341.21	-	0.29	68.34	-	144.44	1554.28	-	1554.28	
ट्रेडिंग के लिए धारित										
सकल	696.75	-	-	-	-	-	696.75	-	696.75	
कम: मूल्यहास और एनपीआई के लिए प्रावधान	-	-	-	-	-	-		-	-	
निवल	696.75	-	-	-	-	-	696.75	-	696.75	
कुल निवेश	4409.22	-	0.29	68.34	-	144.44	4622.29	-	4622.29	
कम: अनर्जक निवेशों के लिए प्रावधान	-	-	-	-	-	-		-	-	
कम: मूल्यहास और एनपीआई के लिए प्रावधान	-	-	-	-	-	-		-	-	
निवल	4409.22	-	0.29	68.34	-	144.44	4622.29	-	4622.29	

आ. मूल्यहास और निवेश अस्थिरता रिजर्व के प्रावधानों का संचलन

(रु.करोड़ में राशि)

ब्यौरा	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i) निवेशों पर मूल्यहास की ओर रखे गए प्रावधानों का संचलन		
अ) प्रारंभिक शेष	शून्य	शून्य
आ) जोड़: वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	शून्य	शून्य
इ) कम: वर्ष के दौरान अतिरिक्त प्रावधानों को बढ़े खाते में डालना/प्रतिलेखन	शून्य	शून्य
ई) अंतिम शेष	शून्य	शून्य
ii) निवेश उतार चढ़ाव आरक्षित निधि का संचलन		
अ) प्रारंभिक शेष	102.44	102.44
आ) जोड़: वर्ष के दौरान अंतरित किए गए राशि	-	-
इ) कम: गिरावट	-	-
ई) अंतिम शेष	102.44	102.44
iii) एएफएस और एचएफटी/वर्तमान श्रेणी में निवेश के अंतिम शेष के प्रतिशत के रूप में आईएफआर में अंतिम शेष	6.35%	4.55%

इ. एचटीएम श्रेणी से/को बिक्री और अंतरण

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, एचटीएम श्रेणी से प्रतिभूतियों की बिक्री का कुल मूल्य आरबीआई द्वारा निर्दिष्ट अनुसार वर्ष की शुरुआत में एचटीएम श्रेणी में रखे गए निवेश के बही मूल्य के 5% की सीमा से अधिक हो गया है और आरबीआई के दिशानिर्देश के अनुसार अनिवार्य प्रकटीकरण इस प्रकार हैं,

(रु.करोड़ में राशि)

ब्यौरा	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
वर्ष के अंत में एचटीएम श्रेणी के अंतर्गत रखी गई प्रतिभूतियों का बाजार मूल्य	2545.93	2437.46
बाजार मूल्य से अधिक एचटीएम प्रतिभूतियों का बही मूल्य। (उसके संबंध में कोई प्रावधान करने की आवश्यकता नहीं है)	17.65	-

ई. गैर -एसएलआर निवेश संविभाग

i) अनर्जक गैर-एसएलआर निवेश

(रु. करोड़ में राशि)

क्रमांक	विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
अ)	प्रारंभिक जमा	-	-
आ)	1 अप्रैल से वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	-
इ)	उपरोक्त अवधि के दौरान कटौती	-	-
ई)	अंतिम शेष	-	-
उ)	रखे गए कुल प्रावधान	-	-

ii) गैर -एसएलआर निवेशों के जारीकर्ता की संरचना

(रु. करोड़ में राशि)

क्रमांक	जारीकर्ता	राशि		निजी प्लेसमेंट की सीमा		'निवेश गेड से नीचे प्रतिभूतियों की सीमा		'अनिर्धारित' प्रतिभूतियों की सीमा		असूचीबद्ध प्रतिभूतियों की सीमा	
		वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
(1)	(2)	(3)		(4)		(5)		(6)		(7)	
a)	पीएसयू	15.25	38.59	-	-	-	-	-	-	0.25	0.25
b)	एफआई	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
c)	बैंकों	10.04	30.04	-	-	-	-	-	-	-	-
d)	निजी कॉर्पोरेट	28.20	-	-	-	-	-	-	-	-	-
e)	सहायक/संयुक्त उद्यम	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
f)	अन्य	48.50	144.44	-	-	-	-	-	-	-	-
g)	मूल्यहास के लिए रखे गए प्रावधान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल	101.99	213.07	-	-	-	-	-	-	0.25	0.25

उ. रेपो लेनदेन

बैंक ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान कोई रेपो लेनदेन नहीं किया है।

4.आस्ति गुणवत्ता

अ. धारित अग्रिमों और प्रावधानों का वर्गीकरण
यथा 31.03.2022 पर

(रु.करोड़ में राशि)

	मानक	अनर्जक				कुल
		उप मानक	संदिग्ध	हानि	कुल अनर्जक अग्रिम	
सकल मानक अग्रिम और एनपीए						
प्रारंभिक शेष	17783.27	166.26	329.92	177.34	673.52	18456.79
जोड़: वर्ष के दौरान परिवर्धन					1374.40	17547.91
कम: वर्ष के दौरान कटौती*					1453.35	16725.61
अंतिम शेष	18684.52	106.33	324.17	164.07	594.57	19279.09
*निम्न के कारण सकल एनपीए में कटौती:						
i) उन्नयन					1205.31	1205.31
ii) वसूली (उन्नयन किए गए खातों से वसूली को छोड़कर)					241.15	241.15
iii) तकनीकी/विवेकपूर्ण बड़े खाते में डालना					-	-
iv) उपरोक्त (iii) के तहत अन्य के अलावा बड़े खाते डालना					6.89	6.89
प्रावधान (अस्थायी प्रावधानों को छोड़कर)						
धारित प्रावधानों का प्रारंभिक शेष	131.60	46.29	196.69	177.01	419.99	551.59
जोड़: वर्ष के दौरान किए गए नए प्रावधान					170.59	250.26
कम: रिवर्स किए गए अतिरिक्त प्रावधान/ बड़े-खाते डाले गए ऋण					6.88	6.88
धारित प्रावधानों का अंतिम शेष	211.27	106.62	313.28	163.8	583.70	794.97
निवल एनपीए						
प्रारंभिक शेष		119.97	133.23	0.32	253.53	
जोड़: वर्ष के दौरान नए परिवर्धन					-	
कम: वर्ष के दौरान कटौती					253.53	
अंतिम शेष		-	-	-	-	

	मानक कुल मानक अग्रिम	अनर्जक				कुल
		उप मानक	संदिग्ध	हानि	कुल अनर्जक अग्रिम	
सकल मानक अग्रिम और एनपीए						
प्रारंभिक शेष	17148.73	253.29	327.54	190.25	771.08	17919.81
जोड़: वर्ष के दौरान परिवर्धन					441.69	17621.64
कम: वर्ष के दौरान कटौती*					539.25	17087.66
अंतिम शेष	17783.27	166.26	329.92	177.34	673.52	18456.79
* निम्न के कारण सकल एनपीए में कटौती:						
i) उन्नयन					349.40	349.40
ii) वसूली (उन्नयन किए गए खातों से वसूली को छोड़कर)					173.70	173.70
iii) तकनीकी/विवेकपूर्ण बड़े खाते में डालना					-	-
iv) उपरोक्त (iii) के तहत अन्य के अलावा बड़े खाते डालना					16.15	16.15
प्रावधान (अस्थायी प्रावधानों को छोड़कर)						
धारित प्रावधानों का प्रारंभिक शेष	88.49	25.54	143.08	189.91	358.53	447.02
जोड़: वर्ष के दौरान किए गए नए प्रावधान					77.61	120.72
कम: रिवर्स किए गए अतिरिक्त प्रावधान/ बड़े-खाते डाले गए ऋण					16.15	16.15
धारित प्रावधानों का अंतिम शेष	131.6	46.29	196.69	177.01	419.99	551.59
निवल एनपीए						
प्रारंभिक शेष		227.75	184.46	0.34	412.55	
जोड़: वर्ष के दौरान नए परिवर्धन					145.28	
कम: वर्ष के दौरान कटौती					304.30	
अंतिम शेष		119.97	133.23	0.32	253.53	



(रु. करोड़ में राशि)

	मानक		अनर्जक						कुल	
	कुल मानक अग्रिम		उप मानक		संदिग्ध		हानि		कुल अनर्जक अग्रिम	
	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
अस्थायी प्रावधान									-	-
प्रारंभिक शेष									-	-
जोड़: वर्ष के दौरान किए गए अतिरिक्त प्रावधान									-	-
कम: वर्ष के दौरान राशि आहरण									-	-
अस्थायी प्रावधानों का अंतिम शेष									-	-
भट्टे - खाते में डाले गए तकनीकी और उस पर की गई वसूली	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बट्टे - खाते डाले गए तकनीकी/विवेकपूर्ण प्रारंभिक शेष									-	-
जोड़: वर्ष के दौरान तकनीकी/विवेकपूर्ण बट्टे - खाते डाले गए									-	-
कम: पूर्व में तकनीकी/विवेकपूर्ण बट्टे - खाते डाले गए से की गई वसूली									-	-
अंतिम शेष									-	-

अनुपात (प्रतिशत में)	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सकल अग्रिम को सकल एनपीए	3.08	3.65
निवल अग्रिम को निवल एनपीए	-	1.41
प्रावधान कवरेज अनुपात	100%	62.36%

आ. क्षेत्र -वार अग्रिम और सकल एनपीए

(रु.करोड़ में राशि)

क्रमांक	क्षेत्र	चालू वर्ष			पिछला वर्ष		
		बकाया कुल अग्रिम	सकल एनपीए	सकल एनपीए से उस क्षेत्र में कुल अग्रिमों का प्रतिशत	बकाया कुल अग्रिम	सकल एनपीए	सकल एनपीए से उस क्षेत्र में कुल अग्रिमों का प्रतिशत
i)	प्राथमिकता क्षेत्र						
अ)	कृषि व संबद्ध गतिविधियाँ	13015.61	148.28	1.14	12242.13	151.42	1.24
आ)	प्राथमिकता क्षेत्र उधार के रूप में पात्र उद्योग क्षेत्र के लिए अग्रिम	1354.39	187.15	13.82	1343.25	185.62	13.81
इ)	सेवाएं	-	-	-	-	-	-
ई)	व्यक्तिगत ऋण	3795.66	209.02	5.51	3859.16	269.24	6.98
	उप-योग (i)	18165.66	544.45	2.99	17444.54	606.28	3.48
ii)	गैर-प्राथमिकता क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
अ)	कृषि व संबद्ध गतिविधियाँ	-	-	-	-	-	-
आ)	उद्योग	-	-	-	-	-	-
इ)	सेवाएं	-	-	-	-	-	-
ई)	व्यक्तिगत ऋण	1113.43	50.12	4.50	1012.24	67.24	6.64
	उप-योग (ii)	1113.43	50.12	4.50	1012.24	67.24	6.64



Chairman Sri. C. Jayaprakash felicitating participants of 'Supratheeksha' Winners Meet at Thrissur

इ.संकल्प योजना और पुनर्गठन का विवरण

i)पुनर्रचना के अधीन खातों का विवरण

(रु.करोड़ में राशि)

ब्यौरा		कृषि और संबद्ध गतिविधियाँ		कॉर्पोरेट्स (एमएसएमई को छोड़कर)		सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई)		खुदरा (कृषि और एमएसएमई को छोड़कर)		कुल	
		वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
मानक	उधारकर्ताओं की संख्या	1579	1786	-	-	3817	1038	18273	11292	23669	14116
	सकल राशि (रु.करोड़)	33.81	25.97	-	-	78.84	49.65	899.7	599.05	1012.35	674.67
	धारित प्रावधान (रु.करोड़)	0.46	1.49	-	-	1.5	1.43	50.33	64.57	52.29	67.49
उप-मानक	उधारकर्ताओं की संख्या	255	-	-	-	1423	-	10441	-	12119	-
	सकल राशि (रु.करोड़)	3.01	-	-	-	38.42	-	412	-	453.43	-
	धारित प्रावधान (रु.करोड़)	0.26	-	-	-	3.76	-	42.92	-	46.94	-
संदिग्ध	उधारकर्ताओं की संख्या	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	सकल राशि (रु.करोड़)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	धारित प्रावधान (रु.करोड़)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल	उधारकर्ताओं की संख्या	1834	1786	-	-	5240	1038	28714	11292	35788	14116
	सकल राशि (रु.करोड़)	36.82	25.97	-	-	117.26	49.65	1311.7	599.05	1465.78	674.67
	धारित प्रावधान (रु.करोड़)	0.72	1.49	-	-	5.26	1.43	93.25	64.57	99.23	67.49

ii.उन खातों का विवरण जिनके संबंध में पुनर्गठन के लिए आवेदन प्रक्रियाधीन हैं लेकिन पुनर्गठन पैकेजों को 31-03-2022 तक अनुमोदित नहीं किया गया है

- i. खातों की संख्या : शून्य
- ii. राशि (रु.करोड़) : शून्य

ई. ऋण एक्सपोजर के अंतरण का प्रकटीकरण

बैंक ने ऋण एक्सपोजर के अंतरण पर आरबीआई मास्टर निर्देश के तहत 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के दौरान 24 सितंबर, 2021 को किसी भी ऋण को अंतरण /अधिग्रहित नहीं किया है।

उ. धोखाधड़ी वाले खाते

चालू वित्तीय वर्ष के दौरान रिपोर्ट की गई धोखाधड़ी की संख्या और राशि और उस पर प्रावधान नीचे दिए गए हैं,

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
रिपोर्ट की गई धोखाधड़ी की संख्या	7	7
धोखाधड़ी में शामिल राशि (रु.लाख)	11.64	65.32
ऐसी धोखाधड़ी के लिए किए गए प्रावधान की राशि (रु.लाख)	0.89	NIL-Fully Recovered
वर्ष के अंत में 'अन्य रिज़र्व' से डेबिट किए गए अनारक्षित प्रावधान की राशि (रु.लाख)	N.A	N.A

नोट सं. 18.B.2 का संदर्भ लें

ऊ. कोविड-19 से संबंधित तनाव के लिए संकल्प ढांचे के तहत प्रकटीकरण

आरएफ1 और आरएफ2 पर आरबीआई के परिपत्र के अनुसार कोविड-19 संबंधित तनाव के लिए संकल्प ढांचे के तहत कार्यान्वित संकल्प योजना का विवरण

(रु.करोड़ में राशि)

उधारकर्ता का प्रकार	संकल्प योजना के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप मानक के रूप में वर्गीकृत खातों के लिए एक्सपोजर - यथा पिछले छमाही के अंत पर स्थिति (अ)	(अ) का, कुल कर्ज जो छमाही के दौरान एनपीए में फिसल गया	(अ) का छमाही के दौरान बड़े खाते डाली गई राशि	(अ) का छमाही के दौरान उधारकर्ताओं द्वारा भुगतान की गई राशि	संकल्प योजना के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप मानक के रूप में वर्गीकृत खातों में एक्सपोजर - यथा इस छमाही के अंत पर स्थिति
व्यक्तिगत लोन	1252.19	19.63	-	77.57	1298.10
कॉर्पोरेट व्यक्ति	-	-	-	-	-
जिनमें से एमएसएमई	-	-	-	-	-
अन्य	7.3	1.43	-	2.82	47.02
कुल	1259.49	21.06	-	80.39	1345.12

नोट सं. 18.B.5 का संदर्भ लें

ऋ. .आरबीआई परिपत्र संख्या - डीओआर.एसटीआर.आरईसी.11/21.04.048/2021-22 दिनांक 05 मई, 2021 के खंड 22 के संदर्भ में "संकल्प ढांचा - 2.0: व्यक्तिओं और छोटे व्यापार का कोविड-19 के संकल्प संबंधित तनाव का समाधान" पर संशोधन को स्वीकृत और निम्न में कार्यान्वित किया गया था

- उधारकर्ता खातों की संख्या : 375
- ऐसे उधारकर्ताओं के लिए बैंक का कुल एक्सपोजर : रु. 20.06 करोड़

5. एक्सपोजर

अ.स्वावर संपदा क्षेत्र के लिए एक्सपोजर

(रु.करोड़ में राशि)

श्रेणी	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i) प्रत्यक्ष एक्सपोजर		
अ) आवासीय गिरवी उपरोक्त में से, प्राथमिकता क्षेत्र के अग्रिमों में शामिल किए जाने के लिए पात्र व्यक्तिगत आवास ऋण	3204.43	3104.99
आ) वाणिज्यिक स्वावर संपदा	3152.78	3037.69
इ) बंधक समर्थित प्रतिभूतियों (एमबीएस) और अन्य प्रतिभूतिकृत एक्सपोजर में निवेश	40.59	50.10
i आवासीय		
ii. व्यावसायिक स्वावर संपदा		
ii)अप्रत्यक्ष एक्सपोजर		
नेशनल हाउसिंग बैंक और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों पर निधि आधारित और गैर-निधि आधारित एक्सपोजर	-	-
स्वावर संपदा क्षेत्र के लिए कुल एक्सपोजर	-	-
स्वावर संपदा क्षेत्र के लिए कुल एक्सपोजर	3245.02	3155.09

आ.पूंजी बाजार के लिए एक्सपोजर

(रु.करोड़ में राशि)

व्यौरा	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
इक्विटी शेयरों, परिवर्तनीय बांडों, परिवर्तनीय डिबेंचरों और इक्विटी उन्मुख म्यूचुअल फंड की इकाइयों में प्रत्यक्ष निवेश, जिसमें से विशेष रूप से निगमित ऋण में निवेश नहीं किया गया है	43.99	119.73

इ.अरक्षित अग्रिम

(रु.करोड़ में राशि)

व्यौरा	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बैंक के कुल अरक्षित अग्रिम	1894.33	1873.13
उपरोक्त में से, अग्रिम की राशि जिसके लिए अमूर्त प्रतिभूतियां जैसे अधिकार, लाइसेंस, प्राधिकरण, आदि पर शुल्क लिया गया है।	-	-
ऐसी अमूर्त प्रतिभूतियों का अनुमानित मूल्य	-	-

ई.समय-समय पर संशोधित आरबीआई परिपत्र सं डीबीआर.सं.बीपी.बीसी.18/21.04.048/2018-19 दिनांक 1 जनवरी 2019 के तहत पुनर्गठित एमएसएमई खाते

पुनर्संरचित खातों की संख्या	राशि (रु.मिलियन में)
1811	372.20

उ. अंतः समूह एक्सपोजर

- i) अंतः समूह एक्सपोजर की कुल राशि* :रु. 3.98 लाख
- ii) शीर्ष 20 अंतः समूह एक्सपोजर की कुल राशि :रु. 3.98 लाख
- iii) उधारकर्ताओं/ग्राहकों पर बैंक के कुल एक्सपोजर का अंतः समूह एक्सपोजर का प्रतिशत : -
- iv) अंतः समूह एक्सपोजर पर सीमा के उल्लंघन का विवरण और उस पर नियामक कार्रवाई, यदि कोई हो। : शून्य
- *केनरा बैंक के इक्विटी शेयर।

6.जमा, अग्रिमों, एक्सपोजरों और एनपीए का केन्द्रीकरण

अ. जमा का केन्द्रीकरण

(रु.करोड़ में राशि)

व्यौरा	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बीस सबसे बड़े उधारकर्ताओं का कुल जमा	2706	2730
बैंक के कुल जमा के लिए बीस सबसे बड़े उधारकर्ताओं के जमा का प्रतिशत	12.39%	13.55%

आ.अग्रिम का केन्द्रीकरण

(रु.करोड़ में राशि)

व्यौरा	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बीस सबसे बड़े उधारकर्ताओं को कुल अग्रिम*	1455.21	1228.63
बैंक के कुल अग्रिमों के लिए बीस सबसे बड़े उधारकर्ताओं को अग्रिमों का प्रतिशत	7.5%	6.7%

* क्रेडिट एक्सपोजर के आधार पर गणना - मंजूर सीमा या बकाया, जो भी अधिक हो

इ.एक्सपोजर का केन्द्रीकरण

(रु.करोड़ में राशि)

व्यौरा	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बीस सबसे बड़े उधारकर्ताओं/ग्राहकों के प्रति कुल एक्सपोजर	1455.21	1228.63
उधारकर्ताओं/ग्राहकों पर बैंक के कुल एक्सपोजर के लिए बीस सबसे बड़े उधारकर्ताओं/ग्राहकों के प्रति एक्सपोजर का प्रतिशत	7.5%	6.7%

ई.एनपीए का केन्द्रीकरण

(रु.करोड़ में राशि)

व्यौरा	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
शीर्ष बीस एनपीए खातों में कुल एक्सपोजर	11.40	7.71
कुल सकल एनपीए में बीस सबसे बड़े एनपीए एक्सपोजर के लिए एक्सपोजर का प्रतिशत।	1.92%	1.15%

7.जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता निधि (डीईए फंड) में अंतरण

(रु.करोड़ में राशि)

क्रमांक	व्यौरा	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	डीईए निधि में अंतरित राशि का प्रारंभिक शेष	36.38	30.69
ii)	जोड़: वर्ष के दौरान डीईए निधि में अंतरित राशि	12.54	6.62
iii)	कम: दावों के लिए डीईए निधि द्वारा प्रतिपूर्ति की गई राशि	2.66	0.93
iv)	डीईए निधि में अंतरित राशि का अंतिम शेष	46.26	36.38

8. शिकायतों का प्रकटीकरण

अ. बैंक द्वारा ग्राहकों से और लोकपाल के कार्यालयों से प्राप्त शिकायतों की संक्षिप्त जानकारी

क्रमांक	व्यौरा	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	बैंक द्वारा अपने ग्राहकों से प्राप्त शिकायतें		
1.	वर्ष की शुरुआत में लंबित शिकायतों की संख्या	-	5
2.	वर्ष के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या	115	107
3.	वर्ष के दौरान निपटाई गई शिकायतों की संख्या	115	112
3.1	जिनमें से, बैंक द्वारा अस्वीकृत शिकायतों की संख्या	-	-
4.	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	-	-
	बैंक द्वारा लोकपाल के कार्यालय से प्राप्त अनुरक्षण योग्य शिकायतों की संख्या		
5.	बैंक द्वारा लोकपाल के कार्यालय से प्राप्त अनुरक्षण योग्य शिकायतों की संख्या	157	82
5.1.	में से, लोकपाल कार्यालय द्वारा बैंक के पक्ष में हल की गई शिकायतों की संख्या	152	81
5.2	में से, लोकपाल के कार्यालय द्वारा जारी सुलह/मध्यस्थता/सलाह के माध्यम से हल की गई शिकायतों की संख्या	5	1
5.3	में से, बैंक के खिलाफ लोकपाल के कार्यालय द्वारा अधिनिर्णय पारित करने के बाद हल की गई शिकायतों की संख्या	-	-
6.	निर्धारित समय के भीतर लागू नहीं किए गए अधिनिर्णय की संख्या (अपील किए गए के अलावा)	-	-
नोट: अनुरक्षण योग्य शिकायतें विशेष रूप से एकीकृत लोकपाल योजना, 2021 (पहले बैंकिंग लोकपाल योजना, 2006) में उल्लिखित आधारों पर और योजना के दायरे में आने वाली शिकायतों को संदर्भित करती हैं।			

आ. ग्राहकों से बैंक को प्राप्त शिकायतों के शीर्ष पांच आधार

शिकायतों के आधार (अर्थात् संबंधित शिकायतें)	वर्ष की शुरुआत में लंबित शिकायतों की संख्या	वर्ष के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या	पिछले वर्ष की तुलना में प्राप्त शिकायतों की संख्या में वृद्धि / कमी %	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	5 में से, 30 दिनों से अधिक लंबित शिकायतों की संख्या
1	2	3	4	5	6
चालू वर्ष					
एटीएम कार्ड		5			
खाता खोलना/खातों के संचालन में कठिनाई		13			
अन्य		97			
कुल	-	115	7.47%	-	-
पिछला वर्ष					
एटीएम कार्ड		12			
खाता खोलना/खातों के संचालन में कठिनाई		18			
अन्य	5	77			
कुल	5	107	-51.36%	5	-

9.भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लगाए गए दंड का प्रकटीकरण

वर्ष के दौरान, बैंकिंग विनियमन अधिनियम के किसी भी प्रावधान के उल्लंघन या अधिनियम की किसी अन्य आवश्यकताओं, या अधिनियम के तहत रिजर्व बैंक द्वारा निर्दिष्ट आदेश, नियम या शर्तों के गैर-अनुपालन के लिए आरबीआई द्वारा कोई दंड नहीं लगाया गया था।

10.अन्य प्रकटीकरण

अ. कारोबार अनुपात

ब्यौरा	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i) कार्यशील निधि के लिए प्रतिशत के रूप में ब्याज आय	7.70	7.77
ii) कार्यशील निधि के लिए प्रतिशत के रूप में गैर-ब्याज आय	1.30	1.08
iii) जमा की लागत	4.43	5.13
iv) निवल ब्याज मार्जिन	3.89	3.31
v) कार्यशील निधियों के लिए प्रतिशत के रूप में परिचालन लाभ	1.54	0.77
vi) आस्तियों पर प्रतिलाभ@		
i) प्रति कर्मचारी व्यवसाय (जमा और अग्रिम) (रु.करोड़ में)	0.46	0.13
vii) प्रति कर्मचारी लाभ (रु.लाख में)	3.60	0.97
viii) प्रति कर्मचारी कारोबार(जमा सह अग्रिम) (रु.लाख में)	1138.36	1062.22

2.निवेशों का वर्गीकरण और मूल्यांकन, अनिष्पादित निवेशों की पहचान और प्रावधान (वित्तीय विवरणों की अनुसूची 8 को वित्तीय विवरणों की अनुसूची 17 के नोट 4 के साथ पढ़ा गया)

@ - "आस्तियों पर प्रतिलाभ" कुल संपत्तियों के औसत के संदर्भ में होगा

आ. बैंक बीमा व्यवसाय

(रु.करोड़ में राशि)

ब्यौरा	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बीमा ब्रोकिंग, एजेंसी और बैंक बीमा व्यवसाय के संबंध में अर्जित शुल्क/दलाली	4.47	3.63

विपणन और वितरण

(रु.करोड़ में राशि)

ब्यौरा	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
विपणन और वितरण समारोह (बैंक बीमा व्यवसाय को छोड़कर) के संबंध में प्राप्त शुल्क / पारिश्रमिक	0.003	0.015



इ.प्राथमिकता क्षेत्र उधार प्रमाणपत्र (पीएसएलसी) के संबंध में प्रकटीकरण

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान कृषि और लघु और सीमांत किसान श्रेणी के तहत प्राथमिकता क्षेत्र उधार प्रमाणपत्र (पीएसएलसी) की बिक्री से होने वाली आय रु.116.7424 करोड़ (पिछले वर्ष: रु.53.3216 करोड़) के बराबर है जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

क्रमांक	इकाइयों की संख्या	राशि (रु.करोड़)	श्रेणी	जारी तिथि	प्रीमियम (%)	आय (रु.करोड़)
1	500	125	एसएमएफ	28-मई -21	2.60	3.25
2	1500	375	एसएमएफ	28-मई -21	2.60	9.75
3	1200	300	एसएमएफ	09-जून-21	2.51	7.53
4	800	200	एसएमएफ	11-जून-21	2.50	5.00
5	400	100	एसएमएफ	11-जून-21	2.50	2.50
6	1200	300	एसएमएफ	11-जून-21	2.50	7.50
7	1200	300	एसएमएफ	14-जून-21	2.50	7.50
8	1200	300	एसएमएफ	14-जून-21	2.52	7.56
9	1200	300	एसएमएफ	14-जून-21	2.51	7.53
10	1200	300	एसएमएफ	14-जून-21	2.52	7.56
11	400	100	एसएमएफ	18-जून-21	2.60	2.60
12	400	100	एसएमएफ	21-जून-21	2.61	2.61
13	400	100	एसएमएफ	21-जून-21	2.63	2.63
14	800	200	एसएमएफ	23-जून-21	2.65	5.30
15	400	100	एसएमएफ	23-जून-21	2.75	2.75
16	400	100	एसएमएफ	23-जून-21	2.80	2.80
17	400	100	एसएमएफ	23-जून-21	2.75	2.75
18	400	100	एसएमएफ	13- सितम्बर -21	2.10	2.10
19	400	100	एसएमएफ	14- सितम्बर-21	2.20	2.20
20	400	100	एसएमएफ	16- सितम्बर -21	2.11	2.11
21	400	100	एसएमएफ	22-सितम्बर-21	2.10	2.10
22	400	100	एसएमएफ	24- सितम्बर -21	2.10	2.10
23	400	100	एसएमएफ	28-सितम्बर-21	2.10	2.10
24	400	100	एसएमएफ	23-दिसंबर -21	1.40	1.40
25	400	100	एसएमएफ	27-दिसंबर -21	1.20	1.20
26	800	200	एसएमएफ	28-दिसंबर -21	1.00	2.00
27	800	200	एसएमएफ	28-दिसंबर -21	1.15	2.30
28	60	15	एसएमएफ	29-दिसंबर -21	1.20	0.18
29	400	100	एसएमएफ	29-दिसंबर -21	1.10	1.10
30	800	200	एसएमएफ	29-दिसंबर -21	1.10	2.20
31	400	100	एसएमएफ	30-दिसंबर -21	0.95	0.95
32	400	100	एसएमएफ	30-दिसंबर -21	0.95	0.95
33	400	100	एसएमएफ	16-फरवरी -22	0.40	0.40
34	400	100	एसएमएफ	18-फरवरी -22	0.45	0.45
35	400	100	एसएमएफ	18-फरवरी -22	0.50	0.50
36	400	100	एसएमएफ	02-मार्च -22	0.40	0.40
37	1200	300	एसएमएफ	02-मार्च -22	0.40	1.20
38	540	135	एसएमएफ	02-मार्च -22	0.40	0.54
39	260	65	एसएमएफ	02-मार्च -22	0.40	0.26
40	740	185	एसएमएफ	02-मार्च -22	0.40	0.74
41	60	15	एसएमएफ	08-मार्च -22	0.40	0.06
42	60	15	एसएमएफ	09-मार्च -22	0.20	0.03
43	2000	500	एसएमएफ	21-मार्च -22	0.06	0.30
44	1040	260	एसएमएफ	21-मार्च -22	0.09	0.234
						117.224

i) पीएसएलसी खरीदा गया:

क्रमांक	इकाइयों की संख्या	राशि (रु.करोड़)	श्रेणी	जारी तिथि	प्रीमियम (%)	आय (रु.करोड़)
1	400	100	सामान्य	30-Dec-21	0.33	0.3696
2	800	200	सामान्य	02-मार्च-22	0.01	0.0224
3	800	200	सामान्य	02-मार्च-22	0.01	0.0224
4	2000	500	कृषि	21-मार्च-22	0.01	0.0560
5	2000	100	एमएसएमई	22-मार्च-22	0.01	0.0112
						0.4816

ई.प्रावधान और आकस्मिकताएं

(रु.करोड़ में राशि)

लाभ और हानि खाते में नामे किया गया प्रावधान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)एनपीआई की ओर प्रावधान	-	-
ii)एनपीए की ओर प्रावधान	170.60	77.61
iii)आयकर की ओर किया गया प्रावधान		
•चालू वर्ष का आयकर	65.23	10.45
•पिछले वर्ष का आयकर	(0.08)	37.95
•आस्थगित कर	(27.40)	(6.88)
iv)अन्य प्रावधान और आकस्मिकताएं (विवरण के साथ)		
•मानक संपत्तियों के लिए प्रावधान	79.67	43.11
•धोखाधड़ी के लिए प्रावधान	0.01	-

डीआईसीजीसी बीमा प्रीमियम का भुगतान

(रु.करोड़ में राशि)

क्रमांक	व्यौरा	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	डीआईसीजीसी बीमा प्रीमियम का भुगतान	22.47	20.69
ii)	डीआईसीजीसी प्रीमियम के भुगतान में बकाया	-	-

11.लेखा मानक 5- अवधि के लिए निवल लाभ/हानि, पूर्व अवधि की मदें और लेखा नीतियों में परिवर्तन:

अवधि के लिए निवल लाभ में निम्नलिखित घटक शामिल हैं: -

अ.सामान्य गतिविधियों से लाभ या हानि: रु. 124.14 करोड़ (लाभ) (पिछले वर्ष रु.33.43 करोड़)

आ.पूर्व अवधि आय - शून्य

इ.पूर्व अवधि व्यय - शून्य

12.लेखा मानक 15 - कर्मचारी लाभ

12.1 सेवानिवृत्ति लाभ

नई पेंशन योजना

उद्योग स्तरीय समझौता दिनांक 27 अप्रैल 2010 के अनुसार, 1 अप्रैल 2010 को या उसके बाद बैंक की सेवाओं पर नियुक्त हुए कर्मचारी मौजूदा पेंशन योजना के लिए पात्र नहीं हैं, जबकि वे केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए शुरू की गई नई पेंशन योजना के साथ परिभाषित अंशदायी पेंशन योजना (डीसीपीएस) के लिए पात्र होंगे। कर्मचारी अपने मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 10% डीसीपीएस की ओर योगदान करेंगे और बैंक भी समान योगदान देगा। 1 अप्रैल 2010 को या उसके बाद कार्यभार ग्रहण करने वाले कर्मचारियों के लिए कोई अलग भविष्य निधि नहीं है।

बैंक ने लाभ और हानि खाते में डीसीपीएस योगदान के लिए रु.21.98 करोड़ (पिछले वर्ष: रु.12 करोड़) स्वीकृत किये हैं।

12.2 अन्य सेवानिवृत्ति लाभ

बैंक ने कर्मचारी लाभ की ओर लाभ और हानि खाते में निम्नलिखित रशि स्वीकृत की है: (करोड़ में रु.)

ब्यौरा	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
पेंशन निधि	365.04	352.34
उपदान निधि	शून्य	शून्य
विशेषाधिकार/बीमारी/आकस्मिक छुट्टी पर अनुपस्थिति के लिए मुआवजा	शून्य	शून्य

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक-15 के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन पर पेंशन, उपदान और छुट्टी के कारण कर्मचारी लाभ का पता लगाया गया है।

12.3 बैंक के दायित्वों और योगदान के वर्तमान मूल्य का निर्धारण करने के लिए उपदान और विशेषाधिकार छुट्टी और पेंशन के संबंध में बीमांकिक धारणाओं को निम्न के विभिन्न मापदण्ड निश्चित करके किया गया है

- आईसीएआई द्वारा जारी लेखा मानक 15 (संशोधित) में उल्लिखित मुद्रास्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति और अन्य कारकों को ध्यान में रखते हुए वेतन वृद्धि।
- पिछले अनुभव और अपेक्षित भविष्य के अनुभव के संदर्भ में संघर्षण दर और इसमें मृत्यु के अलावा अन्य सभी प्रकार की निकासी शामिल है, लेकिन इसमें विकलांगता के कारण निकासी शामिल है।

अ. बीमांकिक धारणाएं:

ब्यौरा	उपदान		विशेषाधिकार छुट्टी		पेंशन	
	2021-22	2020-21	2021-22	2020-21	2021-22	2020-21
छूट दर	7.37%	6.97%	7.37%	6.97%	6.48%	5.80%
आस्ति पर अपेक्षित प्रतिलाभ	6.97%	6.51%	6.76%	11.10%	6.50%	5.80%
वेतन वृद्धि	6%	6%	6%	6%	6%	6%
संघर्षण दर	1%	1%	1%	1%	10	10
मृत्यु दर	आईएएलएम 2012-14 अल्टीमेट	आईएएलएम 2006-08 अल्टीमेट	आईएएलएम 2012-14 अल्टीमेट	आईएएलएम 2006-08 अल्टीमेट	आईएएलएम 2012-14 अल्टीमेट	आईएएलएम 2006-08

आ.31 मार्च 2022 को समाप्त होते वर्ष में देयता और संपत्ति में परिवर्तन:

(लाख में रु.)

ब्यौरा	उपदान		विशेषाधिकार छुट्टी	
	2021-22	2020-21	2021-22	2020-21
वर्ष की शुरुआत में दायित्वों का वर्तमान मूल्य	15820.80	16871.45	9290.52	12526.15
ब्याज लागत	1032.46	1093.86	617.92	831.53
वर्तमान सेवा लागत	920.03	1359.16	2034.06	1718.05
वर्ष के दौरान भुगतान किए गए लाभ	(3623.61)	(2355.29)	1812.56	(1191.95)
दायित्वों पर बीमांकिक लाभ/हानि	558.05	(1148.37)	124.92	(4593.25)
वर्ष के अंत में दायित्वों का वर्तमान मूल्य	14707.72	15820.80	10254.86	9290.52

इ. 31 मार्च 2022 को समाप्त होते वर्ष के लिए योजनागत आस्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन: (लाख में रु.)

ब्यौरा	उपदान		विशेषाधिकार छुट्टी	
	2021-22	2020-21	2021-22	2020-21
वर्ष की शुरुआत में योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	17310.39	18462.90	16228.73	15792.73
योजनागत आस्तियों पर संभावित लाभ	1206.53	1201.93	1097.06	1752.99
वर्ष के दौरान किए गए प्रभार का निवल योगदान	27.00	-	7.03	-
वर्ष के दौरान भुगतान किए गए लाभ	(3623.61)	(2355.28)	1812.56	(1191.95)
बीमांकिक लाभ/हानि	(80.00)	0.84	0.211	(125.04)
वर्ष के अंत में योजनागत संपत्तियों का उचित मूल्य	14840.27	17310.39	15520.48	16228.73

ई.वित्त पोषित स्थिति: (लाख में रु.)

ब्यौरा	उपदान		विशेषाधिकार छुट्टी	
	2021-22	2020-21	2021-22	2020-21
परिभाषित लाभ दायित्वों का वर्तमान मूल्य	14707.72	15820.80	10254.86	9290.52
योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	14840.27	17310.39	15520.48	16228.74
वित्त पोषित स्थिति [अधिशेष / (घाटा)]	132.55	1489.58	5265.62	6938.22

वर्ष के लिए उपरोक्त जानकारी एक बीमांकक द्वारा प्रमाणित है और लेखापरीक्षक द्वारा इस पर भरोसा किया गया है।

12.4 पेंशन

अ.31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष में दायित्व और आस्तियों में परिवर्तन (लाख में रु.)

ब्यौरा	2021-22	2020-21
वर्ष की शुरुआत में दायित्वों का वर्तमान मूल्य	104049.56	1,01,707.26
ब्याज लागत	6099.64	5,682.67
वर्तमान सेवा लागत	7927.31	6,958.60
वर्ष के दौरान भुगतान किए गए लाभ	19838.69	7,460.26
बीमांकिक लाभ/दायित्वों पर हानि	8289.25	(2838.71)
वर्ष के अंत में दायित्वों का वर्तमान मूल्य	106527.71	104049.56

आ.31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए योजनागत आस्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन (लाख में रु.)

ब्यौरा	2021-22	2020-21
वर्ष की शुरुआत में योजनागत आस्ति का उचित मूल्य	67521.70	48,081.96
योजनागत आस्ति पर संभावित लाभ	4388.91	2,788.76
वर्ष के दौरान किए गए प्रभार का निवल योगदान	39740.28	26,900.00
वर्ष के दौरान भुगतान किए गए लाभ	19838.69	7,460.27
बीमांकिक लाभ/हानि	395.97	(2,788.75)
वर्ष के अंत में योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	92208.16	67,521.70

इ.वित्त पोषित स्थिति: (लाख में रु.)

ब्यौरा	2021-22	2020-21
परिभाषित लाभ दायित्वों का वर्तमान मूल्य	1,06,527.06	1,04,049.56
योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	92,208.16	67,521.70
वित्त पोषित स्थिति [अधिशेष / (घाटा)]	(14318.90)	(36,527.86)
बही में किया गया प्रावधान	7700.00	9,934.91
ऋणमुक्तप्रारंभिक देयता	7619.51	26,592.94

उपरोक्त जानकारी बीमांकक द्वारा प्रमाणित जैसे है और लेखापरीक्षक द्वारा इस पर भरोसा किया गया है।

12.5 वर्ष के अंत में (निवल आस्ति)/देयता:

अ.उपदान

(लाख में रु.)

ब्यौरा	31-03-2022	31-03-2021	31-03-2020	31-03-2019
वर्ष के अंत में दायित्वों का वर्तमान मूल्य	14707.72	15,820.80	16,871.45	17,498.70
वर्ष के अंत में उचित मूल्य योजनागत आस्ति	14840.27	17,310.39	18,462.90	20,017.10
(निवल आस्ति)/देयता	(132.55)	(1,489.58)	(1,591.45)	(2,518.37)

आ.पेंशन

(लाख में रु.)

ब्यौरा	31-03-2022	31-03-2021	31-03-2020	31-03-2019
वर्ष के अंत में दायित्वों का वर्तमान मूल्य	1,06,527.06	1,04,049.56	1,01,707.26	104,373.11
वर्ष के अंत में उचित मूल्य योजनागत आस्ति	92,208.16	67,521.70	48,081.96	18,052.08
(निवल आस्ति)/दायित्व	14,318.89	36,527.86	53,625.30	86,321.03

उपरोक्त जानकारी एक बीमांकक द्वारा प्रमाणित जैसे है और लेखापरीक्षक द्वारा इस पर भरोसा किया गया है।

12.6 बैंक ने वित्तीय वर्ष 2018-19 में पेंशन योजना लागू की है। नाबार्ड के निर्देशों के अनुसार रु. 865.21 करोड़ की प्रारंभिक देयता को 5 वर्ष की अवधि में न्यूनतम 20% प्रति वर्ष की दर से ऋणमुक्त किया जा सकता है।

वर्ष के लिए पेंशन योजना के लिए कुल व्यय रु. 365.04 करोड़ (पिछले वर्ष: रु. 352.34 करोड़) है जिसमें चालू वर्ष के लिए प्रारंभिक देयता का परिशोधन, नियमित मासिक योगदान और अतिरिक्त वार्षिक योगदान/प्रावधान शामिल हैं। अगले वर्ष परिशोधन की जाने वाली प्रारंभिक देयता की शेष राशि रु. 76.20 करोड़ है।

13. लेखा मानक 17 - खंड रिपोर्टिंग

व्यापार खंडों की पहचान की गई है और लक्षित ग्राहक प्रोफाइल, उत्पाद और सेवाओं की प्रकृति, अलग-अलग जोखिम और प्रतिलाभ, संगठन संरचना, आंतरिक कारोबार रिपोर्टिंग प्रणाली को ध्यान में रखते हुए रिपोर्ट की गई है। बैंक निम्नलिखित व्यावसायिक क्षेत्रों में कार्य करता है;

अ. राजकोष:

राजकोष खंड में मुख्य रूप से बैंक के निवेश पोर्टफोलियो पर ब्याज आय, निवेश परिचालन पर लाभ या हानि शामिल है। खंड के प्रमुख खर्चों में उधार ली गई धनराशि पर ब्याज व्यय और अन्य खर्च शामिल है।

आ. खुदरा बैंकिंग:

खुदरा बैंकिंग खंड गैर-कॉर्पोरेट ग्राहकों को ऋण प्रदान करता है। इस खंड के राजस्व में गैर-कॉर्पोरेट ग्राहकों को दिए गए ऋण पर अर्जित ब्याज और अन्य बैंकिंग सेवाओं से अर्जित प्रभार/ शुल्क शामिल हैं। खंड के प्रमुख खर्चों में उधार ली गई धनराशि पर ब्याज व्यय और अन्य खर्च शामिल है।

इ.अन्य बैंकिंग परिचालन:

इस खंड में पैरा बैंकिंग गतिविधियों जैसे डेबिट कार्ड, तृतीय पक्ष उत्पाद वितरण और संबद्ध लागतों से होने वाली आय शामिल है।

भाग ए- कारोबार खंड

(हजारों में रु.)

क्रमांक	व्यौरा	राजकोष परिचालन		खुदरा बैंकिंग परिचालन		अन्य बैंकिंग परिचालन		आबंटित नहीं की गई		कुल	
		2021-22	2020-21	2021-22	2020-21	2021-22	2020-21	2021-22	2020-21	2021-22	2020-21
1	खंड राजस्व	43,01,644	41,70,544	1,97,58,306	1,82,04,459	45,810	38,210	(3,965)	(678)	2,41,01,795	2,24,12,535
2	खंड परिणाम	15,37,518	10,78,550	60,074	(3,48,651)	25,252	20,212	(3,965)	(678)	16,18,879	7,49,433
3	आयकर	-	-	-	-	-	-	-	-	3,77,450	4,15,180
4	निवल लाभ	-	-	-	-	-	-	-	-	12,41,429	3,34,253
5	खंड आस्ति	7,79,25,139	6,32,26,626	20,09,20,892	19,85,76,156	-	-	9,65,530	9,24,709	27,98,11,561	26,27,27,491
6	खंड देयताएं	7,39,37,976	6,12,68,271	19,05,98,609	19,36,97,483	-	-	-	-	26,45,36,585	25,49,65,754
7	नियोजित पूंजी	39,87,163	19,58,355	1,03,22,283	48,78,673	-	-	9,65,530	9,24,709	1,52,74,976	77,61,737

भाग बी- भौगोलिक खंड

चूंकि बैंक केवल एक भौगोलिक खंड, केरल राज्य में काम कर रहा है, भौगोलिक क्षेत्रों के संबंध में कोई खुलासा नहीं किया गया है।

आंतरिक रिपोर्टिंग उद्देश्यों के लिए उपलब्ध एमआईएस के अनुसार खंड जानकारी प्रदान की जाती है, जिसमें कुछ अनुमान/धारणाएं शामिल हैं। उपरोक्त जानकारी के संकलन और रिपोर्टिंग में अपनाई गई कार्यप्रणाली पर लेखापरीक्षकों द्वारा भरोसा किया गया है।

14. लेखा मानक 18- संबंधित पक्ष का प्रकटीकरण

संबंधित पक्षों के नाम और बैंक के साथ उनके संबंध

14.1. मुख्य प्रबंधकीय कर्मी

• श्री. जयप्रकाश सी, अध्यक्ष (07-12-2020 से)

14.2. भुगतान किया गया सकल पारिश्रमिक

(लाख में रु.)

नाम	पदनाम	2021-22	2020-21
श्री. जयप्रकाश सी	अध्यक्ष	26.39	9.41
नागेश जी वैद्य	अध्यक्ष	-	22.95

एएस 18 के परिच्छेद 5 में कहा गया है कि बैंकर-ग्राहक संबंधों की प्रकृति में लेन-देन का खुलासा नहीं किया गया है, जिसमें प्रमुख प्रबंधन कर्मियों और प्रमुख प्रबंधन कर्मियों के रिश्तेदार शामिल हैं।

एएस 18 के परिच्छेद 9 में कहा गया है कि राज्य नियंत्रित उद्यमों के वित्तीय विवरणों में संबंधित पार्टी संबंधों और अन्य राज्य नियंत्रित उद्यमों के साथ लेनदेन के संबंध में किसी भी प्रकटीकरण की आवश्यकता नहीं है। इसलिए केनरा बैंक के साथ लेनदेन का खुलासा नहीं किया गया है।

15. लेखा मानक 20 - प्रति शेयर आय।

प्रति इक्विटी शेयर मूल और डाइल्यूटेड आय की गणना लेखा मानक 20, "प्रति शेयर आय" के अनुसार की जाती है, जैसा कि नीचे दिया गया है।

	ब्यौरा	2021-22	2020-21
A	इक्विटी शेयरधारक के कारण वर्ष के लिए निवल लाभ (रु.000)	12,41,429	3,34,253
B	इक्विटी शेयरों की संख्या	63,58,54,230	84,14,300
C	इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	1,01,33,314	84,14,300
D	प्रति शेयर मूल आय (रु.)	122.51	39.72
E	प्रति शेयर डाइल्यूटेड आय (रु.)	122.51	39.72
F	प्रतिशेयर नाममात्र मूल्य(रु.)	10	10

16. आस्थगित कर.

बैंक ने आस्थगित कर आस्तियों /देयताओं (डीटीए/डीटीएल) को निम्नानुसार मान्यता दी है: (लाख में रु.)

ब्यौरा	मार्च 31, 2022	मार्च 31, 2021
आस्थगित कर आस्ति (अ)		
ऋण/निवेश/अन्य के लिए प्रावधान	5,317.21	2,672.00
एनपीएस अंशदान के संशोधन के समय अंतर पर	201.34	-
कुल (अ)	5,518.55	2,672.00
आस्थगित कर देयताएं (आ)		
आयकर अधिनियम की धारा 36(1)(viii) के तहत बनाया गया विशेष रिजर्व	499.75	335.49
अचल आस्तियां: अचल आस्तियों के बही शेष और कर शेष के बीच अंतर पर	393.63	451.64
कुल (आ)	893.38	787.13
आस्थगित कर संपत्ति (निवल (अ-आ))	4625.17	1,884.87

17. लेखा मानक 28 - आस्तियों की हानि।

प्रबंधन की राय में 31.03.2022 तक भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक 28 के संदर्भ में मान्यता की आवश्यकता के अनुसार किसी भी भौतिक सीमा तक इसकी अचल आस्ति की कोई हानि नहीं है।

18. बैंक ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान रिजर्व से कोई राशि नहीं निकाली है।

आ: अन्य प्रकटीकरण

अंतर शाखा और अंतर कार्यालय खाते, एसए-सस्पेंस, एसएल-सस्पेंस सहित कई अन्य खातों का समाधान सीबीएस (कोर बैंकिंग सॉल्यूशंस) प्लेटफॉर्म पर आधारित एक सतत प्रक्रिया और प्रणाली है।

2.धोखाधड़ी, चोरी और दुर्विनियोजन:

- पूर्ववर्ती वर्षों में तत्कालीन दक्षिण मालाबार ग्रामीण बैंक की चेलेम्ब्रा शाखा में रु.24.94 लाख और 77883 ग्राम सोने के गहनों की चोरी हुई थी। इनमें से 63,848 ग्राम सोना और रु.77.14 लाख पुलिस द्वारा बरामद किए गए थे। बैंक ने 1720 ग्राहकों (3295 खातों/दावेदारों) को रु.981.10 लाख का भुगतान किया था, जिन्होंने शाखा में अपने गहने खो दिए थे। इस प्रकार भुगतान की गई राशि को विविध आस्ति के तहत दिखाया गया है। बैंक को अदालती कार्यवाही पूरी होने पर आगे दावा करने के लिए बैंक के विकल्प को खुला रखते हुए बीमा कंपनी से रु. 77.61 लाख का आंशिक मुआवजा प्राप्त हुआ था। इस प्रकार प्राप्त राशि को विविध देयताओं के मद में दर्शाया गया है। फास्ट ट्रैक कोर्ट, मंजरी का अंतिम फैसला 23.03.2013 को अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए सुनाया गया था। माननीय उच्च न्यायालय, केरल के निर्देश के आधार पर, फास्ट ट्रैक कोर्ट, मंजरी ने बैंक की अंतरिम हिरासत के लिए बैंक को जब्त सोना जारी किया था। बैंक ने बांड निष्पादित करके 63848 ग्राम सोने का अंतरिम कब्जा लिया और उसे सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया है। बैंक ने

माननीय उच्च न्यायालय, केरल के समक्ष एक अपील दायर की थी कि वह हिरासत में रखे सोने की बिक्री की अनुमति दे और 31.03.2022 तक लंबित है।

परप्पनगडी न्यायिक प्रथम श्रेणी न्यायालय और मंजेरी फास्ट ट्रैक कोर्ट ने भी रु. 48.52 लाख (क्रमशः रु. 46.69 लाख और रु. 1.83 लाख) जारी किए थे और इसे बैंक की विविध देयताओं के तहत रखा गया है। बैंक को रु.31 लाख की भूमि की कुर्की का आदेश भी मिला था और उक्त संपत्ति की बिक्री के लिए बेंगलूर न्यायालय के समक्ष एक आवेदन दायर किया था।

- पूर्ववर्ती वर्षों में, पूर्व उत्तर मलाबार ग्रामीण बैंक की पेरिया बाजार शाखा में रु. 6.74 लाख और 32.61 किलोग्राम सोने के गहने चोरी हो गए थे। उपरोक्त में से बैंक ने प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट कोर्ट, होसदुर्ग के माध्यम से रु. 10 लाख की वसूली की थी और उसे विविध देयता खाते में रखा गया है। बैंक को रु.522.65 लाख के कुल नुकसान की तुलना में रु.258.96 लाख का बीमा दावा प्राप्त हुआ था और पिछले वर्षों में शेष राशि का भुगतान किया गया था। आरोपियों के पास से जब्त 11548 ग्राम सोना बरामद करने के प्रयास जारी हैं। इस कारण से बैंक को रु.522.65 लाख का नुकसान हुआ, जिसमें से रु.258.96 लाख बीमा दावे के रूप में वसूल किए गए।

3. एचटीएम श्रेणी के तहत वर्गीकृत निवेशों की खरीद पर भुगतान किए गए प्रीमियम को आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार ऋणमुक्त किया गया है और इस अवधि के दौरान ब्याज आय से रु.572.28 लाख (पिछले वर्ष: रु. 695.73 लाख) तक समायोजित किया गया है।

4. बैंक ने 2915 खातों (पीवाई: 5183 खातों) में रु.688.56 लाख (पिछले वर्ष: रु.1614.74 लाख) को आंशिक रूप से अशोध्य कर्ज के रूप में बट्टे खाते डाल दिया है।

5. पिछले दो वर्षों में विश्व अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले कोविड-19 महामारी के बाद के प्रभाव से भारत उभर रहा है। कोविड 19 की कोई भी नई लहर किस हद तक बैंक के परिणामों को प्रभावित करेगी, यह भविष्य के घटनाक्रमों पर निर्भर करेगा जो अत्यधिक अनिश्चित हैं। हालांकि बैंक की पूंजी और नकदी की स्थिति मजबूत है और इस अवधि के दौरान यह केंद्र क्षेत्र बना रहेगा।

6. वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, मार्च 2022 के महीने में आरआरबी अधिनियम, 1976 में निर्धारित अनुसार 50:35:15 के अनुपात में केंद्र सरकार, प्रायोजक बैंक और केरल सरकार द्वारा रु.627.44 करोड़ की कुल पूंजी बैंक में डाली गई थी। इस निवेश से बैंक की चुकता पूंजी बढ़कर रु. 635.85 करोड़ हो गई है। पुनर्पूँजीकरण सहायता के एवज में बैंक के निदेशक मंडल के अनुमोदन से 31-03-2022 को शेयरधारकों को रु.10 के अंकित मूल्य के 62,74,39,930 पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर सममूल्य पर आवंटित किए गए हैं।

बैंक के जोखिम भारित आस्ति अनुपात को पूंजी (सीआरएआर) में 31-03-2022 तक उपरोक्त के साथ 11.41% (पिछले वर्ष: 6.71%) से सुधार हुआ है और बैंक वित्तीय वर्ष 2022-23 से त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई ढांचे (पीसीए) से बाहर आ गया है।

7. तुलन पत्र में दिखाया गया कुल अग्रिम एनपीए और जारी किए गए इंटरबैंक पार्टिसिपेशन सर्टिफिकेट्स (आईबीपीसी) के लिए वैधानिक प्रावधान का निवल है। 31-03-2022 को बकाया आईबीपीसी रु. 200 करोड़ है (पिछले वर्ष: शून्य)

8. 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए बही में बनाए गए लेखापरीक्षक के पारिश्रमिक का प्रावधान रु. 65 लाख है।

9.आकस्मिक देयताओं का विवरण

9.1ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया दावा :

इसमें बैंक के खिलाफ दायर की गई देयताएं और अन्य कानूनी मामले शामिल हैं। बैंक व्यवसाय के सामान्य क्रम में विभिन्न कानूनी कार्यवाहियों का एक पक्ष है और इनका बैंक द्वारा विरोध किया जाता है और इसलिए ये न्यायाधीन हैं। बैंक यह अपेक्षा नहीं करता कि इन कार्यवाही के परिणाम का बैंक की वित्तीय स्थिति पर वास्तविक प्रतिकूल प्रभाव पड़े। वित्तीय विवरणों में प्रकट किए गए दावों का विवरण इस प्रकार है:

(लाख में रु.)

अपील सं. और तिथि	प्राधिकरण	शामिल मुद्दा	बकाया राशि (रु.लाख में)
एसटी/20071/2019 - डीबी दि.22.01.2019	सीईएसटीएटी	सीईएनवीएटी क्रेडिट का अपात्र लाभ	41.15
एसटी/21809/2016 दि.21-12-2016	सीईएसटीएटी	एकत्रित मूल्यांकन प्रभार पर सेवा कर का भुगतान नहीं करना	56.87

9.2 भारत में घटकों की ओर से गारंटियां , स्वीकृतियां, पृष्ठांकन एवं अन्य दायित्व

बैंकिंग गतिविधियों के एक भाग के रूप में, बैंक अपने ग्राहकों की ओर से गारंटी पत्र और दस्तावेजी क्रेडिट जारी करता है, ताकि ग्राहक की क्रेडिट स्थिति को बढ़ाया जा सके। इन लिखतों के माध्यम से, बैंक अपने ग्राहकों के दायित्वों के लिए भुगतान करने का वचन देता है, या तो प्रत्यक्ष रूप से या यदि ग्राहक अपने वित्तीय या प्रदर्शन दायित्वों को पूरा करने में विफल रहता है:

ब्यौरा	2021-22	2020-21
दी गई गारंटी (रु. करोड़ में)	7.45	6.87

9.3 अन्य मदें जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से उत्तरदायी है

रु. 12.38 करोड़ की पूंजी प्रतिबद्धताएं। (पिछले वर्ष रु. 15.48 करोड़)

10. लेखा मानक 10 "संपत्ति, संयंत्र और उपकरण" के अनुसार, रु. 28.19 लाख (पिछले वर्ष: रु. 29.68 लाख) अचल आस्तियों के पुनर्मूल्यांकन हिस्से पर मूल्यहास को वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान पुनर्मूल्यांकन रिजर्व से विनियोजित किया गया है।

11. पिछले वर्ष के आंकड़ों को चालू वर्ष की प्रस्तुति से मिलान हेतु पुनः समूहित किया गया है।

बेन्नी कुरियन
वरिष्ठ प्रबंधक

गोपकुमार के
मुख्य प्रबंधक

सिद्धार्थन सी
महाप्रबंधक

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

सी. जयप्रकाश
अध्यक्ष

ए. मुरली कृष्ण
निदेशक

एस. प्रेमकुमार
निदेशक

एस. शंकर
निदेशक

लालू पी एन कुट्टी
निदेशक

बैनी जॉर्ज
निदेशक

स्थान: तिरुवनंतपुरम
दिनांक: 06-06-2022

सम तिथि को संलग्न हमारी रिपोर्ट के अनुसार

जी. वेणुगोपाल कामत्त एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
(फर्म पंजीकरण संख्या 004674S)

सीए आर रामचंद्रन
(पार्टनर)

सदस्यता संख्या 23982

यूडीआईएन: 22023982AKMHNO5573



Bank has 10 mobile ATMs



SHG Loan Mela



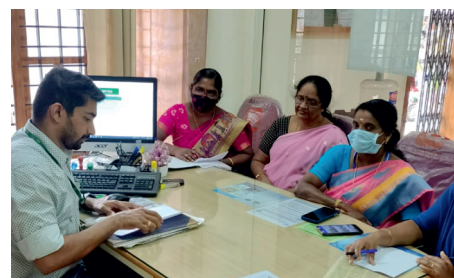
Distribution of Study materials



Credit Camp



Credit Camp



Meeting of CDS Chairpersons



Distribution of Study materials



Cage Farming
financed by Pookode branch